77 गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 ▸ अंक 119 ▸ पृष्ठ 12+4=16 ▸ भोपाल, सोमवार 26 जनवरी, 2026 ▸ माघ शुक्ल पक्ष 08, विक्रम संवत 2082 ▸ महानगर ▸ मूल्य: 5.00 रुपए

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर ऐलान: - पांच हस्तियों को पद्म विभूषण, 13 को पद्मभूषण और 113 को पद्मश्री सम्मान

धर्मेंद्र को पद्म विभूषण, शिबु सोरेन को पद्मभूषण

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया। दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण सम्मान दिया जाएगा। झारखंड के पूर्व सीएम दिवंगत नेता शिबु सोरेन और बॉलीवुड सिंगर अलका याग्निक समेत 13 हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। मध्य प्रदेश की 4 हस्तियों को पद्म पुरस्कार मिले हैं। भोपाल के लेखक कैलाशचंद्र पंत, मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, सागर के मार्शल आर्ट कलाकार भगवानदास रैकवार और नारायण व्यास को पद्मश्री सम्मान दिया जाएगा। क्रिकेटर रोहित शर्मा, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार, महिला क्रिकेट कप्तान हरमनप्रीत समेत 113 हस्तियों को पद्मश्री के लिए चुना गया है।

मध्यप्रदेश के कैलाश, नारायण समेत चार को पद्मश्री

कैलाशचंद्र पंत
वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार, सांस्कृतिक चिंतक
(साहित्य एवं शिक्षा)

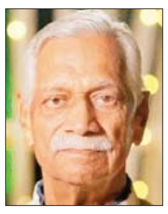

नारायण व्यास
पुरातत्विद, मूर्तिकार और चित्रकार
(पुरातत्व, मूर्तिकला और चित्रकला)

मोहन नागर
उपाध्यक्ष, जन अभियान परिषद
(पर्यावरण और जल संरक्षण)

भगवानदास रैकवार
सागर के मार्शल आर्ट कलाकार
(अखाड़ा संस्कृति की प्राचीनतम युद्ध शैली)

शुभांशु को अशोक चक्र

गणतंत्र दिवस के एक दिन पहले रविवार को केंद्र सरकार ने गैलेंट्री अवॉर्ड्स और सर्विस मेडल की घोषणा की। एस्ट्रोनॉट और एयरफोर्स में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र से सम्मानित किया जाएगा। वहीं तीन को कीर्ति चक्र और 13 को शौर्य चक्र दिया जाएगा। 982 पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़े कर्मियों को बेहतरीन (उत्कृष्ट) सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा, इनमें 125 वीरता पदक भी शामिल हैं।

मप्र के 4 पुलिस अफसरों को राष्ट्रपति पदक

मप्र के 4 पुलिस अफसरों को राष्ट्रपति पदक दिया जाएगा। इनमें इंदौर कमिश्नर संतोष सिंह, मिथलेश कुमार शुक्ला आईजी, अवधेश कुमार गोस्वामी डीआईजी और शिव कुमार पटेल निरीक्षक शामिल हैं। वहीं मध्य प्रदेश के 17 पुलिस अफसरों को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा।

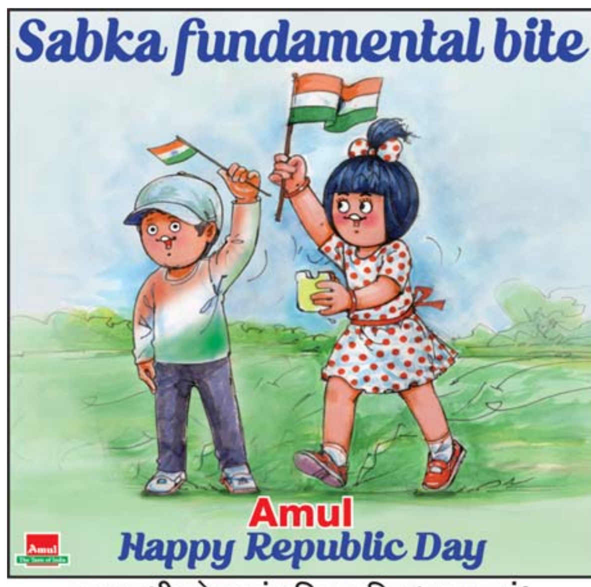

आप सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं!

तीसरे टी-20 में सिर्फ 10 ओवर में 154 रन बनाकर न्यूजीलैंड को रौंदा

अजेय बढ़त: टी-20 में भारत ने लगातार 11वीं सीरीज जीती

गुवाहाटी, जेएनएन। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 मुकाबले में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 10 ओवर में 2 विकेट खोकर 154 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। रविवार को गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में खेले गए मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। साथ ही भारत ने लगातार 11वीं टी-20 सीरीज अपने नाम की। सीरीज का चौथा मुकाबला 28 जनवरी को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। भारत 3-0 से अजेय बढ़त बनाकर सीरीज जीत चुका है। अब टीम की नजर क्लीन स्वीप और रिकॉर्ड जीत को और मजबूत करने पर होगी।

मैच में भारत की जीत के हीरो ओपनर अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने महज 14 गेंदों में अर्धशतक जड़कर रिकॉर्ड बना दिया। कप्तान सूर्यकुमार ने भी आक्रामक अंदाज में 25 गेंदों पर अर्धशतक बनाया। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट झटके। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में 153 रन ही बना सकी। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और रवि बिश्नोई को 2-2 विकेट मिले। भारत ने 10 ओवर में 154 रन चेज किए।

अभिषेक की 14 गेंद पर फिफ्टी: अभिषेक शर्मा ने महज 14 गेंद पर फिफ्टी लगाई। अभिषेक ने 68, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 57 व ईशान किशन ने 28 रन बनाए। न्यूजीलैंड से ग्लेन फिलिप्स ने 48 रन बनाए। मैट हेनरी और ईश सोढी को 1-1 विकेट मिला।

भारत की सबसे तेज टीम फिफ्टी: भारत ने 3.1 ओवर में ही टीम फिफ्टी पूरी कर ली, यह टीम की सबसे तेज टी-20 फिफ्टी रही। 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ टीम ने 3.4 ओवर में हाफ सेंचुरी पूरी की थी। ईशान किशन 28 व संजू सैमसन खाता खोले बगैर आउट हो गए। अभिषेक ने भारत के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया। 2007 में युवराज सिंह 12 गेंद पर हाफ सेंचुरी लगा चुके हैं। डेविड वॉर्नर 20 गेंद पर हाफ सेंचुरी लगा चुके हैं।

न्यूजीलैंड से लगातार 5वीं टी-20 सीरीज जीती: भारत ने अजेय बढ़त बनाकर न्यूजीलैंड को लगातार 5वीं टी-20 सीरीज हरा दी। न्यूजीलैंड ने 2019 में भारत को आखिरी बार अपने होम ग्राउंड पर हराया था। टीम भारत में एक भी टी-20 सीरीज नहीं जीत सकी। टीम इंडिया ने दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2-2 से आखिरी बार सीरीज ड्रॉ खेली थी। तब से टीम 9 द्विपक्षीय सीरीज के साथ 2 टूर्नामेंट जीत चुकी है। भारत को आखिरी सीरीज हार भी जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली थी। इसके बाद से भारत को लगातार 15 टी-20 सीरीज में हार नहीं मिली।

अभिषेक शर्मा का तूफान

- न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे कम गेंदों में टी-20 फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया।
- भारत के लिए दूसरी सबसे तेज टी-20 फिफ्टी। सबसे तेज रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 2007 में 12 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।
- न्यूजीलैंड के खिलाफ फास्टेस्ट फिफ्टी। पहले यह रिकॉर्ड 20 गेंदों का था, अब अभिषेक ने इसे पीछे छोड़ दिया।

राजधानी के कोलार इलाके में दिनदहाड़े गुंडागर्दी, लोग वीडियो बनाते रहे

कार से बाहर खींचकर युवक को सब्बल और हथौड़े से अधमरा होते तक कुचला

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गणतंत्र दिवस के चलते कड़ी सुरक्षा के बीच कोलार इलाके में दिनदहाड़े नकाबपोश बदमाशों ने फिल्मी स्टाइल में एक युवक की कार में तोड़फोड़ कर उसे बाहर खींचा। सब्बल-हथौड़े से मार-मार कर उसके शरीर की हड्डियां चकनाचूर कर दीं। अधमरा होने के बाद आरोपी उसे बेरहमी से पीटते रहे। गंभीर हालत में उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बदमाशों ने आगे-पीछे दो बिना नंबर की गाड़ियां लगाकर युवक की कार को रोका था। वारदात कर आरोपी भाग निकले। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। लोग वीडियो बनाते रहे किसी ने उसे बचाने की हिम्मत नहीं जुटाई। कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया है। पीड़ित रीवा के चोरहटा थाना का निगरानी हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ हत्या, अड़ीबाजी, बलवा समेत 12 अपराध दर्ज हैं। कोलार पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रयास, रास्ता रोककर मारपीट, तोड़फोड़ समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। कोलार पुलिस

के मुताबिक, कुलदीप सिंह पिता अरुणेंद्र सिंह पटेल (40) ग्राम धौचट थाना चोरहटा, रीवा का निवासी है। वह चोरहटा थाने का निगरानी बदमाश है। हत्या के मामले में नवंबर 2025 में जमानत पर रिहा हुआ। उसने रीवा में एक मारपीट की। उसकी 6 फरवरी को भोपाल में रहने वाली युवती से सगाई होने वाली है। युवती से मिलने भोपाल आया था। कुलदीप के रिश्तेदार अशुमित प्रताप सिंह (27) निवासी सतना ने पुलिस को बताया कि वह खेती-किसानी करता है। बुआ के लड़के कुलदीप के यहां 27 दिसंबर को कोलार आया है।

रीवा में बुजुर्ग को बाइक से 3 किमी तक घसीटा

जागरण, रीवा। रीवा में रविवार को दो स्थानों पर दबंगई दिखाते हुए बदमाशों ने तीन लोगों को मार-मारकर अधमरा कर दिया। बदमाशों ने साइकिल से जा रहे एक बुजुर्ग को रोककर पैसे मांगे, नहीं रुकने पर बाइक से बांधकर बदमाशों ने बुजुर्ग को तीन किलोमीटर तक घसीटा। लहूलुहान होने पर बीच सड़क पर छोड़कर बदमाश भाग गए। वहीं बायपास बना रहे मजदूरों द्वारा खेत के पाइप तोड़ने का विरोध करने पर ठेकेदार तीन गाड़ियां भरकर बदमाशों को लेकर पहुंचा और दो किसानों को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर लाठी-डंडो से पीटकर बेसुध कर दिया। बुजुर्ग को बाइक में बांधकर घसीटने की घटना सेमरिया थाना क्षेत्र के भुसावल के पड़रिया की है।

शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर दैनिक जागरण परिवार की ओर से अपने सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और एजेंटों को हार्दिक शुभकामनाएं।

- संपादक

अवकाश की सूचना

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर दैनिक जागरण कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

अंदर के पन्नों पर

- हिमालयी हवाओं से बढ़ी मप्र में ठंड, अगले ... (पेज-03)
- चुनावी रणनीति में माहिर नेताओं की भाजपा ने बनाई...(पेज-05)
- मैनिट में संस्कृति ने पहना फैशन का रंग ...(पेज-07)

प्रदेश में पर्यटन के माध्यम से सृजित हो रहे रोजगार: सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में पर्यटन के माध्यम से नए रोजगार सृजित हो रहे हैं। हमारा मप्र विकास के नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। आज मध्यप्रदेश की गिनती देश में सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में हो रही है। यही मप्र का अभ्युदय है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को उज्जैन में विकास कार्यों के शिलान्यास समारोह में कहा, प्रदेश में किस तरह से सरकार युवाओं और बेरोजगारों को काम देने की दिशा में प्रयासरत है, इसका अंदाजा हाल में ही आए एक राष्ट्रीय सर्वे के नतीजों से लगाया जा सकता है, जिसमें बताया गया है कि मप्र में बेरोजगारी दर सबसे कम है, ऐसा इसलिए क्योंकि हम गरीबों, जरूरतमंदों, किसानों, युवाओं महिलाओं और सभी वर्गों को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। सीएम ने कहा कि सिंहस्थ आने वाला है, इसलिए दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेले के लिए उच्जैन भी पूरी तत्परता और तेजी से तैयार हो रहा है। डॉ. यादव ने कहा, प्रदेश विकास के नवीन कीर्तिमान रच रहा है। श्री महाकाल महालोक के बाद उज्जैन की अर्थव्यवस्था और विकास को पंख लग गए हैं। उन्होंने कहा कि अच्छा संस्थान विनम्रता से गुणवत्तापूर्वक सेवा प्रदान कर नाम बनाते हैं। उज्जैन में होटल, रिसॉर्ट और धर्मशाला सभी श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

उज्जैन में हो रहा रेल सुविधाओं का विस्तार

डॉ. यादव ने कहा, बाबा महाकाल का आशीष पाने से हम किसी को वंचित नहीं रहने देंगे। महाकाल नगरी में सभी इंतजाम किए जा रहे हैं। महाकाल के महालोक के विकास व विस्तार के लिए केंद्र भी मदद कर रहा है। उज्जैन में रेल सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। चिंतामन गणेश रेलवे स्टेशन का विकास किया जा रहा है। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान से आने वाली ट्रेनों को उज्जैन होकर जोड़ा जा रहा है। इससे उज्जैन रेलवे का सेंटर बनने जा रहा है।

स्मृति शेष — नहीं रहे मार्क टली, भारतीय खबरों को लंबे समय दुनिया तक पहुंचाया

भारतीय संस्कृति से ओत-प्रोत थे मार्क टली

नई दिल्ली, जेएनएन। सीनियर पत्रकार और लेखक मार्क टली का रविवार को दिल्ली के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में निधन हो गया। वे 90 साल के थे। मार्क टली पिछले कुछ समय से बीमार थे और पिछले एक हफ्ते से साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती थे। मार्क टली का जन्म कोलकाता में हुआ था। वह 22 साल तक बीसीसी के नई दिल्ली ब्यूरो प्रमुख रहे। क्रिश्चिन परिवार में पैदा हुए टली पूरी तरह भारतीय संस्कृति से ओत-प्रोत थे। उन्होंने भारत की खबरों को न सिर्फ दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया, बल्कि भारतीय समाज को सुना और समझा भी। वे 'बीबीसी रेडियो 4' के प्रोग्राम 'समथिंग अंडरस्टूड' के प्रजेंटेटर रहे। उन्होंने 1980 के दशक में खालिस्तानी आतंकी जरनैल सिंह भिंडरावाले का इंटरव्यू लिया था। उन्हें 2002 में नाइट की उपाधि दी गई थी और 2005 में भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था। मार्क टली ने भारत पर कई किताबें लिखीं, जिनमें 'नो फुल स्टॉप्स इन इंडिया', 'इंडिया इन स्लो मोशन' और 'द हार्ट ऑफ इंडिया' शामिल हैं। मार्क टली भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे प्रख्यात अंग्रेजी पत्रकार माने जाते थे। उन्हें इंग्लैंड की महारानी और भारत के राष्ट्रपति दोनों से सम्मान मिला है। उन्होंने फिल्मों में आवाज दी है और भारत पर तीन लोकप्रिय किताबें लिखी हैं। ब्रिटेन के अखबारों ने उनकी तुलना रुडयार्ड किपलिंग से की और भारत का सबसे पसंदीदा अंग्रेज कहा था। बीबीसी वर्ल्ड सर्विस पर उनकी रिपोर्टें पहले अंग्रेजी में आती हैं और बाद में हिंदी, उर्दू, तमिल, नेपाली और बंगाली में भी सुनाई जाती थीं। मार्क टली कहते थे कि उन्हें पत्रकारिता से ज्यादा भारत में दिलचस्पी है और वह रिटायर होने के बाद भी यहीं रहना चाहते थे। वह साधारण जीवन जीते थे और रेलवे से उन्हें बहुत लगाव था। उनके दोस्त कहते थे कि वे हर खबर को लेकर बहुत चिंतित रहते थे क्योंकि एक गलत खबर दंगे भड़का सकती थी।

पादरी बनना चाहते थे, सफल नहीं हुए

मार्क टली का जन्म कोलकाता में हुआ और उनका बचपन भारत में ही बीता। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान वे दार्जिलिंग में फंसे रहे, जिसे वे अपनी किस्मत मानते थे। बाद में वे पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए, सेना में रहे और कैम्ब्रिज से इतिहास पढ़ा। पादरी बनने की कोशिश भी की, लेकिन सफल नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने बीबीसी जॉइन की और 1965 में दिल्ली आए। 1972 में बीबीसी के दिल्ली ब्यूरो प्रमुख बने और लंबे समय तक इस पद पर रहे। उन्होंने बांग्लादेश युद्ध, आपातकाल, भोपाल गैस हादसा, ऑपरेशन ब्लू स्टार और इंदिरा गांधी की हत्या जैसी बड़ी घटनाओं की रिपोर्टिंग की। 1989 में उन पर राजीव गांधी सरकार गिराने का आरोप लगा। बाद में उन्होंने राजीव गांधी की हत्या की खबर सबसे पहले दुनिया तक पहुंचाई।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
77वें गणतंत्र दिवस की
प्रदेशवासियों को
अनेक मंगलकामनाएं
भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज राष्ट्र के हर नागरिक के हृदय में देशभक्ति और देश के लिए गर्व का भाव सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नेतृत्व क्षमता के फलस्वरूप यह सब संभव हो पाया है। आज भारत वैश्विक शक्ति बनकर उभर रहा है।
-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
मध्यप्रदेश की
उन्नति के मुख्य स्तंभ
अन्नदाता की समृद्धि से प्रगति की ओर मध्यप्रदेश
वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में घोषित किया गया है, इसका उद्देश्य अन्नदाता को समृद्ध और सशक्त बनाना है।
युवा शक्ति से राष्ट्र निर्माण
मध्यप्रदेश के युवा सक्षम और कौशलवान बनकर अपने सपनों को साकार करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।
गरीब एवं जनजातीय वर्ग की तरक्की का संकल्प
गरीब और जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार और समस्त मूलभूत सुविधाओं के लिए हमारी सरकार संकल्पित है।
सशक्त नारी - सशक्त मध्यप्रदेश
नारी परिवार और समाज का दर्पण होती है। महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके पोषण, स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा एवं रोज़गार तक का ख्याल प्रदेश सरकार रख रही है।
अतुल्य विरासत से वैभवशाली मध्यप्रदेश
मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत अद्भुत एवं समृद्ध है। यहां नैसर्गिक सुंदरता के साथ-साथ कला और संस्कृति भी बहुआयामी है।
औद्योगिक विकास का नया अध्याय
मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास का एक उभरता केंद्र बन चुका है। गांवों को शहरों से जोड़ना हो या नए उद्योग स्थापित करने हों, प्रदेश आज चौतरफा विकास की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है।
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@JansamparkMP
JansamparkMP
D-11193/25

नगर में आज

नर्मदा जयंती
- **समय:** सुबह 9 बजे से
- **स्थान:** कलियासोत स्थित, मां हरसिद्धि मंदिर

टिबरिल मेस्लांग
- **समय:** प्रतिदिन 12 बजे से
- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में

चित्र प्रदर्शनी
- **समय:** प्रतिदिन 12 बजे से
- **स्थान:** लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय

लोकरंग
- **समय:** शाम 6 बजे से
- **स्थान:** रवीन्द्र भवन और एम.वी.एम परिसर

हिमालयी हवाओं से बढ़ी मप्र में ठंड, अगले दस दिन तक रहेगा असर

फिर बदला मौसम

दो पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश के कई जिलों में बादलों का डेरा, भोपाल में घने कोहरे से घटी विजिबिलिटी

नगर संवाददाता, भोपाल। उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ का असर शुरू हो गया है। हिमालय और जम्मू कश्मीर में बर्फबारी होने लगी है। उत्तराखंड में भी हिमपात हो रहा है। इससे हिमालयी क्षेत्र से ठंडी हवाओं का दौर शुरू हो गया है। जो सीधे तौर पर मप्र के व राजस्थान के मैदानी क्षेत्रों को प्रभावित कर रही हैं। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार उत्तरी हवाओं के कारण प्रदेश में ठंड बढ़ गई है। भोपाल सहित कई जिलों में दिन का तापमान नीचे आ रहा है और रात में भी ठंड चुभ रही है। रविवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में कोहरे और सर्द हवा का असर रहा। भोपाल में विजिबिलिटी 500 से 1 हजार मीटर रही। सुबह 11 बजे बाद भी कोहरे

का असर देखने को मिला। नर्मदापुरम, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सीधी, रायसेन, उज्जैन, दमोह, सतना, उमरिया, राजगढ़, ग्वालियर, गुना, छिंदवाड़ा, खजुराहो, मंडला, नौगांव, सागर, मलाजखंड में भी कोहरा छाया हुआ है। दूसरी ओर, कई शहरों में रात के तापमान में गिरावट देखने को मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार-रविवार की रात में राजगढ़ सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री पहुंच गया। दतिया में 7.4 डिग्री, गुना में 7.7 डिग्री, पचमढ़ी-श्योपुर में 8.4 डिग्री, नौगांव में 9 डिग्री और रतलाम-रीवा में तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के 5 बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल में 11.9 डिग्री, इंदौर में 13.2 डिग्री, उज्जैन में 11.5 डिग्री और जबलपुर में तापमान 15 डिग्री रहा।

28 के बाद शीत लहर की संभावना

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार एक स्ट्रांग पश्चिमी विक्षोभ 28 जनवरी के बाद सक्रिय होगा। जिससे प्रदेश में ठंड का दौर एक बार फिर आएगा। बताया जा रहा है कि भोपाल व आस पास तेज ठंड के कारण शीतल लहर जैसे हालात बन सकते हैं। दिन व रात के तापमान में 4 से 6 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

दो दिन बारिश का अलर्ट

प्रदेश के आधे हिस्से में 27 और 28 जनवरी को बारिश और गरज-चमक का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, 26 जनवरी को उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने वाला वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) स्ट्रॉन्ग है। यह एमपी में भी असर दिखाएगा। इससे पहले ग्वालियर-चंबल में बादल-बारिश और कोहरे वाला मौसम है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, उत्तर भारत में दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) सक्रिय हैं। वहीं, एक लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) और ट्रफ की भी एक्टिविटी देखने को मिली। इस वजह से पिछले 24 घंटे के अंदर ग्वालियर-चंबल के जिलों में बारिश हुई। एक दिन पहले शनिवार को कई जिलों में बादल छाए रहे। छतरपुर, रतलाम समेत 10 से ज्यादा जिलों में तेज हवाएं चली। भोपाल में दिन में बादल भी छाए रहे। शनिवार को नरसिंहपुर जिले के सालीचौका क्षेत्र में देर शाम 20 से 25 मिनट तक तेज बारिश हुई। अचानक हुई बारिश के कारण सड़कों पर फिसलन बढ़ गई, जिससे दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

एलएचबी कोच के साथ चलेगी नर्मदा एक्सप्रेस

नगर संवाददाता, भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 18234/18233 बिलासपुर-इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस की संरचना को पुराने आईसीएफ कोचों से परिवर्तित कर एलएचबी कोचों में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में नर्मदा एक्सप्रेस की संरचना 24 आईसीएफ कोचों की है, जिसे संशोधित कर 22 एलएचबी कोचों की संरचना की जाएगी। एलएचबी कोच आधुनिक तकनीक से युक्त, अधिक सुरक्षित, आरामदायक एवं कम रख-रखाव वाले होते हैं, जिससे यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। जानकारी अनुसार बिलासपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 18234 के लिए 30 मार्च से यह व्यवस्था लागू होगी। जबकि इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या 18233 के लिए 31 मार्च से आदेश लागू होगा। भोपाल रेल मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं आधुनिक रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

डायवर्जन व टीएंडसीपी की अनुमति के बिना ही अवैध कालोनियों में धड़ल्ले से बेचे जा रहे प्लॉट

शहर से दूर आशियाना बनाने के नाम ठगे जा रहे लोग, बैरसिया, हुजूर और नरेला विधानसभा क्षेत्र में चल रहा खेल

जागरण संवाददाता, भोपाल। बैरसिया रोड पर लांबाखेड़ा को क्रॉस करते ही जगह-जगह सस्ते दामों पर प्लॉट बेचने के दर्जनों विज्ञापन और होर्डिंग चस्पा हैं। साथ ही मुख्य मार्ग पर बनी दुकानों में सस्ते प्लॉट दिलवाने के नाम पर धोखाधड़ी का खेल धड़ल्ले से जारी है। सबसे ज्यादा अवैध कालोनियां जगदीशपुर, अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के आसपास विकसित हो गई हैं। ईंटखेड़ी से गोलखेड़ी और इसके आगे रायपुर और मुड़ियाखेड़ी के आसपास भी मुख्य मार्ग पर ही अवैध कालोनियां बेची जा रही हैं। इन कालोनियों के डेवलपर ग्राहकों को फार्म हाउस बेचने के नाम पर बुलाते हैं। बाद में सस्ते भाव में मकान बनाने का सपना दिखाकर 1 हजार से 1500 वर्ग फीट तक के प्लॉट बेच दिए जाते हैं। ईंटखेड़ी के आसपास विकसित हो रही कुछ अवैध कालोनियों में स्वीमिंग पूल और क्लब हाउस तक बनाकर देने का प्रलोभन ग्राहकों को दिया जा रहा है। पूरे मामले में हकीकत जानने के लिए जब हमने कुछ दिनों तक बैरसिया रोड के आसपास की जमीनों की जानकारी जुटाई तो पता चला कि बेची जा रही

जमीन का न तो डायवर्जन हुआ है और न ही टीएंडसीपी से कालोनी विकसित करने की अनुमति कालोनाइजर ने ली है। इसके बाद हमने कालोनियों की साइट पर पहुंचकर कालोनाइजर से बात की तो उन्होंने कालोनियों में 5 हजार वर्गफीट तक का प्लॉट सस्ते दाम पर देने की बात कहते हुए इन कालोनियों के अंदर ही फैक्ट्री, स्कूल और गोदाम बनाने की सलाह दे डाली। डायवर्जन की जानकारी मांगने पर कालोनाइजर का कहना है कि वर्तमान में जमीन एग्रीकल्चर लैंड है, लेकिन रजिस्ट्री होते ही इसका लैंडयूज ग्राहक की सुविधा के अनुसार बदलवा दिया जाएगा।

गोलखेड़ी में चल रहा है प्रोजेक्ट

गोलखेड़ी में चल रहे एक प्रोजेक्ट में साइट पर मिले विजय कुमार बताते हैं कि करीब 40 एकड़ पर कालोनी विकसित की जा रही है। यहां पर 5 हजार वर्ग फीट से 17 हजार वर्ग फीट तक के प्लॉट उपलब्ध हैं। 5 हजार वर्ग फीट का प्लॉट 17.50 लाख रुपए में बिक्री के लिए उपलब्ध है। एग्रीमेंट करने के 6 माह के अंदर पूरी पेमेंट करनी है। कॉलोनी में क्लब हाउस और स्वीमिंग पूल की सुविधा है। लैंड यूज और डायवर्जन की जानकारी मांगने पर बताया गया कि रजिस्ट्री के बाद सुविधा के अनुसार लैंडयूज बदलवा दिया जाएगा।

लोगों को फार्म हाउस के नाम पर बेची जमीन

ईंटखेड़ी के पास अवैध कालोनियां विकसित हो गई हैं। लोगों ने दो से तीन मंजिला मकान तक बना लिए हैं। लोगों को फार्म हाउस के नाम पर जमीन बेची गई है, जबकि नियमों के अनुसार फार्म हाउस के लिए एक एकड़ या उससे ज्यादा क्षेत्रफल के भूखंड को बेचा जाता हैं, लेकिन ईंटखेड़ी के आगे फार्म के हाउस के नाम पर प्लाटिंग कर अवैध कालोनियां बसा दी गई हैं। इन अवैध कालोनियों में लोगों को सबसे ज्यादा समस्या सीवेज और ड्रेनेज की आती है। कालोनियों में सड़कें न होने से बारिश के दौरान कीचड़ होने से घरों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। इन कालोनियों में बिजली कनेक्शन न होने के कारण बारिश के दौरान करंट फैलने की सबसे ज्यादा समस्या होती है। ग्रामीण क्षेत्र होने से पीने के पानी की भी समस्या होती है। डेवलपर कालोनी काटने के बाद गायब हो जाते हैं और अनुमतियां न होने से मकान मालिक को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते हैं।

अवैध कालोनी है नहीं मिल सकती टीएंडसीपी से अनुमति

बीनापुर में डेवलप हो रही एक कालोनी में 350 रुपए वर्गफीट के दाम पर प्लाट बेचे जा रहे हैं। यहां 1 हजार से 1500 वर्गफीट तक के प्लाट उपलब्ध हैं। यहां 250 वर्गफीट की दर से 5 हजार वर्गफीट का प्लाट बेचा जा रहा है। प्लाट विक्रेता सैय्यद शादाब के अनुसार जल्द ही इंडस्ट्रियल एरिया का एक प्रोजेक्ट यहां आने वाला है। इसके बाद यहां जमीन का दाम तेजी से बढ़ेगा। ऐसे में बड़े प्लाट लेने पर वहां फैक्ट्री या वेयरहाउस बनाया जा सकता है। जमीन का लैंडयूज बदलवाने और टीएंडसीपी मांगने पर शादाब ने बताया कि सभी कालोनियां अवैध हैं। कालोनी बनाने किसी तरह की अनुमति नहीं ली गई है।

> “ बैरसिया में मंगलवार को फिर से अवैध कालोनियों पर कार्रवाई शुरू करेंगे। चिह्नित कर कब्जे हटाए जा रहे हैं।
> ■ **आशुतोष शर्मा**, एसडीएम बैरसिया

अध्ययन केंद्र खोलने 15 तक करें आवेदन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय बीएड (विशेष शिक्षा-दूरस्थ पद्धति) के नए अध्ययन केंद्र शुरू करने जा रहा है। इसके लिए उन शिक्षण संस्थानों से आवेदन मांगे गए हैं, जो दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने की योग्यता रखते हैं और पहले से बीएड विशेष शिक्षा का कोर्स चला रहे हैं। यह कार्यक्रम दिव्यांगता की चार श्रेणियों के लिए शुरू किया जाएगा। इनमें सुनने में कठिनाई, देखने में कठिनाई बौद्धिक दिव्यांगता/एमआर और सीखने में कठिनाई शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) से मान्यता प्राप्त संस्थान ही नए केंद्र के लिए आवेदन कर सकती हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी रखी गई है। आवेदन जमा होने के बाद भोज विवि द्वारा दस्तावेजों का परीक्षण करेगा। मप्र में अभी सरकारी तौर पर चारों श्रेणियों के लिए कोई विशिष्ट राच्य स्तरीय सरकारी कॉलेज या इंस्टीट्यूट उपलब्ध नहीं है। हालांकि राज्य में विशेष शिक्षा के कुछ संस्थान और संगठनों द्वारा सहायता और प्रशिक्षण कार्य होते हैं, लेकिन चारों श्रेणियों के लिए समग्र शिक्षा-सुविधा केन्द्रों की कमी स्पष्ट है। मप्र में अभी करीब 15.5 लाख दिव्यांग हैं, जिसमें देखने और सुनने में कठिनाई, बौद्धिक और अन्य प्रकार के विकलांगता वाले लोग शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

जोनल स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा सीआरई कार्यक्रम का समापन

जागरण, भोपाल। माधुरी आयाम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी ग्राम बरखेड़ी बाज्याफ्त द्वारा तीन दिवसीय जोनल स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा सी आर ई कार्यक्रम विषय समावेशी स्कूलों में सीडब्ल्यूएसएन के लिए पाठ्यक्रम अनुकूलनका प्रारंभ संचालिका वीवा जोशी जी ,ने दीप प्रज्वलित और मां सरस्वती का पूजन पाठ कर किया,इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक तरुणा भार्गव ने रिसोर्स पर्सन सुधीर काले, ललिता झरिया, सरल सोनी एवं समस्त प्रतिभागियों का कार्यक्रम के तृतीय दिवस स्वागत किया, इस उपरांत विषयानुसार समस्त रिसोर्स पर्सन ने समयसारणी अनुसार व्याख्यान और विश्लेषण किया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के त्रिवार्षिक चुनाव में उन्नति पैनल का पलड़ा भारी

जागरण, भोपाल। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के त्रिवार्षिक चुनाव में लगातार उन्नति पैनल का पलड़ा भारी होते हुए दिखाई दे रहा है। उन्नति पैनल के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल और उनकी पैनल का जगह-जगह जनसंपर्क के दौरान व्यापारियों द्वारा भव्य स्वागत किया जा रहा है। इसी कड़ी में उन्नति पैनल के प्रत्याशियों ने हमीदिया रोड स्थित माता मंदिर में दर्शन करने के बाद जनसंपर्क प्रारंभ किया। हमीदिया रोड और दवा बाजार में व्यापारियों ने उत्साह के साथ संपूर्ण पैनल का अभिवादन और स्वागत किया। अध्यक्ष पद प्रत्याशी गोविंद गोयल ने व्यापारियों से चर्चा के दौरान व्यापार में हो रही कठिनाइयों, हमीदिया रोड पर विशेष कर ट्रैफिक की समस्या के साथ विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम व्यापारी पहले परिवार हैं और सब मिलजुल कर कार्य करेंगे। उन्नति पैनल का दवा बाजार एसोसिएशन ने भव्य स्वागत किया और उन्होंने गोविंद गोयल सहित पूरी उन्नति पैनल के प्रत्याशियों को जिताने का भरोसा दिलाते हुए, दवा बाजार के व्यवसायियों की उन्नति और प्रगति के विषय में चर्चा की। वही देखा गया है की दवा बाजार में पार्किंग की व्यवस्था भी अव्यवस्थित है और दूसरी व्यवस्था को दुरुस्त करने का आश्वासन अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल ने दवा बाजार एसोसिएशन को दिया।

बैनगंगा क्षत्रिय पंवार समाज का वर्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

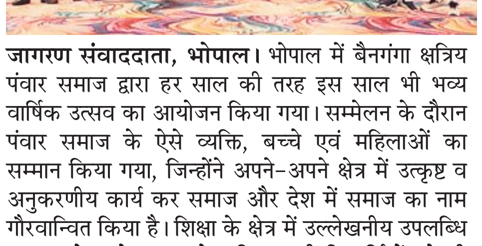

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल में बैनगंगा क्षत्रिय पंवार समाज द्वारा हर साल की तरह इस साल भी भव्य वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान पंवार समाज के ऐसे व्यक्ति, बच्चे एवं महिलाओं का सम्मान किया गया, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट व अनुकरणीय कार्य कर समाज और देश में समाज का नाम गौरवान्वित किया है। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। बच्चों के द्वारा कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अतिथियों का मन मोह लिया गया।

विधायक रामेश्वर शर्मा का रहवासियों ने किया शॉल श्रीफल से सम्मान

जागरण संवाददाता, भोपाल। कोलार रोड स्थित अमरनाथ कॉलोनी के रहवासियों द्वारा विधायक रामेश्वर शर्मा व वार्ड 80 की पार्षद सुनीता गुड्डु भदौरिया का शॉल श्रीफल से सम्मान किया गया। रहवासियों ने बताया कि इस समय अमरनाथ कॉलोनी कोलार की सुव्यवस्थित कालोनी की सूची में शामिल है। वर्तमान में कालोनी में मंदिर निर्माण के साथ पानी की टंकी का जीर्णोद्धार, सभा भवन (शेड) कमरों का निर्माण और पार्कों का विकास किया गया है। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने सभा भवन के शेड का फीता काटकर उद्घाटन किया। अमरनाथ कॉलोनी रहवासी समिति के डीएस भदौरिया, सुरेंद्र सिंह , पी एस राजपूत, संजय मिश्रा, सुरेश राजपूत सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कोलार में युवक ने लगाई फांसी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार पुलिस ने एक युवक की खुदकुशी के मामले में उसकी पत्नी, साली और सास के खिलाफ केस दर्ज किया है। तीनों महिलाओं की प्रताड़ना से तंग आकर उसने फांसी लगाई थी। मृतक ने एक सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें तीनों से प्रताड़ना की जिक्र किया था। क्यूडी शाखा से राइटिंग मिलान की रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने तीनों महिलाओं के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, 14 अप्रैल को शनि मंदिर के पास कजलीखेड़ा निवासी सुनील अहिरवार ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। मृतक ने एक सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें पत्नी, सास और साली का नाम लिखकर उनके कारण जान देने की बात कही थी।

प्रबंध संचालक गर्ग ध्वज फहराएंगे

जागरण, भोपाल। म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविंदपुरा स्थित मुख्यालय में प्रातः 8.30 बजे गणतंत्र दिवस पर प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इस अवसर पर प्रबंध संचालक द्वारा उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए कार्मिकों को पुरस्कृत किया जाएगा ।

दुबे मप्र ब्राह्मण सभा के उपाध्यक्ष बने

भोपाल। ब्राह्मण सभा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष पंडित डा. शैलेंद्र व्यास ने पंडित अंकित दुबे को संगठन का प्रदेश प्रमुख उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर संगठन के पं. एके अवस्थी, रजनी उपाध्याय, पं. महेंद्र पांडे, पं. बीपी शर्मा, सहित समाज के गणमान्य बंधुओं ने शुभकामनाएं दी हैं।

गोमांस तस्कर असलम चमड़ा और शोएब की रिमांड खत्म, भेजा जेल

मिलीभगत की 'बू'... स्लाटर हाउस के 80 कर्मचारियों से होगी पूछताछ

- स्लाटर हाउस से मांस एक्सपोर्ट होने वाली जगहों को वेरीफाइ करेगी पुलिस, सूची तैयार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गोमांस तस्कर असलम कुरैशी उर्फ असलम चमड़ा और ट्रक ड्रायवर शोएब की रविवार को रिमांड खत्म हो गई। एसआईटी ने दोनों को जिला अदालत में पेश किया। जहां से दोनों को जेल भेजा गया है। पांच दिन की पूछताछ में एसआईटी को मिलीभगत की 'बू' आई है। एसआईटी ने स्लाटर हाउस में काम करने वाले, आने-जाने वाले और नगर निगम के अधिकारियों की सूची तैयार की है। जोकि 80 लोग हैं। अब एसआईटी इन सभी को पूछताछ के लिए तलब करेगी। इसमें वेटनरी डाक्टर भी शामिल हैं। स्लाटर हाउस से एक्सपोर्ट होने वाले मांस की तह जाने के लिए पुलिस इन जगहों पर जाकर वेरीफाइ करेगी। इन जगहों की भी पुलिस ने सूची तैयार की है। चूंकि स्लाटर हाउस से मांस मुंबई के रास्ते विदेशों में भेजा जाता था इसलिए पुलिस इसकी चैन तैयार करेगी।

जानकारी के मुताबिक, 17 दिसंबर 2025 की रात पुलिस मुख्यालय के सामने हिंदू संगठनों ने मांस से भरा एक ट्रक पकड़ा था। इसमें 26 टन मांस था। हिंदू संगठन के सदस्यों का आरोप था कि ट्रक में गोमांस है। आरोपों की जांच के लिए पुलिस ने कुछ पैकेट सैंपल के लिए जब्त किए थे, जिसे मथुरा लैब भेजा गया। रिपोर्ट में गोमांस की पुष्टि हुई। जहांगीराबाद पुलिस ने केस दर्ज कर ट्रक ड्रायवर को गिरफ्तार किया। इसके बाद लाइन स्टॉक कंपनी के संचालक असलम कुरैशी उर्फ चमड़ा को गिरफ्तार किया। हिंदू संगठनों के विरोध पर नगर निगम ने आनन-फानन में स्लाटर हाउस को सील कर दिया था। इसके बाद कई हिंदू संगठन ने शहर के अलग-अलग इलाकों में धरना-प्रदर्शन और रैली आयोजित की।

एसआईटी के पास पर्याप्त सबूत

एसआईटी गठित होने के बाद टीम ने दोनों आरोपियों को पांच दिन की रिमांड पर लिया था। जहां दोनों से अलग-अलग पूछताछ की गई। दोनों का आमना-सामना भी कराया। पर्याप्त सबूत जुटाने के बाद रविवार को पुलिस ने उनकी रिमांड अवधि बढ़ाए जाने की मांग नहीं की। इससे पहले शनिवार को टीम दोनों को लेकर स्लाटर हाउस पहुंची थी। वहां किस तरह से काम होता है, इसे समझा था। पुलिस ने स्लाटर हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर जब्त की थी। लेकिन इसमें क्या मिला, इसका खुलासा नहीं हुआ है।

अन्य राज्यों का रुख करेगी एसआईटी

एसआईटी की पूछताछ में आरोपी असलम ने ट्रक में मिले गोमांस के संबंध में बताया कि स्लाटर हाउस में केवल पैकेजिंग की गई थी। आगरा की कंपनी ने मांस उसे दिया था। उसे नहीं पता था कि इसमें गोमांस है। इसी तरह ट्रक ड्रायवर शोएब ने भी गोमांस तस्करी में शामिल नहीं होने की बात कही है। लेकिन पुलिस को उनकी बातों पर विश्वास नहीं है। गोमांस तस्करी की तह तक जाने के लिए एसआईटी शहर के बाहर अन्य जिलों व राज्यों में रुख करेगी। एसआईटी प्रमुख एसीपी उमेश तिवारी का कहना है कि मामले की जांच जारी है। स्लाटर हाउस में आने-जाने वाले हर संदिग्ध से पूछताछ की जाएगी।

तेज रफ्तार बस ने एक्टिवा सवार दो छात्राओं को कुचला

एक की मौत, सहेली गंभीर, छोला मंदिर इलाके की घटना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छोला मंदिर इलाके में तेज रफ्तार यात्री बस ने एक्टिवा सवार दो छात्राओं को कुचल दिया। हादसे में एक की मौत हो गई। जबकि उसकी सहेली गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस के मुताबिक, 19 वर्षीय माही यादव पिता रंजीत यादव शारदा नगर नारियलखेड़ा में रहती थी। रंजीत डीआईजी बंगला इलाके में चाय की दुकान चलाते हैं। माही उनकी इकलौती बेटी थी और बीकॉम फाइनल ईयर की छात्रा थी। शनिवार की रात माही अपनी सहेली के साथ पीपुल्स मॉल घूमने गई थी। जहां से लौटते वक्त नई मंडी गेट के सामने एक यात्री बस ने उसकी एक्टिवा को टक्कर मार दी। हादसे में माही की मौत हो गई। जबकि उसकी सहेली गंभीर रूप से घायल है। उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है। बस राजस्थान में रजिस्टर्ड हैं। यहां सिरोंज से भोपाल चलती है। परिजनों का आरोप है कि राजस्थान की बस यहां अवैध रूप से चलाई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बोलेरो ने बाइक सवार पिता-पुत्र को मारी टक्कर

इधर, बैरसिया इलाके में बोलेरो ने बाइक सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी। इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। जबकि बेटे का इलाज जारी है। उसकी हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक, बारेलाल अहिरवार (65) बरुआ खाद सिरोंज रोड में रहते थे। वह निजी काम करते थे। शनिवार शाम को बारेलाल अपने बेटे सुरेंद्र की बाइक पर सवार होकर नरसिंहगढ़ रोड निजी काम से जा रहे थे। मुख्य मार्ग पर स्थित शकील के बंगले के सामने उन्हें अज्ञात बोलेरो ने जोरदार टक्कर मार दी। इलाज के दौरान बारेलाल की रविवार सुबह मौत हो गई। जबकि उनके बेटे का हमीदिया अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के बाद चालक गाड़ी लेकर भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कमला नगर में एमडी ड्रग्स की तस्करी का भंडाफोड़

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कमला नगर में एमडी ड्रग्स की तस्करी का क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर 3.01 ग्राम एमडी ड्रग्स और एक वाहन बरामद किया है, जिसकी कुल कीमत 2 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। क्राइम ब्रांच पुलिस के मुताबिक, मुखबिर से सूचना मिली थी कि कमला नगर क्षेत्र स्थित विज्ञान भवन के सामने खाली मैदान में दो युवक एक आटो में बैठकर अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स की बिक्री के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। दोनों युवक अपने पास एमडी पाउडर रखे हैं, यदि समय रहते पकड़े नहीं गए तो वह इसे किसी को बेचकर ठिकाने लगा सकते हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम गठित की। मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर पूरे क्षेत्र में घेराबंदी की। वहां आटो में दो युवक बैठे दिखाई दिए। तलाशी लेने पर दोनों के पास एमडी ड्रग्स मिली। आरोपियों की पहचान शाहरूख खान (26) पिता गफ्फार खान निवासी मकान नंबर 26, बड़ी मस्जिद के पास बाग फरहत अफजा और सलमान खान (30) पिता अशरफ खान निवासी मकान नंबर ए-51, हाउसिंग बोर्ड कालोनी दशहरा मैदान के पास के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों से कुल 3.01 ग्राम ड्रग्स बरामद की। इसके बाद उनके खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार किया। आरोपी सलमान बकरे का व्यापार करता है। जबकि शाहरूख आटो चलाता है।

दो लाख की ड्रग्स और एक वाहन जब्त, एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज

नाबालिग पर छूरी से किया जानलेवा हमला

जागरण,भोपाल। छोलामंदिर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर बदमाश ने नाबालिग पर छूरी से जानलेवा हमला कर दिया। घटना के वक्त युवक अपने दोस्तों के साथ कैफे में बैठा हुआ था। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 17 वर्षीय कासिम गांधी नगर में रहता है। वह प्राइवेट काम करता है। शनिवार दोपहर दो बजे वह अपने दोस्त विवेक और एजाज के साथ कैफे चाय पर चर्चा पर बैठा हुआ था। इस दौरान आरोपी सोहेल और सलमान वहां भी पर आ गए। एजाज पहले सोहेल का दोस्ता था। इस पर आरोपी पक्ष ने कहा कि वह हमें छोड़कर इसके साथ कैसे बैठ गया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के कहासुनी हो गई। बढ़ते विवाद को देकर विवेक और एजाज मौके से भाग निकले। इस बीच उन्होंने कासिम के साथ गाली गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी सोहेल ने अपने पास रखी छूरी को निकालकर कासिम पर हमला कर दिया। जिससे उसके गर्दन,पीठ और हाथ में गंभीर चोटें आई है।

8 साल में दो बार परीक्षा करा सका ईएसबी

उच्च माध्यमिक शिक्षक वर्ग-एक पात्रता परीक्षा पर संकट

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने वर्तमान वर्ष होने वाली परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया है। इसमें उच्च माध्यमिक शिक्षक वर्ग-1 पात्रता परीक्षा को शामिल नहीं किया गया।

स्कूलों में खाली पदों को देखते हुए वर्ग-1 पात्रता परीक्षा हर साल आयोजित होना चाहिए। ईएसबी गत आठ साल में 2018 और 2023 में दो बार ही परीक्षाएं करा सका है। इसमें भी महज 15 हजार पदों पर भर्तियां हो सकी हैं। बड़ी संख्या में बीएड कर चुके अभ्यर्थी पात्रता परीक्षा में शामिल होने का इंतजार कर रहे हैं। 2018 में 2.22 लाख और 2023 में 1.74 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इसके बाद 2024 और 2025 में भी कोई परीक्षा आयोजित नहीं हुई, जबकि सरकारी स्कूलों में मुख्य विषयों के आधे से अधिक पद खाली हैं। पात्रता परीक्षा के बाद भी अभ्यर्थियों को चयन परीक्षा देनी होती है। ईएसबी के अधिकारियों का कहना है कि स्कूल शिक्षा विभाग की मांग के आधार पर ही परीक्षा कराई जाती है। ईएसबी ने परीक्षा कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षक वर्ग-2 और प्राथमिक शिक्षक-वर्ग-3 में शामिल किया है।

जुलाई-अगस्त में होगी परीक्षा

साल 2026 में ईएसबी वर्ग-2 व वर्ग-3 के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा कराएगा। ये परीक्षाएं जुलाई व अगस्त में होंगी। इसमें प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के करीब 30 हजार पदों को भरने की तैयारी है। वर्तमान में प्रदेश में तीनों वर्ग के 69 हजार से अधिक पद खाली हैं। इनमें से अगले साल तक 30 हजार पद भर लिए जाएंगे।

करीब 15 हजार पद ही भर सका है विभाग

सरकारी स्कूलों में वर्ग-1 के करीब 42 हजार पद स्वीकृत हैं। दो बार में करीब 15 हजार पदों पर भर्ती हुई। अभी भी करीब 21 हजार पद रिक्त हैं। 2018 में वर्ग-1 में 15 हजार पदों के लिए परीक्षा हुई थी, लेकिन 11 हजार पद ही भरे गए। 2023 में आठ हजार 720 पदों के लिए परीक्षा हुई थी। तीन हजार 198 पदों पर ही भर्ती की गई। उम्मीदवारों का कहना है कि उन्हें बीएड करने के बाद भी पात्रता परीक्षा में शामिल होने का मौका नहीं मिलता। अभ्यर्थियों की मांग है कि वर्ग-1 परीक्षा हर साल आयोजित की जाए, ताकि योग्य अभ्यर्थियों को मौका मिल सके।

श्वेतांबर जैन मंदिर में हवन एवं ध्वजारोहण उत्सव संपन्न

जागरण, भोपाल। राजधानी के भेल श्वेतांबर जैन मंदिर में नाकोड़ा भैरव जी एवं घंटाकर्ण महावीर जी की प्रतिष्ठा वर्षगांठ के पावन अवसर पर 23 से 25 जनवरी तक त्रिदिवसीय हवन एवं वार्षिक ध्वजारोहण उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जैन समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 23 जनवरी (शुक्रवार) को प्रभु के नाम की मेहंदी एवं संगीतमय प्रभु भक्ति का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। द्वितीय दिवस 24 जनवरी (शनिवार) को सत्तरभेदी पूजन के पश्चात शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण संपन्न हुआ, जिसके लाभार्थी प्रीतेश जैन एवं संजय मेहता परिवार रहे। इसी दिन समाज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में समाज परिचय पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर भोपाल सांसद आलोक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने पुस्तिका का विधिवत विमोचन कर समाज के इस प्रयास की सराहना की। आलोक शर्मा ने समाज की सुश्राविका मती प्राची जैन की शत्रुंजय तीर्थ की दो दिवसीय उपवास के साथ सात यात्रा पूर्ण होने पर सम्मान किया। माननीय सांसद ने अपने संबोधन में सामाजिक एकता, संस्कारों और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण पर बल दिया।

जयंती उत्सव पर नर्मदा मंदिर से निकली कलश यात्रा

तुलसी नगर स्थित नर्मदा मंदिर में जयंती के अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में माताओं-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कलश धारण कर नगर भ्रमण किया।

दो दिन में सात घरों के ताले टूटे, लाखों का माल चोरी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मिसरोद इलाके में इन दिनों चोरों ने धावा बोल दिया है। दो दिन के अंदर सात घरों के ताले तोड़कर पुलिस की चौकसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चार मकान पॉश कालोनी के हैं। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। हालांकि अभी तक पुलिस को कोई लीड नहीं मिली है। पुलिस पूर्व आपराधिक रिकार्ड वाले बदमाशों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, स्वास्तिक ग्रेंड विला निवासी विजय साहू निजी काम करते हैं। विजय शुक्रवार रात वैष्णोदेवी के दर्शन के लिए परिवार समेत गए थे। इस बीच उनके मकान का ताला तोड़कर चोरी की गई। चोरी की जानकारी लगने पर विजय ने अपने भाई को घर भेजा। भाई ने देखा तो घर का ताला टूटा था। अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। आलमारी के लॉक टूटे थे। जिसमें रखी नकदी व सोने-चांदी के जेवरात गायब थे। इसी कालोनी में चार मकानों के ताला तोड़ दिए। लेकिन चोरी नहीं हुई। इसके अलावा मिसरोद के इंद्रानगर जाटखेड़ी में मुकेश वैष्णव के घर का ताला तोड़कर चोरी की गई। चोर यहां से सोने-चांदी के जेवरात व नकदी ले उड़े। वहीं हरिगंगा नगर निवासी विवेक सोनी के घर में भी चोरी हुई है। बदमाश उनके घर से लाखों रुपए कीमती सामान चोरी कर रफू-चक्कर हो गए। पुलिस सभी मामले की जांच में जुटी है।

पॉश कालोनी में चोरों ने बनाया निशाना सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस

आयोजन — मोदी की मन की बात सुनने के बाद लोगों को किया संबोधित

पीएम जमीनी नवाचार को पहचान दिला रहेः सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच है कि जमीनी स्तर के नवाचारों को देशव्यापी पहचान दिलाई जा सके। पन्ना के बीट गार्ड जगदीश प्रसाद अहिरवार के पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नवाचार को प्रधानमंत्री ने ने देशभर में पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को सुनने के उपरांत उपस्थित जन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अहिरवार के प्रयासों को राष्ट्रीय मंच से सराहा जाना जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे कर्मयोगियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह इस बात का प्रमाण है कि समर्पण, नवाचार और सकारात्मक सोच के साथ किया गया कार्य निश्चित रूप से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया यह प्रोत्साहन वनांचल की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य कर रहे वन कर्मियों के मनोबल को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध प्रदेश है तथा पर्यावरण संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार करने वाले व्यक्तियों एवं कर्मचारियों को हरसंभव सहयोग एवं प्रोत्साहन प्रदान करती रहेगी, ताकि प्रधानमंत्री के पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के संकल्प को साकार किया जा सके। इधर बैतूल में प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करना, हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक परंपराओं के प्रति गहरी आस्था का प्रतीक है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री जी द्वारा मतदान को उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत युवाओं के नवाचारों की सराहना यह दर्शाती है कि आज का भारत युवाओं के विचारों, परिश्रम और नवाचार से निरंतर प्रगति कर रहा है। साथ ही जल संरक्षण के क्षेत्र में जनभागीदारी से हो रहे प्रयासों की सराहना, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करती है।

प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम में व्यक्त विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री जी द्वारा संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करना, हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक परंपराओं के प्रति गहरी आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री जी द्वारा मतदान को उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान अत्यंत प्रेरणादायक है। विशेष रूप से युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान प्रक्रिया से जुड़ने की अपील, लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत युवाओं के नवाचारों की सराहना यह दर्शाती है कि आज का भारत युवाओं के विचारों, परिश्रम और नवाचार से निरंतर प्रगति कर रहा है। साथ ही जल संरक्षण के क्षेत्र में जनभागीदारी से हो रहे प्रयासों की सराहना, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करती है।

अपहरण कर लूटपाट करने वाले लुटेरे गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। निशातपुरा पुलिस ने ऑटो से अपहरण करने वाले दो लुटेरे को गिरफ्तार उनका जुलूस निकाला। आरोपियों ने ऑटो से बाइक टकराने के बाद युवक का अपहरण किया था। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को विवेक अठ्या (20) निवासी न्यू एकता नगर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह रात दस बजे संजय स्वीट्स, करोंद से नाश्ता कर घर लौट रहा था। इसी दौरान दास मेडिकल के सामने उसकी बाइक एक ऑटो से टकरा गई। इस पर ऑटो चालक और उसके दोस्तों ने उसे धमकी देते हुए जबरन ऑटो में बैठा लिया और फिर उसे विश्वकर्मा नगर पानी की टंकी के पास मैदान में ले गया, जहां उनके दो अन्य साथी मौजूद थे। वहां सभी आरोपियों ने मिलकर उसके साथ गाली-गलौज कर मारपीट की और उसके पास रखे 7 हजार 300 रुपए लूटकर पीड़ित को छोड़ दिया। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की । मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दो आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपियों की पहचान शाहरुख खां उर्फ भूरी पिता कल्लू खां, वाजिक शेख पिता अजीज शेख के रूप में हुई।

चुनावी रणनीति में माहिर नेताओं की भाजपा ने बनाई सूची

इस साल पांच राज्यों में होंगे विधानसभा चुनाव, भाजपा बड़े नेताओं को मैदान में उतारेगी

विशेष संवाददाता, भोपाल। इस वर्ष देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, जहां चुनावी रणनीति संभालने के लिए मध्यप्रदेश भाजपा ने नेताओं की सूची तैयार की है। सूत्रों की मानें तो प्रदेश के कई बड़े नेताओं को ऐसे राज्यों की जिम्मेदारी दी जा सकती है, जहां पर गैर भाजपाई सरकार है। गौरतलब है कि इस साल असम, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं, जिसके लिए अभी से भाजपा के केन्द्रीय संगठन ने अपनी तैयारी प्रारंभ कर दी है।

राजनीति के जानकारों का कहना है कि भले ही इन राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हों, लेकिन यहां के परिणाम राष्ट्रीय राजनीति में काफी प्रभाव डाल सकते हैं। भाजपा नए राज्यों में अपनी सत्ता लाने की कोशिश में है, तो विपक्ष और कांग्रेस किसी भी स्थिति में भाजपा को सफल नहीं होने देना चाहती है। असम में जहां भाजपा की सरकार है, तो पुडुचेरी में भाजपा गठबंधन के साथ सरकार चला रही है। पश्चिम बंगाल में भी भाजपा सरकार बनाने के लिए रात दिन मेहनत कर रही है,तो केरल में कांग्रेस को अपनी वापसी की उम्मीद है,जिसे भाजपा रोकना चाहती है। जानकारों की मानें तो मध्यप्रदेश संगठनात्मक दृष्टि से बेहतर माना जाता है, ऐसे में यहां के नेताओं को हमेशा ही दूसरे राज्यों के चुनावों की कमान सौंपी जाती है। इस बार भाजपा के लिए सबसे बड़ा पश्चिम बंगाल मना जा रहा है। बताया जा रहा है कि यहां के लिए मध्यप्रदेश के तकरीबन 1 दर्जन से ज्यादा नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इनमें सरकार के मंत्रियों के अलावा सांसद, पूर्व सांसद, विधायक व वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

16 नेताओं को असम की जिम्मेदारी

असम राज्य में भी विधानसभा चुनाव होने है,जहां के लिए मध्यप्रदेश भाजपा से 16 नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन नेताओं को गणतंत्र दिवस के उपरांत दिल्ली बुलाया जाएगा। जहां उन्हें बताया जाएगा कि असम के किन-किन क्षेत्रों में उन्हें अपनी जिम्मेदारी को निभाना है। सूत्रों का कहना है कि असम में जल्द मध्यप्रदेश में सक्रिय एक वरिष्ठ पदाधिकारी को तैनात कर वहां के संगठन की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है,जबकि उनके स्थान पर किसी दूसरे राज्य के नेता को मध्यप्रदेश भेजा जा सकता है।

केरल, तमिलनाडु पर नजर

भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि केरल और तमिलनाडु राज्यों में भी भाजपा मध्यप्रदेश के अपने नेताओं को चुनाव रणनीति संभालने के लिए भेजना चाहती है। लेकिन भाषाई दिक्कतों की वजह से अब तक ऐसे नेता चिन्हित नहीं हो सके हैं, जिन्हें इन राज्यों में भेजा जा सके। कहा जा रहा है कि मध्यप्रदेश से राज्यसभा में भेजे गए केन्द्रीय मंत्री जार्ज कुरियन और डॉ. एल. मुरुगन सहित दूसरे नेताओं को इन राज्यों की कमान सौंपी जा सकती है।

संघ सदस्य जाएंगे राज्यों में

जानकारों की मानें तो मध्यप्रदेश में पिछले कई वर्षो से विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की 4 सौ से ज्यादा पूर्णकालिकों को इन राज्यों में चुनावी सहयोग के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व ने संघ से इन पूर्णकालिकों की मांग की है। हालांकि अब तक संघ की ओर से स्वीकृति मिलने की जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन कहा जा रहा है कि फरवरी के अंत तक ये पूर्णकालिक इन राज्यों में अपनी भूमिका निभानी शुरु कर देंगे।

दिल्ली में होगी बड़ी बैठक

भाजपा से जुड़े सूत्रों की मानें तो इस विषय को लेकर फरवरी के प्रथम सप्ताह में नई दिल्ली में भाजपा की एक बड़ी बैठक होगी। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सहित दूसरे वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। इस बैठक में ही तय होगा कि मध्यप्रदेश से कौन से नेताओं को चुनावी राज्यों में कमान संभालने के लिए भेजा जाना है।

मिलेगी चुनावी जिम्मेदारी

निगम मंडल सहित दूसरे सरकारी पदों पर नियुक्ति मिलने के ठीक बाद भाजपा नेताओं को दूसरे राज्यों की चुनावी कमान सौंप दी जाएगी। पद ग्रहण करने के बाद ये नेता राज्यों में चुनाव होने तक भोपाल या मप्र में ज्यादा समय नहीं दे पाएंगे। कहा जा रहा है कि कुछ नेताओं को अभी से संकेत दिए जा चुके है कि उन्हें निगम मंडल का पद ग्रहण करने के तत्काल बाद अपने दायित्व वाले राज्यों में डेरा जमाना होगा।

लाल परेड ग्राउंड में राज्यपाल करेंगे ध्वाजारोहण

विशेष संवाददाता, भोपाल। देश के 77 वें गणतंत्र दिवस पर राजधानी भोपाल में राज्यपाल डॉ.मंगुभाई पटेल लालपरेड ग्राउण्ड में ध्वाजारोहण करेंगे। इस मौके पर सबसे बड़ी परेड की सलामी लेंगे,तो अलग-अलग विभागों की झांकियों का अवलोकन भी करेंगे। जानकारी के अनुसार परेड में 13 सौ जवानों के अलावा 23 प्लाटून शामिल होंगे। परेड में 10 साल बाद एनएसएस कैडिट परेड में शामिल होंगे। परेड में 22 विभागों की झांकियां निकाली जाएगी। रविवार गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर तैयारिया पूरी कर ली गई। यातायात व्यवस्था को लेकर भी यातायात पुलिस ने ट्रैफिक प्लान जारी कर दिया है।

सीएम उज्जैन में फहराएंगे तिरंगा : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने गृहनगर उज्जैन में गणतंत्र दिवस पर ध्वाजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ग्वालियर में,उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा इंदौर में,तो उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सागर में बतौर मुख्यअतिथि के तौर पर गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होंगे। वरिष्ठ मंत्री प्रहलाद पटेल और राकेश सिंह क्रमशःरीवा व छिंदवाड़ा में,राजस्व मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत गुना,मंत्री तुलसीराम सिलावट बुराहनपुर,महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया द्वारा नीमच में झण्डा फहराया जाएगा।

राजधानी सहित प्रदेशभर में रविवार को मतदाता दिवस मनाया गया। इस दौरान नए जुड़े मतदाताओं को कार्ड वितरित किए गए।

स्कूल के विद्यार्थियों को परीक्षा की ऑनलाइन तैयारी कराएंगे एक्सपर्ट

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। स्कूली विद्यार्थियों को मैनिट और आईआईटी के एक्सपर्ट प्रतियोगी परीक्षा की निशुल्क तैयारी कराएंगे। यह ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से होगी। अब तक पांच अभिभावक जुड़ चुके हैं। अभिभावकों से जुड़ी समस्याओं को उठाने राजधानी में पालक महासंघ काम कर रहा है। इससे 1500 से ज्यादा लोग जुड़े हैं। बोर्ड परीक्षा के तुरंत बाद प्रतियोगी परीक्षा के विद्यार्थियों की यह मदद करेगा। संघ में ही मैनिट और आईआईटी के एक्सपर्ट हैं, जो निशुल्क कोचिंग में मदद करेंगे। सचिव प्रबोध पांड्या ने बताया कि बोर्ड परीक्षा के बाद कई बच्चों के सामने समस्या आती है। इसी के समाधान के लिए यह पहल है। अभिभावकों की ओर से यह राजधानी में अपनी तरह की पहली पहल है।

बंदियों को भी मताधिकार की सुविधा दिलाने का प्रयास हो

विसं, भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि लोकतंत्र में मताधिकार की पहुंच का स्तर व्यापक होना जरूरी है। कारावास के बंदियों को मताधिकार की सुविधा उपलब्ध कराने नियमों का परीक्षण करने और आवश्यक व्यवस्थाएं पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। राज्यपाल रविवार को मतदाता दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्टीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 16वें मतदाता दिवस के राज्य और जिला स्तरीय संयुक्त समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति को दिशा देने के लिए लोकतंत्र का मजबूत होना जरूरी है। लोकतंत्र की मजबूती का आधार ईमानदार, नीति और कर्तव्यपरक मतदाता ही है। जरूरी है कि कोई भी पात्र मतदाता मताधिकार से वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल कराना और मतदान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। राज्यपाल ने कहा है राष्टीय मतदाता दिवस का उद्देश्य लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करना है। प्रत्येक नागरिक को उसके अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक करना है। मतदाता जागरूकता तथा समावेशन प्रयासों में ग्रामीण, शहरी क्षेत्रों के साथ ही दिव्यांगजनों, ट्रांसजेंडर समुदाय, वंचित वर्गों की सहभागिता के लिए नवाचार के विशेष प्रयास किए जाएँ। इस मौके पर राज्यपाल ने उपस्थित जनों को मतदाता शपथ दिलाई। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी, मास्टर ट्रेनर्स, बूथ लेवल ऑफिसर्स एवं स्वयं सेवकों को सम्मानित किया। प्रदेश के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले 10 युवाओं को इपिक कार्ड प्रदान किए। आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि मतदाता दिवस का आयोजन नागरिकता के सतत सम्मान और गणतंत्र को सुदृढ़ करने की भावना से किया जाता है। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओ.पी. रावत ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने प्रारंभ से ही निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के उच्च मानदंड स्थापित किए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव झा ने बताया कि शुद्ध मतदाता सूची चुनाव की सफलता का आधार है।

सारिका को मिला राज्य स्तरीय सम्मान

कार्यक्रम में स्वीप आईकॉन सारिका घारु को राज्य में फोटो निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण में उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान मतदाता जागरुकता एवं सहभागिता बढ़ानें में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया।

उत्सवों की राजधानी उज्जैनः सीएम

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन उमंग, उत्साह, जोश और आनंद की नगरी बन गया है। हर क्षण यहां मेले, उत्सव, त्यौहार मनाए जाते हैं। उज्जैन उत्सवों की राजधानी बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात उज्जैन के कोठी रोड पर रविवार की सुबह आयोजित राहगीरी आनंद उत्सव का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान लगभग 70 से अधिक संस्थाओ ने मंचों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत अभिनंदन किया।

किसानों का किया सम्मान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहगीरी कार्यक्रम के समापन पर किसानों को शाल-श्रीफल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष-2028 में उज्जैन में सिहंस्थ का आयोजन किया जाएगा। यह पूरे उत्साह, उमंग और भारतीय संस्कृति विरासत को दुनिया को दिखाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। भारतीय सनातन परंपरा को विश्व पटल पर नई पहचान के साथ उल्लेखित करने के प्रयास किए जाएंगे। डॉ. यादव कहा कि राहगीरी-2026 कार्यक्रम हमने किसानों को समर्पित किया है। अंतर्राष्टीय स्तर पर किसानों के हितों के संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी चट्टान की तरह खड़े हैं, और उसमें अपनी सहभागिता निभाने के लिए भी हम सभी किसान भाइयों के साथ लगातार प्रयास कर रहे हैं। आज किसानों का सम्मान कर हम आनंदित हैं हमारी मातृभूमि के सच्चे सपूतों के रूप में किसान भाई हमारे देश की उन्नति में अपनी सहभागिता कर रहे हैं।

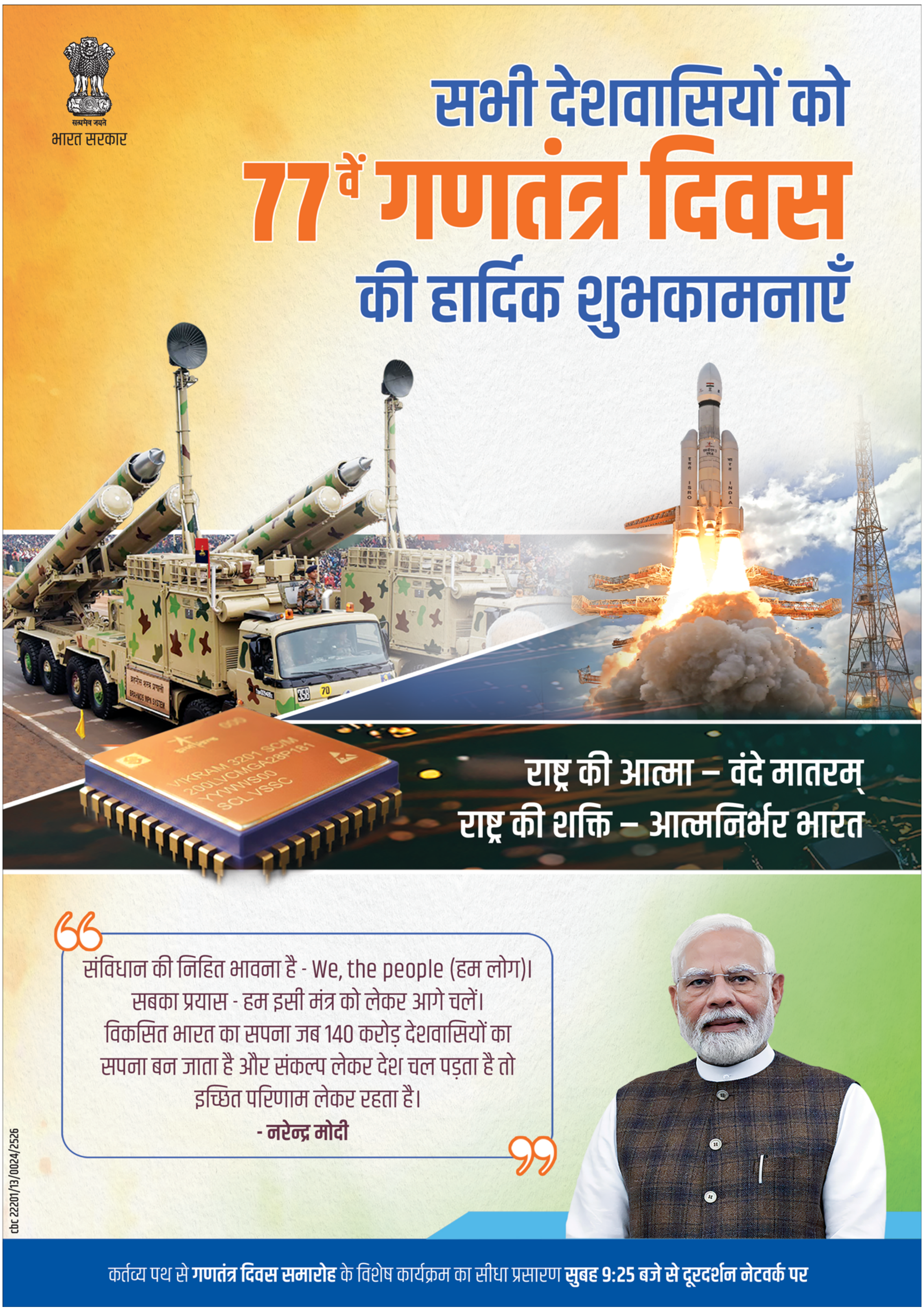

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

गणतंत्र दिवस - भारतीय लोकतंत्र का महा उत्सव

26 जनवरी कैलेंडर की सिर्फ एक तारीख नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र के उस महा उत्सव का दिन है जिसे हम गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं। आज हम अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं, यह उस महान संविधान के लागू होने के 76 गौरवशाली वर्ष पूरे होने का क्षण है, जिसने विविधताओं से भरे इस विशाल देश को एक सूत्र में पिरोकर रखा है। 26 जनवरी 1950 को जब भारत ने एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी, तब दुनिया की नजरें हम पर थीं। कई विदेशी राजनीति विश्लेषकों का मानना था कि भाषाई,धार्मिक और सांस्कृतिक जटिलताओं वाला यह देश बिखर जाएगा लेकिन आज, सात दशक से अधिक समय बीतने के बाद, भारत न केवल एकजुट है, बल्कि वैश्विक मंच पर एक निर्णायक शक्ति बनकर उभरा है। यह हमारे संविधान की सफलता है कि उसने हर भारतीय को, चाहे वह लद्दाख की वादियों में हो या कन्याकुमारी के तट पर, एक समान नागरिक अधिकार और गरिमा प्रदान की।

गणतंत्र के इन 76 वर्षों का सफर शून्य से शिखर तक पहुंचने की एक गाथा है। जिस देश ने कभी अनाज के लिए दुनिया का मुंह ताका था, आज वह अंतरिक्ष की असीम गहराइयों को नाप रहा है। मंगलयान से लेकर चंद्रयान की सफलताओं ने भारतीय मेधा का लोहा पूरी दुनिया में मनवाया है। डिजिटल इंडिया और यूपीआई जैसे नवाचारों ने भारत को तकनीक के मामले में विकसित देशों के समकक्ष खड़ा कर दिया है। लेकिन, गणतंत्र केवल आर्थिक तरक्की या तकनीकी विकास का नाम नहीं है; यह उस शासन व्यवस्था का नाम है जहाँ 'जनता ही जनार्दन' है। संविधान सभा में डॉ. बी.आर. अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसे दूरदर्शी नेताओं ने जिस 'लोक कल्याणकारी राच्य' की कल्पना की थी, उसकी कसौटी आज भी वही है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और विकास की किरण पहुंची या नहीं।

आज के इस उत्सवी माहौल के बीच हमें उन चुनौतियों से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए जो अब भी हमारे लोकतंत्र की राह में रोड़ा बनी हुई हैं। 76 साल बाद भी यदि ग्रामीण अंचलों में एक गरीब को स्वास्थ्य सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ता है या किसी किसान को अपनी मेहनत का हक पाने के लिए कतारों में खड़ा होना पड़ता है, तो यह हमारे प्रशासनिक तंत्र पर एक बड़ा सवालिया निशान है। गणतंत्र की सार्थकता तभी है जब सत्ता का केंद्र केवल राजधानियां न हों, बल्कि गांव की चौपालें और खेत-खलिहान भी हों।

शिक्षा और युवा शक्ति आज के भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। हमारे युवा केवल नौकरियों के पीछे भागने वाले समूह नहीं हैं, बल्कि वे नवाचार और स्टार्टअप्स के माध्यम से दुनिया को नई दिशा दे रहे हैं। लेकिन युवाओं की इस ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए अभिव्यक्ति की आजादी और तार्किक सोच के संवैधानिक अधिकारों को सुरक्षित रखना होगा।

दरअसल, इन 76 वर्षों में हमने पाकिस्तान और चीन के साथ कई युद्ध लड़े, आपातकाल की पीड़ा सही और कई आर्थिक संकटों का सामना किया, लेकिन हर बार भारतीय लोकतंत्र और अधिक निखर कर सामने आया। आज जब हम विकसित भारत का सपना देख रहे हैं, तो हमें याद रखना होगा कि विकास की इमारत केवल कंक्रीट और स्टील से नहीं बनती, बल्कि वह सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सौहार्द की नींव पर खड़ी होती है।

आज गणतंत्र दिवस पर, जब कर्तव्य पथ पर देश के शौर्य का प्रदर्शन होगा, तब हमें एक नागरिक के रूप में आत्ममंथन भी करना चाहिए। भारत का भविष्य सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि सरकारें क्या करती हैं, इस पर भी निर्भर करता है कि हम एक समाज के रूप में कितने जागरूक और न्यायप्रिय हैं। आइए, हम संकल्प लें कि हम एक ऐसे भारत का निर्माण करेंगे जहां कानून का राज हो, जहां गरीबी केवल इतिहास की किताबों में बचे और जहां हर नागरिक गर्व से कह सके कि यह मेरा गणतंत्र है।

आम बजट

मौजूदा आर्थिक स्थिति की नींव मजबूत करने के मौके के तौर पर देखना चाहिए

व्यावहारिक व लचीलापन बढ़ाने वाला हो बजट

अजित रानाडे

वित्त मंत्री के सामने चुनौती न तो इस क्षण का उत्सव मनाने की है और न ही इससे भयभीत होने की, बल्कि इसे सही ढंग से समझने की है। यह उन परिस्थितियों को मजबूत करने का अवसर है, जो वृद्धि को समावेशी और टिकाऊ बनाती हैं- बढ़ती मजदूरी, व्यापक उपभोग, स्थिर निवेश और विश्वसनीय राजकोषीय मान्यताएं- इससे पहले कि मुद्रास्फीति का चक्र एक बार फिर पलटे।

एक फरवरी को वित्त मंत्री ऐसे व्यापक आर्थिक परिदृश्य के बीच अगले वित्त वर्ष के लिए बजट प्रस्तुत करेंगी, जो दुनिया के कई देशों के लिए ईर्ष्या का विषय हो सकता है। आइएमएफ जैसी संस्थाओं ने भारत की विकास दर के पूर्वानुमान बढ़ाये हैं। जीडीपी की तिमाही के आंकड़े तेज गति का संकेत देते हैं। और उपभोक्ता मुद्रास्फीति रिजर्व बैंक के लक्ष्य से भी नीचे आ गयी है। तेज वृद्धि और कम मुद्रास्फीति का यह संयोग एक 'स्वीट स्पॉट' है जिसे गोल्डीलॉक्स इकोनॉमी कहा जाता है। लगता है कि मैक्रो इकोनॉमिक मैनेजमेंट ठीक है और पॉलिसी का काम सिर्फ इस रास्ते को बनाये रखना है।

हालांकि, इसे अधिक सावधानी से समझने की जरूरत है। इसलिए नहीं कि बताये जा रहे आंकड़े 'गलत' हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें बनाने वाली ताकतें असमान हैं। इसलिए बजट को मौजूदा स्थिति की नींव मजबूत करने के मौके के तौर पर देखना चाहिए। पहला मुद्दा मौजूदा 'कम महंगाई' को समझना है। महंगाई में इस कमी का बड़ा हिस्सा खाने-पीने की चीजों की कीमतों से समझाया जा सकता है, जो अक्तूबर, 2024 में दोहरे अंकों की महंगाई से एक साल बाद सीधे डिफ्लेशन में बदल गयी, और माइनस पांच फीसदी हो गयी। सीपीआइ बास्केट में खाने-पीने की चीजों का वजन ज्यादा होता है, इसीलिए यह कम है। खाने-पीने और ईंधन को छोड़कर 'कोर' महंगाई लगातार ज्यादा रही है, जो चार फीसदी के करीब है। यह कम सीपीआइ महंगाई हमें कृषि कीमतों के चक्र, आपूर्ति की स्थितियों और कमजोर मांग के बारे में ज्यादा बताती है। यही वजह है कि मौद्रिक नीति की बहस में खुशी के बजाय सावधानी का एक असामान्य भाव है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के एक सदस्य ने तर्क दिया कि 'बहुत कम' महंगाई किसी विकासशील देश के लिए सेहतमंद नहीं हो सकती, क्योंकि यह कमजोर मांग का संकेत हो सकती है। इस चेतावनी पर राजकोषीय नीति बनाने में भी ध्यान देना चाहिए। कम महंगाई खेती की कीमतों के स्थिर रहने या गिरने के कारण है। इसका मतलब यह नहीं है कि यह बनी रहेगी। दूसरा मुद्दा खेती की मजदूरी का है। खाने-पीने की चीजों के दाम घटने से सीपीआइ कम होता है, पर इससे किसानों की आय भी कम हो सकती है। इसलिए, कम खाद्य मुद्रास्फीति के साथ ग्रामीण संकट भी हो सकता है। ज्यादा ग्रोथ की विश्वसनीयता इस पर निर्भर करती है कि मांग बड़े पैमाने पर हो। अगर ग्रामीण आय और मजदूरी स्थिर रहती है, तो खपत कमजोर रहती है। अगर खपत कमजोर है, तो निजी निवेश में तेजी आने की वजह कम होती है। यानी ग्रोथ की प्रक्रिया असमान है- कुछ सेक्टर में मजबूत, तो दूसरों में कमजोर है।

ग्रामीण मजदूरी में कम वृद्धि का लगातार बने रहना शायद सबसे ज्यादा चिंता की बात है। कई वर्षों से, नॉमिनल ग्रामीण मजदूरी में मामूली बढ़ोतरी हुई है, लेकिन असली मजदूरी लंबे समय तक स्थिर या नेगेटिव रही है। जब 2023-24 की तरह खाने-पीने की चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ रही थीं, तो वे नॉमिनल मजदूरी में मामूली बढ़ोतरी को खत्म कर रही थीं, जिससे असली मजदूरी स्थिर बनी रही। असली ग्रामीण मजदूरी में यह स्थिरता कोविड काल से पहले से कई सालों से है। इसके दो कारण हो सकते हैं। पहला, लेबर सप्लाई बढ़ी है, जिसमें महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी भी शामिल है। यह काफी हद तक ग्रामीण संकट और घर की आय बढ़ाने की जरूरत के कारण है। नरेगा के तहत बनी 57 फीसदी नौकरियों में महिलाओं को काम मिला।

दूसरा, हाल के वर्षों में भारत की ग्रोथ कम लेबर इंटेंसिव रही है। आउटपुट में वृद्धि पूंजीगत खर्च में जोरदार ग्रोथ के कारण हुई, जो ज्यादातर पब्लिक सेक्टर ने किया। आउटपुट बिना रोजगार और मजदूरी की मोलभाव की शक्ति में आनुपातिक वृद्धि के भी बढ़ सकता है। बजट को ग्रामीण कमाई को एक मुख्य मैक्रो वेरिएबल मानना चाहिए। तीसरी चिंता बाहरी है- रुपये की कमजोरी और आयातित महंगाई का छिपा हुआ जोखिम। सीपीआइ महंगाई लगभग शून्य रहने के बावजूद रुपया कमजोर हुआ है। खाने-पीने की चीजों की कीमतों में गिरावट हुई है, और कच्चे तेल की कीमतें तुलनात्मक रूप से स्थिर रही हैं। पर आज धीमा पास-थ्रू कल भी धीमा पास-थ्रू होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। खेती की कीमतें तेजी से बदल सकती हैं, और धातुओं और कीमती धातुओं में कीमतों का दबाव लागत और महंगाई की उम्मीदों में फैल सकता है।

जब खाने-पीने की चीजों की महंगाई एक ऊंचे पॉजिटिव नंबर से निगेटिव नंबर पर आती है, तो अगले साल की तुलना में उछाल दिखने की संभावना ज्यादा होती है, जो एक बेस इफेक्ट है। बजट के मैक्रो अनुमान इस उम्मीद पर आधारित नहीं होने चाहिए कि 0-2 फीसदी महंगाई एक 'नया नॉर्मल' है। आखिर में, नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ की बात। जब महंगाई बहुत कम होती है, तो रियल और नॉमिनल जीडीपी के बीच का अंतर तेजी से कम हो जाता है। इसके तुरंत मौद्रिक असर होते हैं क्योंकि कर संग्रह नॉमिनल एग्रीगेट्स को ट्रैक करते हैं, न कि रियल को। अगर घाटा अप्रत्याशित रूप से बढ़ता है, तो यह महंगाई बढ़ाने वाला और करेंसी के लिए नेगेटिव हो सकता है, जिससे वही जोखिम बढ़ जाते हैं, जिनसे नीति बनाने वाले बचना चाहते हैं। इसलिए बजट व्यावहारिक और लचीलापन बढ़ाने वाला होना चाहिए।

ऐसे में, सबसे पहले ऐसे मैक्रो अनुमान बनायें, जो सामान्य स्थिति की उम्मीद करते हों। यह मान लेना ज्यादा सुरक्षित है कि महंगाई चार फीसदी की ओर वापस आयेगी। दूसरा, ग्रामीण कमाई और रोजगार बढ़ाने वाली ग्रोथ को मुख्य लक्ष्य मानें। बजट में ऐसे उपायों पर जोर देना चाहिए, जो कमाई की क्षमता बढ़ायें- ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, सिंचाई और स्टोरेज, वैल्यू-चेन डेवलपमेंट, ग्रामीण गैर-कृषि क्लस्टर, और एमएसएमइ क्रेडिट इकोसिस्टम। इसलिए वित्त मंत्री के सामने चुनौती न तो इस क्षण का उत्सव मनाने की है और न ही इससे भयभीत होने की, बल्कि इसे सही ढंग से समझने की है। यह उन परिस्थितियों को मजबूत करने का अवसर है, जो वृद्धि को समावेशी और टिकाऊ बनाती हैं- बढ़ती मजदूरी, व्यापक उपभोग, स्थिर निवेश और विश्वसनीय राजकोषीय मान्यताएं- इससे पहले कि मुद्रास्फीति का चक्र एक बार फिर पलटे।

खुला मंच

शुक्र मनाओ हमारे पास वो नहीं है जी

सहीराम

शुक्र मनाओ जी कि यहां तेल के भंडार नहीं हैं। वरना अमेरिका हम पर भी ईरान और वेनेजुएला जैसी नजर रखता। वैसे शिकायत तो यही रहती है जी कि यह चीज हमारे पास क्यों नहीं है, जो उसके पास है। यह शिकायत भाइयों से लेकर आस-पड़ोस तक होते हुए देश-विदेश तक सब जगह रहती है। मसलन, तेल खाड़ी देशों में क्यों है, हमारे यहां क्यों नहीं है। ऊपर वाले ने बड़ी नाइंसाफी कर रखी है, देखो हमें इतना महंगा तेल खरीदना पड़ रहा है। पर शुक्र मनाओ जी कि हमारे यहां तेल के भंडार नहीं हैं। वरना तो अमेरिका हम पर भी ऐसे ही नजर रखता, जैसे वह आजकल ईरान और वेनेजुएला पर रखे हुए है। ट्रंप साहब रोज धमकियां देते कि तुम्हारे यहां यह गड़बड़ है, तुम्हारे यहां वह गड़बड़ है। देखो सुधर जाओ, वरना हम हमला कर देंगे।

वैसे धमकियां तो वे आज भी देते हैं, पर ट्रेड और टैरिफ की ही देते हैं। प्रतिबंध लगाने या हमला करने की नहीं देते। सीआईए हमारे यहां हर क्षेत्र में घुसा रहता। वैसे अब भी घुसा हुआ हो, क्या पता। सीआईए के घुसने के लिए तेल के भंडार होना जरूरी नहीं हैं, सिर्फ इस दुनिया में एक देश के रूप में आपका होना ही जरूरी है। पर तेल होता तो हमारे यहां भी रोज तख्तापलट होता रहता, वैसे ही जैसे इराक में हुआ, लीबिया में हुआ और अब वेनेजुएला में कराने की कोशिश हो रही है। भले ही अभी तक हुआ नहीं है, लेकिन कोशिश जारी है।

शुक्र मनाओ कि हमारे यहां तेल के भंडार नहीं हैं, वरना तो क्या पता अमेरिका हमारे शासकों पर भी कभी जनसंहार के हथियार रखने के इल्जाम लगाता जैसे उसने सद्दाम हुसैन पर लगाए, कभी तानाशाही के इल्जाम लगाता जैसे उसने गद्दाफी पर लगाए, कभी अवैध रूप से नाभिकीय शक्ति हासिल करने के इल्जाम लगाता जैसे वह ईरान पर लगाता है, कभी ड्रग तस्करी के इल्जाम लगाता जैसे, उसने मादुरो पर लगाए। जरूरी नहीं कि ऐसे इल्जाम सच ही हों। सद्दाम पर जनसंहार के हथियार रखने का इल्जाम कहां सच निकला। नहीं निकला। उसी तरह मादुरो पर लगाए ड्रग तस्करी के इल्जाम भी जरूरी नहीं कि सच ही निकले।

शुक्र मनाओ कि हमारे यहां इराक, ईरान, लीबिया या वेनेजुएला की तरह तेल के भंडार नहीं हैं। वरना बंगलादेश युद्ध के वक्त तो अमेरिका ने अपना सातवां बेड़ा ही भेजा था, तेल होने पर पता नहीं कितने बेड़े भेजता। वरना हमारे ऊपर भी अमेरिका किसी न किसी बहाने से चढ़ाई कर ही देता। वरना इराक और लीबिया की तरह हमारे यहां भी अराजकता ही होती। हमारे शासक अगर सद्दाम हुसैन या मादुरो की नियति को नहीं प्राप्त हो रहे तो इसके लिए शुक्र मनाओ कि हमारे यहां तेल के भंडार नहीं हैं। नहीं?

प्रसंगवश

दुनिया के आइटी क्षेत्र में भारत का दबदबा

दुनिया की शीर्ष 25 आइटी सेवा कंपनियों में भारत और अमेरिका की आठ-आठ कंपनियां हैं। इससे यह स्पष्ट है कि भारतीय आइटी कंपनियां पूरी दुनिया में अपने ब्रांड मूल्य और मजबूती के मामले में अग्रणी बन रही हैं। वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) सेवाओं के क्षेत्र में भारतीय कंपनियों का दबदबा 2026 में भी कायम है, तो यही अपने आप में वैश्विक स्तर पर भारत की क्षमता बताने के लिए काफी है। ब्रांड फाइनेंस की नयी रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर की शीर्ष 25 आइटी सेवा कंपनियों में भारत और अमेरिका की आठ-आठ संस्थाएं शामिल हैं। यानी वैश्विक आइटी रैंकिंग में भारत और अमेरिका बहुत करीब खड़े हैं। यह संकेत है कि भारतीय आइटी कंपनियां विश्व स्तर पर बेहद मजबूत और भरोसेमंद हैं। इस नयी सूची में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इनफोसिस ने दुनिया के क्रमशः दूसरे और तीसरे आइटी सेवा ब्रांड के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। टीसीएस लगातार पांचवें वर्ष दुनिया का दूसरा सबसे मूल्यवान आइटी सेवा ब्रांड बना रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, 21.2 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य वाले टीसीएस को प्रशंसा और विश्वसनीयता जैसे प्रमुख मानकों पर बेहद मजबूत स्कोर मिला है, जो इसे एक भरोसेमंद और विश्वसनीय कारोबारी साझेदार के रूप में स्थापित करता है। ब्रांड पर विचार और अनुशंसा के मामले में भी कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा, जो दीर्घकालीन ग्राहक विश्वास बनाये रखने की क्षमता दर्शाता है। जबकि 16.4 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य वाली इनफोसिस बीते छह साल में 15 फीसदी की सालाना चक्रवृद्धि दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली आइटी सेवा कंपनी रही है। इसके अलावा 100 में से 86.8 के अंक के साथ यह दुनिया का तीसरा सबसे मजबूत ब्रांड भी है। इस सूची में एचसीएल टेक और विप्रो शीर्ष 10 में शामिल हैं, तो टेक महिंद्रा 12 वें स्थान पर है। दुनिया की अग्रणी आइटी कंपनियों के ब्रांड मूल्य और मजबूती पर नजर रखने वाली इस रिपोर्ट में 42.2 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य वाले एक्सेंचर को सबसे मूल्यवान आइटी सेवा आंका गया है। लगातार आठवें साल इसे यह उपलब्धि हासिल हुई है। एक्सेंचर की सफलता मुख्य रूप से इसकी ब्रांड मजबूती और विश्वसनीयता पर आधारित है। दुनिया की शीर्ष 25 आइटी सेवा कंपनियों का संयुक्त ब्रांड मूल्य 167.2 डॉलर रहा। इस सूची में आइबीएम कंसल्टिंग, कैपजेमिनी, एनटीटी डेटा, कॉग्निजेंट, इपीएएम और जेनपैक्ट जैसी वैश्विक कंपनियां शामिल हैं, तो एलटीआइ माइंड ट्री, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स और हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज ने भी शीर्ष 25 में जगह बनायी है।

भारत सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में तेजी से मजबूत आधार तैयार कर रहा है और इसी वजह से वैश्विक उद्योग भारत को एक भरोसेमंद आपूर्ति-शृंखला साझेदार के रूप में देख रहा है। बढ़ते डिजिटलाइजेशन और ऑटोमेशन के दौर में सेमीकंडक्टर हर क्षेत्र की बुनियाद बन चुके हैं। भारत इस जरूरत को समझते हुए आत्मनिर्भर क्षमता विकसित कर रहा है। भारत का एआई पारिस्थितिकी तंत्र वैश्विक कंपनियों को आकर्षित कर रहा है। गूगल की ओर से विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर के निवेश से एआई डाटा सेंटर स्थापित करने की योजना इसका बड़ा उदाहरण है। इसके साथ ही गूगल भारतीय स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी बढ़ा रहा है, जिससे देश में एआई आधारित नवाचार को नई गति मिलेगी। इस रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि भारतीय आइटी कंपनियां केवल अमेरिका और यूरोप में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अपने ब्रांड मूल्य और मजबूती के मामले में अग्रणी बन रही हैं।

संवैधानिक अधिकार

भारत में मताधिकार एक संवैधानिक अधिकार और जन-संप्रभुता का प्रतीक है

'मत' लोकतंत्र की ताकत और सबसे सशक्त हथियार

प्रो. सतपाल

विश्व की शासन व्यवस्थाओं में लोकतंत्र को बेहतर व्यवस्थाओं में से एक माना जाता है। क्योंकि लोकतंत्र जहां एक ओर विविधता को स्वीकार करता है, वहीं दूसरी ओर आलोचना की अनुमति भी प्रदान करता है। लोकतान्त्रिक व्यवस्था जनता की भागीदारी, स्वतंत्रता, समानता और प्रतिनिधित्व पर आधारित होने के कारण 'मत' लोकतंत्र का सबसे सशक्त हथियार है। यही वह ताकत है जिसके माध्यम से जनता सत्ता को दिशा देती है, सरकारों को वैधता प्रदान करती है, तथा शासन व्यवस्था को उत्तरदायी बनाती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में मताधिकार केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और जन-संप्रभुता का प्रतीक है। विश्व इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि मताधिकार कभी भी सत्ता द्वारा सहजता से प्रदान नहीं किया गया। प्राचीन एथेंस में लोकतंत्र की अवधारणा विकसित हुई, परंतु वहां भी मताधिकार केवल स्वतंत्र पुरुष नागरिकों तक सीमित था।

महिलाओं, दासों और विदेशी नागरिकों को इस अधिकार से वंचित रखा गया। मध्ययुगीन यूरोप में राजतंत्र का वर्चस्व रहा, जहां जनता की राजनीतिक भागीदारी की कोई कल्पना ही नहीं थी। आधुनिक लोकतंत्र के विकास के साथ ही मताधिकार के लिए संघर्ष प्रारंभ हुआ। ब्रिटेन में मजदूर वर्ग और महिलाओं ने लंबे आंदोलनों के बाद वोट का अधिकार प्राप्त किया। अमेरिका में अश्वेत नागरिकों को संवैधानिक रूप से मताधिकार मिलने के बावजूद व्यावहारिक रूप से 1960 के दशक तक मतदान से रोका जाता रहा। यह इतिहास इस तथ्य को रेखांकित करता है कि मताधिकार कोई दान नहीं, बल्कि जनसंघर्षों की उपलब्धि है। भारत में मताधिकार का इतिहास भी संघर्ष और वंचना से जुड़ा रहा है। औपनिवेशिक शासन के दौरान मत देने का अधिकार अत्यंत सीमित था। 1909, 1919 और 1935 के अधिनियमों के तहत मताधिकार संपत्ति, कर और शिक्षा से जुड़ा हुआ था। महिलाओं, दलितों, आदिवासियों और गरीब तबकों के लिए यह अधिकार लगभग अप्राप्य था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राजनीतिक चेतना तो विकसित हुई, किंतु आम जनता की निर्णायक भूमिका अभी भी सीमित थी। ऐसे में स्वतंत्र भारत के संविधान निर्माताओं द्वारा सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का निर्णय एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम था। 26 जनवरी 1950 को लागू भारतीय संविधान ने 21 वर्ष की आयु पूरी करने वाले प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के मताधिकार प्रदान किया। बाद में जिसे संविधान के 61वें संशोधन अधिनियम 1988 के तहत घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया। वर्ष 1950 में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का यह निर्णय उस समय के कई विकसित लोकतांत्रिक देशों से भी अधिक प्रगतिशील था। भारत का पहला आम चुनाव 1951-52 में हुआ, जिसे विश्व इतिहास का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक प्रयोग कहा गया। लगभग 17 करोड़ मतदाताओं वाला देश, जहां साक्षरता दर अत्यंत कम थी, वहां लोकतंत्र को सफल बनाना एक बड़ी चुनौती थी। चुनाव आयोग ने निरक्षर मतदाताओं के लिए चुनाव चिन्हों की व्यवस्था की, बैलट बॉक्स गांव-गांव तक पहुंचाए गए और महीनों तक चलने वाली इस प्रक्रिया में जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मतदान प्रतिशत लगभग 45.7 रहा, जो उस समय की परिस्थितियों को देखते हुए उल्लेखनीय था। यह चुनाव केवल सत्ता चयन नहीं था, बल्कि लोकतंत्र में जनता के विश्वास की परीक्षा थी। इसके बाद के दशकों में भारत का लोकतंत्र अनेक उतार-चढ़ावों से गुजरा। 21वीं सदी आने तक स्थिति में कुछ सुधार हुआ। 2014 के आम चुनावों में मतदान प्रतिशत 66.4 और 2019 में 67.4 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो अब तक का सर्वाधिक है। जबकि वर्ष 2024 के चुनावों में वोट प्रतिशत 66.10 प्रतिशत रहा। यह एक कटु सत्य है कि आज वही मताधिकार, जिसे प्राप्त करने के लिए विश्व और भारत में सदियों तक संघर्ष हुआ, उपेक्षा और उदासीनता का शिकार होता जा रहा है। चुनाव आते हैं, सरकारें बनती हैं, लेकिन मतदाता का एक बड़ा वर्ग मतदान केंद्र से दूरी बनाए रखता है। 'सब नेता एक जैसे हैं', 'मेरे एक वोट से क्या फर्क पड़ेगा' या 'राजनीति गंदी है' जैसे तर्क अक्सर सुनने को मिलते हैं। यह सोच लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। लोकतंत्र में विकल्पों की पूर्णता नहीं, बल्कि बेहतर विकल्प का चयन महत्वपूर्ण होता है। मतदान न करना व्यवस्था से मोहभंग नहीं, बल्कि उसे और कमजोर करना है। जब कोई नागरिक मतदान नहीं करता, तो वह स्वयं को निर्णय प्रक्रिया से बाहर कर लेता है। वह अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार छोड़ देता है और परोक्ष रूप से गलत नेतृत्व को स्वीकार करता है। लोकतंत्र में भ्रष्टाचार, कुशासन और अयोग्य नेतृत्व की शिकायत करना आसान है, किंतु यह आत्ममंथन भी आवश्यक है कि क्या हमने अपनी भूमिका निभाई है? यदि कोई नागरिक मतदान के दिन घर पर बैठा रहता है और बाद में सरकार की नीतियों पर प्रश्न उठाता है, तो उसकी नैतिक स्थिति कमजोर हो जाती है। यह कथन कठोर लग सकता है, परंतु इसमें गहरा सत्य निहित है कि जो व्यक्ति वोट का प्रयोग नहीं करता, उसे लोकतंत्र में रहते हुए भ्रष्टाचारी नेताओं के खिलाफ बोलने का नैतिक अधिकार खोखला पड़ जाता है। हालांकि मताधिकार के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान तथा नुक्कड़ नाटक चलाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त 25 जनवरी, 2011 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय युवाओं के मताधिकार के प्रति कम होते रुझान को देखकर लिया गया। बावजूद इसके यह विडंबना ही है कि सोशल मीडिया पर राजनीतिक बहस, सरकार की आलोचना और वैचारिक संघर्ष तो दिखाई देता है, किंतु मतदान केंद्र तक पहुंचने में वही वर्ग पीछे रह जाता है। लोकतंत्र केवल ऑनलाइन विमर्श से मजबूत नहीं होता, बल्कि मतपेटी तक पहुंचने से सशक्त होता है। युवा वर्ग से विशेष अपेक्षाएं हैं। भारत एक युवा देश है, जहां बड़ी आबादी पहली बार मतदान करने वाली है। यदि यह वर्ग उदासीन रहेगा, तो लोकतंत्र का भविष्य कमजोर होगा। युवाओं को यह समझना होगा कि मतदान केवल वर्तमान सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का औजार है। एक वोट अकेला नहीं होता, वह लाखों विचारों के साथ मिलकर परिवर्तन की शक्ति बनता है। इसी बात को आत्मसात करने की जरूरत है, तभी लोकतंत्र सही मायनों में समृद्ध होगा।

जीवन दर्शन

जागने की घड़ी आ गई, कब जागोगे तुम?

यह जीवन वसंत ऋतु है और तुम सोए-सोए बिताए दे रहे हो! वसंत आ गया, फूल खिल गए हैं, पक्षी गीत गा रहे हैं, मोर नाच रहे हैं, सारा जगत उल्लास से भरा है और तुम सोए-सोए बिता दोगे? तुम मूर्च्छित ही बने रहोगे। तुम कैसे पागल हो! जागने की घड़ी आ गई, वसंत द्वार थपथपा रहा है। सब तरफ राग-रंग है। सब तरफ प्रभु की वर्षा है। सूरज निकल आया, किरणों का जाल फैल गया। तुम कैसे पागल हो कि अभी भी सोए हो! फिर कब जागोगे तुम?

क्या सोवै तू बावरी, चाला जात वसंत।/ चाला जात वसंत, कंत ना घर में आए। प्यारे को तूने खोजा ही नहीं। प्यारे को घर भी नहीं बुलाया। प्यारे को पाती भी न लिखी, निमंत्रण भी नहीं भेजा और वसंत के जाने के क्षण करीब आने लगे। यह जीवन अभी है, अभी खो जाएगा। यह सदा नहीं रहेगा। जीवन आता है, चला जाता है। यह क्षणभंगुर है। इसे प्रभु की पुकार बना लो। अगर यह प्रभु की पुकार बन जाए और प्रभु की तरफ यात्रा शुरू हो जाए, तो तुम ऐसे वसंत में पहुंच जाओगे, जो आता है, फिर जाता नहीं। वहां सनातन के फूल खिलते हैं। एस धम्मो सनंतनो! जिसको बुद्ध कहते हैं, शाश्वत, सनातन, जो कभी नहीं मुरझाता।

इस निश्चित समय के जगत में, समय की व्यवस्था में, जो भी पैदा होता है, मर जाता है। वसंत आया भी नहीं कि उसके जाने की तैयारी शुरू हो जाती है। सुबह हुई और सांझ होने लगी। जन्म हुआ और मृत्यु होने लगी। मिले नहीं कि बिछुड़ने की घड़ी आने लगी। इस वसंत के द्वार जरा-सी देर के लिए खुलते हैं, लेकिन इस द्वार का जो सदुपयोग कर ले, वह परम वसंत को उपलब्ध हो जाए।

यहां भी तुम खोज तो उसी को रहे हो। कभी सोचा है, किसे खोजते हो? यह किसकी खोज चल रही है- पति में, पत्नी में, बेटे में, बेटी में, मित्रों-परिजनों में, किसकी खोज चल रही है? तुमने यह भी नहीं सोचा, कभी इसकी जांच-परख भी नहीं की कि हर बार खोज व्यर्थ हो जाती है। हर बार विषाद हाथ लगता है, विफलता लगती है। तुम जिसे खोज रहे हो, वह इतना बड़ा है कि कोई उसे तुम्हें न दे पाएगा और तब तुम अंततः नाराज होओगे। घड़े में सागर खोजने चले थे, तो इसमें घड़े का क्या कुसूर? वसंत बीत रहा और तुम समझ ही नहीं रहे, तुम्हारी आकांक्षा परमात्मा को खोजने की है।

ओशो

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

ये यथा मां प्रपद्यन्ते तांस्तथैव भजाम्यहम।
मम वर्त्मानुवर्तन्ते मनुष्याः पार्थ सर्वशः।।

भावार्थ

हे अर्जुन ! जो भक्त मुझे जिस प्रकार भजते हैं, मैं भी उनको उसी प्रकार भजता हूँ, क्योंकि सभी मनुष्य सब प्रकार से मेरे ही मार्ग का अनुसरण करते हैं।

‘एक भारत-श्रेष्ठ भारत’ रैंप वॉक रहा आकर्षण का केंद्र

मैनिट में संस्कृति ने पहना फैशन का रंग

जागरण, भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में चल रहे मैफिक एक्स टेक्नो सर्च-2026 के तहत शुक्रवार को कैंपस पूरी तरह उत्सव के रंग में डूबा नजर आया। एनआरसी, स्टूडेंट्स एक्टिविटी सेंटर और विभिन्न विभागों में दिनभर तकनीकी, सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियां चलती रहीं, लेकिन शाम को आर्यवर्त सोसायटी द्वारा आयोजित ‘एक भारत-श्रेष्ठ भारत’ थीम आधारित फैशन शो ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। दिन भर चली प्रतियोगिताओं में एकोज के तहत सोलो डांस और सोलो सिंगिंग का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने तकनीकी कौशल के साथ अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसके अलावा बीट-बॉक्सिंग और इंटर डिपार्टमेंटल डांस कॉम्पिटिशन मुख्य आकर्षण रहे। कैंपस का माहौल किसी पारंपरिक इंजीनियरिंग कॉलेज के बजाय एक कला प्रधान संस्थान जैसा नजर आया, जहां छात्र अपनी रुचि और हॉबी के अनुसार मंच पर अपनी प्रस्तुतियां दे रहे थे।

भारतीय संस्कृति और रामायण की झलक

शाम के समय एनआरसी के मुख्य मंच पर आर्यावर्त सोसायटी द्वारा एक विशेष रैंप वॉक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को भारतीय संस्कृति और परंपराओं पर केंद्रित किया गया था।

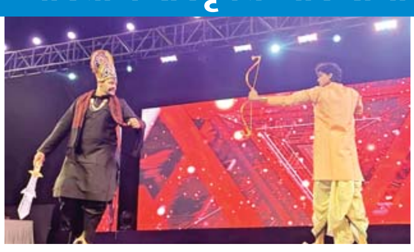

पारंपरिक राउंड- पहले दौर में छात्रों ने बंगाल, महाराष्ट्र और कश्मीर सहित छह अलग-अलग राच्यों की पारंपरिक वेशभूषा पहनकर देश की विविधता को प्रदर्शित किया।
इंडो-वेस्टर्न थीम- दूसरे दौर में भारतीय और पश्चिमी पहनावे का मिश्रण देखने को मिला।
रामायण राउंड- इस कार्यक्रम का सबसे विशेष आकर्षण रामायण पर आधारित राउंड रहा। इसमें छात्र राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान और रावण के किरदारों में नजर आए, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा।
पंचतत्व- अंतिम दौर पंचतत्व पर आधारित था, जिसमें धरती, जल, अग्नि, वायु और आकाश के महत्व को वेशभूषा और अभिनय के जरिए दिखाया गया।

डीजे नाइट में झूम उठे छात्र

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद रात का सत्र मनोरंजन के नाम रहा। डीजे नाइट के दौरान छात्रों ने इलेक्ट्रॉनिक बीट्स और तेज संगीत का आनंद लिया। इस मौके पर यूक्रेनियन सिंगर वियोला पेट्रेनको ने अपनी प्रस्तुति दी, जिसकी धुनों पर कैंपस के छात्र देर रात तक थिरकते रहे।

भारत में लोग हिंदी में करें हस्ताक्षर, पत्राचार व दैनिक कामकाज : कैलाश चंद्र पंत

जागरण संवाददाता, भोपाल। मेरा बहुत पहले से ही यह प्रयास रहा है कि भारतीय लोग अपने हस्ताक्षर हिंदी में करें। इसके अलावा शासकीय विभागों में पत्राचार व अन्य दैनिक कामकाज में भी हिंदी का ही उपयोग हो। यह कहना है भोपाल में हिंदी भवन और महू में स्वाध्याय विद्यापीठ की स्थापना करने वाले 89 वर्षीय पद्मश्री कैलाश चंद्र पंत का। रविवार को भारत सरकार द्वारा की गई 13 पद्मविभूषण और 113 पद्मश्री पुरस्कारों की श्रेणी में भोपाल के चूनाभट्टी निवासी वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार और सांस्कृतिक चिंतक कैलाश चंद्र पंत का नाम भी है। बता दें कि उन्हें साहित्य व शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हिंदी में योगदान के लिए पंत ने शासकीय नौकरी को छोड़कर स्वतंत्र पत्रकारिता चुनी। उन्होंने 22 सालों तक साप्ताहिक जनधर्म का प्रकाशन भी किया। पंत का जन्म 26 अप्रैल 1936 को महू में हुआ था। उनका परिवार उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के खंगोली गांव का है। पंत को पद्मश्री मिलने की घोषणा के बात राजधानी भोपाल सहित उत्तराखंड में भी हर्ष की लहर दौड़ गई।

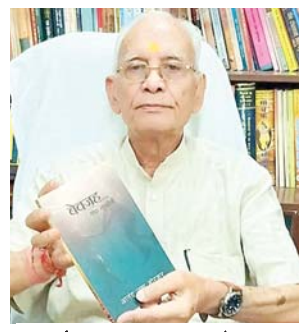

▸▸ **दैनिक जागरण से कहा भारतीय अंग्रेजी के गुलाम नहीं, इंग्लिश साक्षरता का मानक नहीं**

हिंदी को साहित्य और साहित्य को ज्ञान से जोड़ा

पंत ने बताया कि वर्तमान में उनके अंतर्गत राष्ट्रभाषा प्रचार प्रसार समिति हिंदी का प्रचार प्रसार करती है, लेकिन वर्तमान में वे हिंदी को साहित्य से जोड़ने का काम कर रहे हैं। साहित्य को ज्ञान के विविध क्षेत्रों में जोड़ा जा रहा है, ताकि हिंदी का प्रचार प्रसार व्यापक रूप से हो सके। युवाओं में हिंदी के प्रति कम होती जा रही जागरूकता को लेकर वे कहते हैं कि अंग्रेजी के प्रति मानसिकता को बदलने की जरूरत नहीं है। ऐसे युवा स्वयं को साक्षर दिखाने के लिए हिंदी का प्रयोग करते हैं। जबकि वे हिंदी भी विशुद्ध रूप से नहीं बोल पाते हैं। इस मानसिकता को बदलने की आवश्यकता है।

रामकृष्ण रंगोत्सव का आगाज आज से

जागरण, भोपाल। रामकृष्ण रिपरटायर कल्चरल एंड सोशल सोसायटी द्वारा राजधानी में दो दिवसीय रामकृष्ण रंगोत्सव का आयोजन 26 और 27 जनवरी 2026 को किया जा रहा है। यह सभी प्रस्तुतियां शाम 7:00 बजे से अभिनय मंच सभागार में दी जाएंगी। उत्सव के पहले दिन 27 जनवरी को निजाम पटेल के निर्देशन में नाटक दस्तान-ए-भोपाल और राजकुमार अहिरवार के निर्देशन में डेढ़ इंच ऊपर का मंचन होगा। वहीं, 28 जनवरी को शिव कुमार कटारिया द्वारा निर्देशित नाटक गुब्बारा और अदनान खान के निर्देशन में कॉफी हाउस में इंतजार की प्रस्तुति दी जाएगी। संस्था ने शहर के कला प्रेमियों को इस नाट्य उत्सव का आनंद लेने के लिए आमंत्रित किया है।

मूवी रिव्यू
बॉर्डर 2

कास्ट सनी देओल,वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ, सोनम बाजवा, मोना सिंह, परमवीर चीमा
डायरेक्टर अनुराग सिंह
श्रेणी हिंदी, वार, ड्रामा
क्रिटिक रेटिंग 3.0/5
अवधि- 3 घंटे 19 मि.

कहां देखें- थियटर्स

सैनिकों और उनके परिवार के मानवीय पहलुओं की पड़ताल

तुम जहां से भी घुसने की कोशिश करोगे,आसमान से, जमीन से, समंदर से, सामने एक हिंदुस्तान फौजी ख ?ा पाओगे। फिल्म में सनी देओल का गरजता-बरसता डायलॉग इसके मूड और मिजाज को दर्शाने के लिए काफी है। आज से तकरीबन 30 साल पहले आई जेपी दत्ता की बॉर्डरच की कहानी को आगे बढ़ाते हुए फिल्म बताती है कि इंडिया-पाकिस्तान की 1971 की जंग सिर्फ लोंगेवाला नहीं, बल्कि जल, थल और वायु, तीनों मोर्चों पर लड़ी गई थी। निर्देशक अनुराग सिंह की यह फिल्म सिर्फ एक वॉर ड्रामा और शूर-वीरता को ही नहीं दर्शाती, बल्कि यह सीमा पर लड़ने वाले सैनिकों और उनके परिवार के मानवीय पहलुओं की भी पड़ताल करती है।

एक्टिंग

फिल्म का भार काफी हद तक सनी देओल के कंधों पर है। सनी उसे अपने सिग्नेचर स्टाइल में बखूबी उठा ले जाते हैं। वे फिल्म का प्लस पॉइंट हैं। मेजर होशियार सिंह दहिया की भूमिका में वरुण धवन दिल जीत ले जाते हैं। दिलजीत दोसांझ मनोरंजक पलों को जुटाने के साथ-साथ हवाई युद्ध में याद रह जाते हैं। यहां अहान शेट्टी बॉर्डर में अपने पिता सुनील शेट्टी को इस भूमिका के जरिए प्यारा-सा ट्रिब्यूट देने में कामयाब रहे हैं। महिला किरदारों में मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह जैसी अभिनेत्रियों ने अपनी भूमिका के साथ पूरा-पूरा न्याय किया है।

कहानी

कहानी 1971 के इंडो-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर कई ट्रैक्स में आगे बढ़ती है। 1961 में नेशनल वॉर एकेडमी में मिले तीन जिगरी दोस्तों को 1971 की जंग में अपनी शौर्य-वीरता साबित करने का मौका मिलता है। फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों (दिलजीत दोसांझ) , मेजर होशियार सिंह दहिया (वरुण धवन), लेफ्टिनेंट कमांडर महेंद्र एस. रावत (अहान शेट्टी) और इन तीनों के प्रशिक्षक लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर (सनी देओल) जम्मू के मुनावर तवी क्षेत्र में मोर्चा संभालते हैं। इस बार चुनौतियां बड़ी हैं। भारतीय सेना का बड़ा हिस्सा पूर्वी पाकिस्तान में तैनात है, इसलिए पश्चिमी सीमा पर कम सैनिकों के साथ रक्षा करनी पड़ रही है। उधर पाकिस्तानी सेना राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की तैयारी में है।अब सवाल यह है कि देश के ये वीर सामने खड़े दुश्मन को कैसे मात देते हैं, कौन बलिदान देता है और कौन घर लौटता है? जवाब फिल्म देखकर ही मिलेगा।

मूवी रिव्यू

हिंदी सिनेमा की वॉर मूवीज में जेपी दत्ता की 1997 में रिलीज बॉर्डर का अहम स्थान है। ऐसे में इसके सीक्वल को लेकर उम्मीदें तो आसमान छू ही रही थीं, सीक्वल लेकर आने वाले निर्देशक अनुराग सिंह को कसौटी पर कसा जाना स्वाभाविक था। कहना पड़ेगा कि अनुराग ने युद्ध के तेवर के साथ-साथ भावनाओं का संसार भी बखूबी रचा है। निर्देशक बॉर्डर की साख को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। आज के दर्शकों के लिए निर्देशक ने स्केल तो बढ़ाया ही है, साथ ही साथ मनोरंजन का दामन भी पकड़े रखा है। फिल्म का फर्स्ट हाफ किरदारों की बैकस्टोरी को स्थापित करते हुए मनोरंजक अंदाज में आगे बढ़ता है। फिल्म का सेकंड हाफ युद्ध को आगे बढ़ाता है और एक ही साथ जल, थल और वायुसेना की लड़ाइयों से रोमांच के साथ आगे बढ़ाता है। हालांकि फिल्म में वॉर का पोर्शन काफी लंबा है लेकिन यह कसर फिल्म के दमदार स्क्रीनप्ले, कहानी की अवधि लंबी होने के बावजूद मैनेज हो जाती है। फिल्म के 3 घंटे 19 मिनट के रनटाइम में कुछ सीक्वेंसेज खिंचे हुए लगते हैं।

क्यों देखें

बॉर्डर की पुरानी यादों को फिर से जीना चाहते हैं, वॉर फिल्मों के शौकीन हैं, तो गणतंत्र दिवस के मौके पर यह फिल्म देख सकते हैं।

आजादी के गुमनाम शहीदों को लेखक संघ का नमन

जागरण, भोपाल। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मध्यप्रदेश लेखक संघ द्वारा दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में प्रादेशिक राष्ट्र भक्ति एवं वीर रस गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि चौ. मदन मोहन समर ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी की लड़ाई में हजारों ऐसे शहीद हुए जिनका इतिहास में उल्लेख तक नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष राजेंद्र गट्टानी ने की। गोष्ठी में प्रदेशभर से आए ओज और वीर रस के कवियों ने अपनी रचनाओं से देशभक्ति का जच्बा जगाया। चंदेरी से आए परम लाल परम ने भाईचारे पर, दतिया के मनीराम शर्मा ने चंद्रशेखर आजाद के बलिदान पर और गुना के सुनील शर्मा चीनी ने भारत की महानता पर कविताएं पढ़ीं। स्थानीय कवयित्री रश्मि मिश्रा की पंक्तियों लहू से सींच कर वीरों चमन तुमने खिलाया है को खूब सराहना मिली। कर्नल डॉ. गिरिजेश सक्सेना और डॉ. प्रार्थना पंडित के गीतों ने भी श्रोताओं को प्रभावित किया। कार्यक्रम में डॉ. रामवल्लभ आचार्य, जीवन एस. रजक और मनीष बादल सहित कई साहित्यकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। अंत में संस्था के उपाध्यक्ष ऋषि श्रृंगारी ने आभार व्यक्त किया।

कष्ट में अब कोई भी बंदा न रहे...

▸▸ **दिग्गज कवियों की कविताओं से गूंजा रवींद्र भवन**

जागरण, भोपाल। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित रचनाकारों ने अपनी कलम के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, हास्य और मानवीय संवेदनाओं के अद्भुत रंग बिखेरे। समारोह की शुरुआत डॉ. सीता सागर की सरस्वती वंदना और उनकी मार्मिक पंक्तियों से हुई, जिसमें उन्होंने वीर सपूतों के गौरव को रेखांकित करते हुए कहा बाप इसका हूं अब मेरी पहचान है। सतना के शैलेंद्र सिंह ने देश के प्रति समर्पण भाव जगाते हुए पढ़ा, कष्ट में अब कोई भी बंदा न रहे... हम रहें न रहें, देश जिंदा रहे। इसके बाद मेरठ की हिमांशी बावरा ने रिश्तों की जटिलता को व्यक्त करते हुए अपनी पंक्तियां साझा कीं। कोटा के कैलाश मंडेला ने किसान और जवान के पसीने को हिंदुस्तान की असली प्रेरणा बताया, जबकि नागपुर की श्रद्धा शौर्य ने अपनी ओजस्वी वाणी में शील और मर्यादा पर तीखा प्रहार करते हुए पढ़ा तुमने सारी शर्म बेच दी, रील बनाने की खातिर। हास्य सम्राट पद्मश्री अशोक चक्रधर ने अपनी चर्चित कविता सिक्के की औकात के माध्यम से समाज की विडंबनाओं पर व्यंग्य किया।

मिलन संस्था ने मनाया मां नर्मदा का प्राकट्य उत्सव

जागरण, भोपाल। नर्मदा जयंती के अवसर पर मिलन नार्मदीय ब्राह्मण सामाजिक संस्था द्वारा मां नर्मदा का प्राकट्य उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। संस्था के महिला एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के तत्वाधान में शहर में एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें पुरुष सदस्य नदियों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के संदेश वाली तख्तियां लेकर शामिल हुए। कलश यात्रा का समापन पुरुषार्थ भवन में हुआ, जहां दीप प्रच्वलन के बाद सामूहिक नर्मदाष्टक का पाठ किया गया। कार्यक्रम में आरती जोशी की स्वरचित कविता और प्रकाश चंद्र साकल्ले सहित अन्य सदस्यों के भजनों की प्रस्तुतियों को खूब सराहा गया।

वंदना द्विवेदी बनी विंध्य एकता परिषद् की प्रदेश अध्यक्ष

जागरण, भोपाल। विंध्य एकता परिषद् मध्यप्रदेश की नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी की पहली बैठक और पदभार ग्रहण समारोह भोपाल में संपन्न हुआ। बैठक में सर्वसम्मति से वंदना द्विवेदी को पुनः प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम के पूजन और गउनी रामायण की भक्तिमय प्रस्तुति के साथ हुई। अध्यक्ष वंदना द्विवेदी के साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन प्रसाद मिश्रा, उपाध्यक्ष सुनील पांडेय, महासचिव रामकिशोर त्रिपाठी और कोषाध्यक्ष डॉ. दीपक द्विवेदी सहित अन्य पदाधिकारियों ने पद तथा गोपनीयता की शपथ लेकर कार्यभार संभाला।

मिस्टर बी.एस.एस.एस बने अंशुमन चौहान

जागरण, भोपाल। राजधानी के बी.एस.एस.एस कॉलेज में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान अंशुमन चौहान ने मिस्टर बी.एस.एस. का खिताब अपने नाम किया। अंशुमन की इस जीत में उनके व्यक्तित्व के साथ-साथ सिन्मा आर्ट एंड फैशन ज्वेलरी के विशेष मेन्स कलेक्शन का भी अहम योगदान रहा। अंशुमन ने प्रतियोगिता के दौरान सिन्मा ज्वेलरी के पुरुषों के लिए तैयार किए गए आभूषण पहने थे, जो दर्शकों और जजों के बीच आकर्षण का केंद्र बने। सिन्मा ज्वेलरी, जो अब तक महिलाओं के फैशन में अग्रणी थी, अब अपने मेन्स कलेक्शन के लिए भी काफी लोकप्रिय हो रही है। इस उपलब्धि पर सिन्मा ज्वेलरी की टीम ने खुशी जाहिर की है। कॉलेज के छात्रों और आयोजकों ने अंशुमन की जीत और सिन्मा के स्टाइलिश डिजाइन्स की जमकर सराहना की।

संस्कृति, कला, विचार और तकनीक की झलक

9 दिवसीय महाभारत समागम संपन्न

जागरण, भोपाल। भारत भवन के बहिरंग मंच पर जैसे ही युद्धभूमि का भव्य दृश्य साकार हुआ, प्रकाश, नृत्य, संगीत और आधुनिक तकनीक के समन्वय ने दर्शकों को सीधे कुरुक्षेत्र के महासमर में पहुँचा दिया। नृत्य-नाटिका ‘अठारह दिन’ की ऊर्जावान और प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उड़ान तकनीक, दृश्य प्रभावों और कलाकारों की जीवंत अभिव्यक्ति के बीच पूरा परिसर देर तक तालियों की गूंज से भर उठा। इसी के साथ महाभारत समागम का भव्य समापन समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत बहिरंग मंच पर ‘अठारह दिन’, पूर्व रंग मंच पर मयूरभंज छाऊ शैली में ‘अभिमन्यु वध’ और अंतरंग सभागार में जापान के निर्देशक हिरोशी कोइके द्वारा निर्देशित महाभारत एवं चित्रांगदा का मंचन हुआ। भरतनाट्यम, कथक, समकालीन नृत्य और मार्शल आर्ट के समन्वय ने प्रस्तुतियों को विशिष्ट बनाया। एरियल तकनीक और एवी एनीमेशन ने मंच को आधुनिक दृश्यात्मक आयाम दिया। कठपुतली महोत्सव में अष्टावक्र और वत्सला हरण की कथाओं का मंचन कलाकार अनुपमा होस्केरे और गणपत सखाराम मसागे ने किया, जिसने दर्शकों को लोक परंपरा से जोड़ा। समापन अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य राच्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि महाभारत केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा है, जो

जीवन, धर्म, नीति और मानव मूल्यों की दिशा तय करता है। उन्होंने प्रदेश की सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के सतत आयोजन की आवश्यकता पर भी बल दिया। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सांस्कृतिक चेतना को नई गति मिलने की बात कही। वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने कहा कि महाभारत समागम का उद्देश्य परंपरा को समकालीन दृष्टि से प्रस्तुत करना रहा। नाटक, नृत्य, संगीत और विमर्श के माध्यम से धर्म, कर्म, सत्ता और करुणा जैसे शाश्वत प्रश्नों को नए संदर्भों में सामने रखा गया। उन्होंने सभी कलाकारों और सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

41वें लोकरंग का शुभारंभ आज

जागरण, भोपाल। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा 41वें लोकरंग उत्सव का आयोजन 26 से 30 जनवरी तक रवींद्र भवन और एम.वी.एम परिसर में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन राच्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। इस वर्ष यह महोत्सव किसान कल्याण और स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। समारोह के पहले दिन निमाड़ी संत सिंगाजी के जीवन पर आधारित नृत्य-नाट्य की प्रस्तुति होगी और घुमंतू समुदायों की टॉकिंग डिक्शनरी का विमोचन किया जाएगा। इस पांच दिवसीय आयोजन में मध्यप्रदेश सहित देश के 13 राच्यों के जनजातीय लोक नृत्यों का प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही पहली बार बर्तनों पर केंद्रित बासन प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। महोत्सव के दौरान दोपहर 2 बजे से शिल्प मेला, व्यंजन मेला और बच्चों के लिए कठपुतली व मलखंभ जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी। शाम के समय देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोक गायन और सूफी संगीत के कार्यक्रम होंगे।

HEG
HAPPY 77 REPUBLIC DAY OF INDIA
BHILWARA GROUP
PROUD TO BE INDIAN PRIVILEGED TO BE GLOBAL

(An English Medium School)
THE CHILD CARE ACADEMY HIGH SCHOOL
8871708963 , 8319525032 , 9755813609
Add :- Ward No 01 Near of Renu College Phase 1 Mahaveer Nagar Mandideep
DISE CODE - 23340424936
THE NEW CHILD CARE ACADEMY OBEDULLAGANJ
(Excellence of School)
Add :- W no. 10 Arjun Nagar Obedullaganj Dist. Raisen (M.P.) 464993
कक्षा : नर्सरी से दसवीं तक
प्रवेश प्रारंभ 2026-27
परिश्रम विश्वास और सफलता
सभी नगर देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
हार्दिक शुभकामनाएं

Free Registration Now!
"अच्छा रिश्ता आपकी प्रतीक्षा में है"
AchhaRishta.com
100% Verified Profile
Only Ptofile With Photo
100% Free To Start
For The Perfect Partner and Right Family
Achha Rishta
www.achharishta.com
HAPPY 26 गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रबर की मोहरों के निर्माता
एवं ऑफसेट प्रिंटर्स
26 January गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
JAINSHRI ENTERPRISES
+91-9039-95-5300
Infront Of Galla Mandi, Narmadapuram Road, Mandideep

AROGYA HOSPITAL
आरोग्य हॉस्पिटल
उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं के साथ
नि:शुल्क इलाज
• कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं (ESI)
• आयुष्मान योजना
• हेल्थ इंस्युरेन्स
• मेडिक्लेम
विशेषज्ञ
• आकस्मिक एवं गंभीर चिकित्सा विशेषज्ञ
• रेडियोलॉजी विशेषज्ञ
• अस्थि एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
• महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
• बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ
• जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ
• मूत्र रोग (यूरोलॉजी) विशेषज्ञ
• नाक कान गला रोग (ई.एन.टी) विशेषज्ञ
• जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
पता : सारंगो टॉवर, बजरंग चेयर हाउस के पीछे, दीप नगर वार्ड नं. 01, मण्डीदीप
संपर्क - 9111000282
07480-490978

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती दुर्गेश-राकेश लोवंशी
पार्षद वार्ड नं.17
नगर पालिका परिषद, मण्डीदीप (रायसेन)

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विश्वभारती
बुक्स एवं यूनिफार्म
शनिवार बाजार एवं सेठ फूलचंद नगर, मण्डीदीप
महेश धर्मवाणी, संचालक

HAPPY 26 गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
न्यू सिंगाजी रोड लाईन्स
इन्द्रा नगर, मण्डीदीप (रायसेन)

कैलाश गुप्ता
जिला-अध्यक्ष
ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन

THE KIDS PLANET
MIDDLE SCHOOL
Where learning makes a difference
ADMISSIONS OPEN FOR 2026-27
FOR CLASSES NURSERY-VIII
MODERN FACILITY
WELL-EQUIPPED CLASSROOMS
LIBRARY & PLAY AREA
ENROLL NOW for Session 2026-2027
CO-CURRICULAR ACTIVITIES
Sports & Games
Art & Craft
Educational Trips
WHY CHOOSE US?
• Individual Attention to Every Student
• Experienced & Qualified Teacher
• Safe & Supportive Environment
• Focus on Academic Excellence
Visit: Shiv Prem Vatika, Ward No.24, Mandideep, Dsit. Raisen (MP) Call: +91 6260232024

26 January गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती शिवकली-सुरेश भुम्मरकर, पार्षद वार्ड नं.18
नगर पालिका परिषद, मण्डीदीप (रायसेन)

HAPPY 26 गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
एम.एस.ट्रांसपोर्ट
मण्डीदीप (रायसेन)

सलमान अली
जिला-महामंत्री
भारतीय जनता पार्टी, अल्प संख्यक मोर्चा

HAPPY 26 गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रीना-शेरसिंह चौहान
पार्षद वार्ड नं.14
नगर पालिका परिषद, मण्डीदीप (रायसेन)

भोजेश्वर मीडिया संघ
मण्डीदीप (रायसेन)
आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

GTV
HAPPY 26 गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Happy Republic Day
GTV Engineering.Ltd.
New Industrial Area-II, Mandideep
Shri Mahesh Agrawal Managing Director

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अजीत सिंह चौहान
(छुट्टी भैया)
अध्यक्ष-श्री हिन्दू उत्सव समिति
मण्डीदीप,जिला-रायसेन
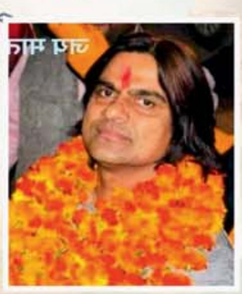

सेंट पीटर्स हायर सेकण्डरी स्कूल

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सतलापुर, मण्डीदीप (रायसेन)
कैलाश कड़वे, संचालक

तक्षशिला विद्या भवन हा.से.स्कूल
मंगल बाजार, मण्डीदीप (रायसेन)

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शरद भार्गव, संचालक

संकलनः प्रीतम सिंह राजपूत
विज्ञापन एवं खबरों के लिये सम्पर्क करें
मो. 8085240853

महिला समाज ने भेंट किया था राष्ट्र को पहला तिरंगा

श्रीमती हंसा मेहता

भारत का राष्ट्रीय ध्वज एक लंबी सुविचारित प्रक्रिया के बाद हमारे सामने आया। खादी चक्र युक्त तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में संविधान सभा ने स्वीकार कर लिया। भारत की संविधान सभा ने 22 जुलाई 1947 को औपचारिक रूप से तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया था। 23 जुलाई को इसे पहली बार औपचारिक रूप से फहराया गया। इसके पश्चात 15 अगस्त 1947 यानी आजादी के दिन की तैयारी के लिए संविधान सभा कार्यालय ने किसी कपड़ा मिल को 3,000 झंडे बनाने का आदेश दे दिया। जब इस बात का पता डा. राजेन्द्र प्रसाद को चला तो उन्होंने तत्काल उस आदेश को रद्द करवाया और 27 जुलाई 1947 को पंडित जवाहर लाल नेहरु को पत्र लिखा कि हमें केवल हथकरघे से बने हुए झंडों का ही उपयोग करना चाहिए. चूंकि हमारे संविधान सभा के प्रस्ताव में यह उल्लेख नहीं था कि राष्ट्रीय ध्वज हथकरघे और खादी के होने चाहिए, इसलिए आवश्यक है कि इससे सम्बंधित निर्देश सभी शासकीय कार्यालयों को भेजे जाएं। अगर कोई अन्य कपड़ा इस्तेमाल किया गया तो इससे बापू की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। 27 जुलाई 1947 को ही नेहरु जी ने इसका सहमति के साथ जवाब दिया और सभी कार्यालयों को खादी के कपड़े के ध्वज फहराने के निर्देश दिए गये।

महिलाओं ने भेंट किया तिरंगा

14 अगस्त 1947 को संविधान सभा की सदस्य श्रीमती हंसा मेहता ने राष्ट्र को भारतीय महिलाओं की तरफ से तिरंगा भेंट किया था। तय कार्यक्रम ने अनुसार श्रीमती सरोजिनी नायडू को यह भूमिका निभाना था। श्रीमती हंसा मेहता ने 74 महिलाओं के नाम पढ़े थे, जिनमें अमृत कौर, हन्नाह सेन। लक्ष्मी बाई राजवाड़ी, गोशी बेन कैप्टन, अवंतिका बाई गोखले, मुथु लक्ष्मी रेड्डी, जानकी बाई बजाज, रायवन तैय्यबजी, अबला बोस, असवाह हुसैन, कुदसिया ऐजाज रसूल, मारग्रेट कजिन्स, मेमोबाई, मृदुला साराभाई शामिल थीं। श्रीमती हंसा मेहता के पास अलग-अलग समुदायों की सौ महिलाओं की सूची थी, जो इस अवसर पर मौजूद रहना चाहती थी। यह एक भावनात्मक पल था। श्रीमती हंसा मेहता ने कहा था कि इस परिस्थिति में यह उपयुक्त ही है कि पहली राष्ट्रीय पताका जो इस महिमा मंडित भवन पर सुशोभित हो, उसे भारतीय महिला समाज एक उपहार की तरह उपस्थित करे। यह पताका हमारे महान भारत का प्रतीक हो। यह सदा फहराती रहे और विश्व भर पर आज जो संकट की कालिमा छाई है, उसमें उसे यह प्रकाश दे। इसकी छत्र-छाया में रहने वाले प्राणियों को यह सुख और शान्ति दे।

जिस तिरंगे पर है फख्र, उसे एक मुस्लिम महिला ने किया था डिजाइन

भारत के राष्ट्रीय ध्वज में चरखे की जगह अशोक चक्र का सुझाव देने और तिरंगे की डिजाइन को अंतिम रूप देने का श्रेय सुरैया बदरुद्दीन तैयबजी को जाता है। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतीक का डिजाइन भी तैयार किया, लेकिन उनका नाम इतिहास की किताबों में गुम हो गया।

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे खास मौकों पर जब भी हम गर्व से तिरंगा फहराते हैं या किसी सरकारी इमारत पर शेरों वाला राष्ट्रीय प्रतीक देखते हैं, तो हमारे मन में जो नाम आता है वो है- पिंगली वेंकय्या। लेकिन बहुत सारे लोगों को यह नहीं पता है कि देश की आन, बान, शान तिरंगे को अंतिम रूप देने में एक और नाम था, जिसे इतिहास के पन्नों में दफन कर दिया गया। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को आज का जो वर्तमान रूप है, उसे देने में पिंगली वेंकय्या का खास योगदान रहा है। पिंगली वेंकैया को हमारे भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की डिजाइन का श्रेय दिया जाता है, जिसे 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने मंजूरी दी थी। साल 1921 में उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सामने इस झंडे को पेश किया था।

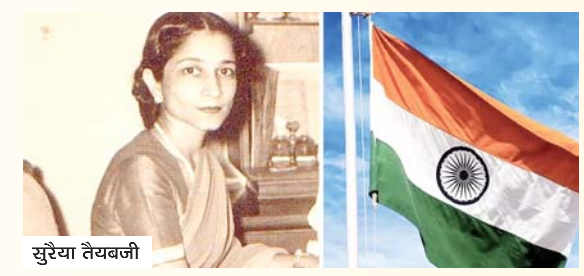

सुरैया तैयबजी

चरखे की जगह अशोक चक्र का दिया सुझाव : हालांकि, वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज का डिजाइन सुरैया तैयबजी ने तैयार किया था। तिरंगे में चरखे की जगह अशोक चक्र को शामिल किया गया था। लेकिन अफसोस की बात यह है कि उनका नाम इतिहास की किताबों में कहीं गुम सा हो गया। साल 1947 में जब भारत को आजादी मिलने वाली थी, उस समय चरखे वाला तिरंगा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का झंडा था, लेकिन एक स्वतंत्र राष्ट्र के लिए एक ऐसे राष्ट्रीय ध्वज की जरुरत थी जो पूरे देश का प्रतिनिधित्व करे। तब सुरैया तैयबजी ने चरखे की जगह अशोक चक्र को शामिल करने का सुझाव दिया। उनके इस प्रस्ताव को महात्मा गांधी और झंडा समिति ने मंजूरी दे दी, जिसे आज भी तिरंगे में देखा जा सकता है।

पूर्व पीएम ने सौंपी थी अहम जिम्मेदारी : हैदराबाद में 1919 में जन्मी सुरैया तैयबजी एक जानी-मानी कलाकार थीं। उनके पति बदरुद्दीन तैयबजी भारतीय सिविल सेवा के अफसर थे और बाद में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कुलपति बने। संविधान सभा के तहत बनी अलग-अलग समितियों में सुरैया भी सदस्य थीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने सुरैया बदरुद्दीन तैयबजी को राष्ट्रीय प्रतीक का डिजाइन तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी। सैकड़ों डिजाइनों में से सिंहों और अशोक चक्र वाला प्रतीक चुना गया, जो आज हर सरकारी दस्तावेज पर नजर आता है। सुरैया तैयबजी ने न सिर्फ सही कपड़ा और रंग चुना, बल्कि तिरंगे की पहली सिलाई की निगरानी भी खुद की।

इतिहास से सुरैया तैयबजी गुमनाम : सुरैया तैयबजी का योगदान भारतीय इतिहास में बेहद अहम था। उन्होंने न सिर्फ राष्ट्रीय ध्वज में बदलाव किया, बल्कि एक स्वतंत्र, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक भारत की भावना को उस ध्वज और प्रतीक के माध्यम से जीवंत कर दिया। इसके बावजूद आज भी उनका नाम शायद ही किसी स्कूल की किताब में पढ़ाया जाता है या किसी स्मारक पर दर्ज है।

हमारा संविधान यानी अनुशासित मर्यादित और शोभनीय आचरण

भारत का संविधान दूसरा का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। संविधान यानी अनुशासित, मर्यादित और शोभनीय आचरण। इसको कई देशों के संविधानों के अध्ययन के बाद बनाया गया था। दुनिया के दूसरे देशों से ये है अपनाया भारतीय संविधान अपने आप में अनूठा है। संविधान में ऐसी कई बातें हैं, जो आपको रोमांचित भी करेगी तो गर्व से भी भर देंगी।

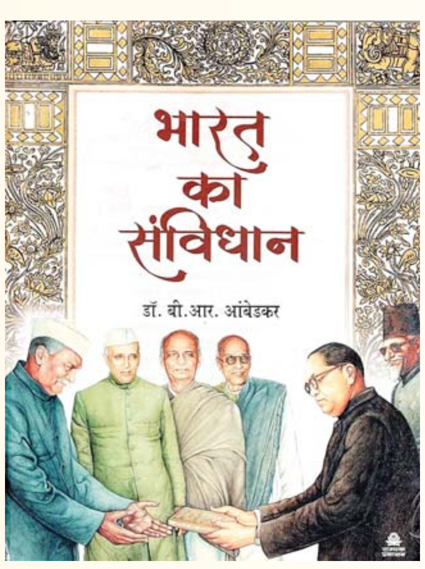

हमारा संविधान कोई अनोखी बात नहीं करता। जीवन के तमाम पड़ावों से गुजरते हुए हम तमाम संविधानों की परीक्षा देते हैं। संविधान में उल्लिखित कर्तव्यों का जैसे कोई नागरिक अनुपालन करता है, तो ऐसा करके वह दूसरे नागरिक के मौलिक अधिकारों को मुहैया कराता है। लेकिन हमारे मन-क्रम और वचन में किसी गलत- सही काम करने से पहले देश के संविधान का अक्स कतई नहीं कौंधता। अगर ऐसा हो तो एक के कर्तव्य पालन से दूसरे के मौलिक अधिकार सुनिश्चित होते रहें। जरूरी है कि हम भारत के लोग संविधान को साक्षी मानकर अपने आचारविचार और व्यवहार में मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन का भी संकल्प लें और राष्ट्र के लोकतांत्रिक मूल्यों को अक्षुण्ण रखने वाले सजग प्रहरी बनें।

संविधान से जुड़ी खास बातें

संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को प्रारंभ हुई। उसी दिन सच्चिदानंद सिन्हा को अस्थायी अध्यक्ष निर्वाचित किया गया लेकिन 11 दिसंबर 1946 को डॉ राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया।

कामकाज शुरू

13 दिसंबर 1946 को जवाहर लाल नेहरू द्वारा उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तुत करने के साथ सभा की कार्यवाही शुरू हुई। आठ दिन तक उन प्रस्तावों पर बहस होने के बाद सर्वसम्मति से उनको 22 दिसंबर 1946 को पारित कर दिया गया। उसके बाद सभा ने संविधान निर्माण के लिए कई समितियों का गठन किया।

परामर्श समिति की रिपोर्ट

परामर्श समिति ने 17 मार्च, 1947 को केंद्रीय और प्रांतीय विधान मंडलों के सदस्यों को प्रस्तावित संविधान की मुख्य विशेषताओं के संबंध में उनके विचारों को जानने के लिए एक प्रश्नावली भेजी गई। उसमें शामिल प्रश्नों के भेजे गए उत्तर के आधार पर परामर्श समिति ने एक रिपोर्ट तैयार की। जिसके आधार पर वीएन राव द्वारा संविधान का प्रारूप तैयार किया गया।

संविधान पारित

29 अगस्त 1947 को वी एन राव द्वारा तैयार किए गए संविधान के प्रारूप पर विचार विमर्श करने के लिए डॉ भीमराव आंबेडकर की अध्यक्षता में प्रारूप समिति का गठन किया गया। 21 फरवरी 1948 को समिति ने अपनी रिपोर्ट संविधान सभा में पेश की। पहले और दूसरे वाचन के बाद 7,635 संशोधन पेश किए गए, जिनमें से 2,437 को स्वीकार कर लिया गया। तीसरा वाचन 14-26 नवंबर 1949 को पूरा हुआ और संविधान सभा द्वारा संविधान को पारित कर दिया गया।

मौलिक अधिकार और कर्तव्य

भारतीय संविधान की प्रस्तावना 'भारत के लोग' से शुरु होती है। यह बताती है कि देश का संविधान देशवासियों के लिए है। लोगों को बेहतर जीवन देने के लिए संविधान ने हमें कुछ मौलिक अधिकार दिए हैं। हमें मूल रूप से छह मौलिक अधिकार दिए हैं। इनमें समानता, स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, सांस्कृतिक व शैक्षिक अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार और सवैधानिक उपचारों का अधिकार है। अधिकारों की मांग, कर्तव्यों से दूर मौलिक कर्तव्य संविधान के अनुच्छेद-51ए में वर्णित हैं। इन्हें 1976 में अपनाया गया। संविधान निर्माताओं ने देश के लोगों को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान सौंपने के लिए रात-दिन एक किया। इस क्रम में भारतीय संविधान को संपूर्ण बनाने के लिऐ दुनिया के दूसरे देशों के संविधानों से से बहुत कुछ लिया गया। फ्रांस से स्वतंत्रता, समानता स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे जैसे आदर्श फ्रांस के संविधान लिया है। हालांकिभारत यह शब्द अपनाने वाला अकेला देश नहीं है। कई अन्य देशों ने भी फ्रांस के संविधान के इन शब्दों को अपनाया है।

ब्रिटेन से संसदीय प्रणाली

ब्रिटेन से संसदीय सरकार, कानून, संसदीय प्रणाली, एकल नागरिकता, कैबिनेट व्यवस्था सहित कई बातों को शामिल किया गया।

आयरलैंड से राष्ट्रपति चुनाव

संविधान में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अप्रत्यक्ष मतदान का प्रावधान है। यह हमने आयरलैंड से लिया है। इसके साथ ही राज्य सभा में राष्ट्रपति द्वारा सदस्यों का मनोनयन भी आयरलैंड के संविधान से प्रभावित है। पहले शब्द अमेरिकी संविधान से भारतीय संविधान की प्रस्तावना 'हम भारत के लोग' से शुरु होती है। हमने इसे अमेरिकी संविधान से लिया है। मौलिक अधिकार, राष्ट्रपति पर महाभियोग जैसे कई प्रावधान अमेरिकी संविधान से लिए गए हैं।

रूस से मौलिक कर्तव्य

भारतीय संविधान में मौजूद मौलिक कर्तव्यों को रूस से लिया गया है। दक्षिण अफ्रीका से संविधान संशोधन और राज्य सभा सदस्यों के चुनाव की प्रणाली को लिया गया। आपातकाल के समय मौलिक अधिकारों को स्थगित करने की अवधारणा दो भाषाओं में संविधान की मूल कॉपियां भारतीय संविधान वास्तविक रूप हिंदी और अंग्रेजी में लिखा गया। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा के 284 सदस्यों ने संसद के सेंट्रल हॉल में दोनों प्रतियों पर हस्ताक्षर किए। इस हॉल को उस वक्त कांस्टीट्यूशन हॉल के नाम से जाना जाता था।

हस्तलिखित मूल प्रतियां

हिंदी और अंग्रेजी की दोनों मूल प्रतियां हस्तलिखित हैं। इस तरह से यह दुनिया का सबसे बड़ा हस्तलिखित संविधान भी है। प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने लिपिबद्ध किया संविधान संविधान को लिपिबद्ध करने का सौभाग्य मिला प्रेम बिहारी नारायण रायजादा को। उन्होंने होल्डर और निब की सहायता से इटैलिक स्टाइल में कैलिग्राफी के साथ संविधान को लिखा। यह देहरादून में छपा और सर्वे ऑफ इंडिया ने फोटोग्राफ किया। शांति निकेतन के कलाकारों ने सजाया संविधान की मूल प्रति को शांति निकेतन के कलाकारों ने आचार्य नंदलाल बोस के निर्देशन में सजाया था।

2000 संशोधन के बाद

संविधान के पहले ड्रॉफ्ट के तैयार होने के बाद इस पर बहस हुई और करीब 2000 संशोधन के बाद मूल संविधान सामने आया। संविधान की हिंदी और अंग्रेजी में लिखी मूल प्रतियां संसद के पुस्तकालय में रखा गया है। इन प्रतियों को हीलियम से भरे पात्रों में रखा गया है।

गणतंत्र दिवस: संवैधानिक मूल्यों से ग्राम-आधारित राष्ट्र निर्माण तक

जब राष्ट्र गणतंत्र दिवस मना रहा है, तब यह अवसर हमें केवल संविधान अंगीकार करने की स्मृति ही नहीं, बल्कि उसके आदर्शों- समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक आत्मनिर्भरता को धरातल पर उतारने की सामूहिक जिम्मेदारी का भी स्मरण कराता है। गणतंत्र दिवस अतीत का उत्सव नहीं, बल्कि भविष्य के प्रति संकल्प है। एक ऐसा भविष्य जो सशक्त, आत्मविश्वासी और उन गांवों पर आधारित हो जो भारत की वास्तविक शक्ति हैं। पिछले एक दशक में भारत ने शासन और विकास की दिशा में एक निर्णायक परिवर्तन देखा है। देश ने अधिकार-आधारित कल्याण से आगे बढ़कर सशक्तिकरण-आधारित राष्ट्र निर्माण का मार्ग अपनाया है। सबका साथ, सबका विकास की भावना ने यह सुनिश्चित किया है कि विकास कुछ क्षेत्रों तक सीमित न रहकर समाज और भूगोल के हर स्तर तक पहुंचे।

महिला-नेतृत्व विकास- नीति से व्यवहार तक

इस युग की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में महिला-नेतृत्व विकास का संस्थागत रूप लेना है। स्वयं सहायता समूहों से लेकर एमएसएमई और उद्यमिता तक, विशेषकर ग्रामीण भारत में महिलाएं आज आर्थिक निर्णयकर्ता बन रही हैं। ऋ ण सुविधा, कौशल विकास, डिजिटल समावेशन और उद्यम समर्थन से जुड़ी राष्ट्रीय नीतियों ने इस परिवर्तन के लिए मजबूत आधार तैयार किया है। इसी राष्ट्रीय दृष्टि के अनुरूप, ग्राम्या द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति' ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में महिला उद्यमियों और महिला-नेतृत्व एमएसएमई को सशक्त बनाने में योगदान दे रहा है। उद्यम सृजन, बाजार से जोड़ और वित्तीय साक्षरता पर केंद्रित यह कार्यक्रम दर्शाता है कि जब महिलाएं आत्मनिर्भर बनती हैं, तो परिवार सशक्त होते हैं, गांव समृद्ध होते हैं और अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।

कृषि, पोषण और ग्रामीण समृद्धि

कृषि आज भी ग्रामीण भारत की रीढ़ है। हालिया सुधारों ने आय-वृद्धि, सतत खेती और बाजार एकीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। इसके साथ ही कृषि और पोषण में महिलाओं की भूमिका को मान्यता देना एक आवश्यक कदम रहा है। किसान कल्याण और पोषण जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप, ग्राम्या का 'मिशन अन्नपूर्णा' महिलाओं को केंद्र में रखकर कृषि उन्नयन, पोषण-संवेदनशील खेती, मूल्य संवर्धन और कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देता है। यह प्रयास सुनिश्चित करता है कि कृषि प्रगति केवल उत्पादन तक सीमित न रहे, बल्कि स्वस्थ परिवार और सुदृढ़ ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार बने।

दुग्ध क्षेत्र और सहकारिता का नवजागरण : भारत का दुग्ध क्षेत्र जमीनी स्तर पर आर्थिक सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है। किसानों की आय, उत्पादकता और गुणवत्ता सुधार के लिए गांव स्तर पर संरचित सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में सहकारिता सुधार की सोच— पारदर्शिता, पेशेवर प्रबंधन और विस्तार—विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

सतत विकास और वेस्ट-टू-एनर्जी : पर्यावरण संरक्षण और सर्कुलर इकॉनमी के प्रति भारत की प्रतिबद्धता अब ग्रामीण भारत तक विस्तारित हो चुकी है। स्वच्छ भारत और नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप, ग्राम्या की 'वेस्ट-टू-एनर्जी' पहल कृषि अवशेष, दुग्ध अपशिष्ट और जैविक कचरे को ऊर्जा और आय के स्रोत में परिवर्तित करने में योगदान दे रही है। यह दर्शाता है कि सतत विकास कोई शहरी विलास नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनुशासन है—और इसमें गांवों की भूमिका केंद्रीय है।

गणतंत्र दिवस का संकल्प : गणतंत्र दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि संविधान संस्थानों में नहीं, सशक्त नागरिकों में जीवित रहता है। जब महिलाएं उद्यमी बनती हैं, किसान कृषि-नेता बनते हैं, सहकारिताएं आधुनिक होती हैं और गांव ऊर्जा व उद्यम के केंद्र बनते हैं—तब गणराज्य सशक्त होता है। विकसित भारत की ओर भारत की यात्रा निर्णायक केंद्रीय नेतृत्व और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ तालमेल में काम कर रहे मिशन-आधारित संस्थागत योगदान से आकार ले रही है। यही वह गणराज्य है जिसकी परिकल्पना हमारे संविधान ने की थी—सशक्त, समावेशी, आत्मविश्वासी और गांवों में निहित भारत।

— डॉ. पंकज शुक्ल

कई देशों में मनाया जाता है गणतंत्र दिवस, पर कारण अलग-अलग

भारत में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मनाया है, लेकिन दुनिया के कई देश ऐसे भी हैं जहां गणतंत्र दिवस तो मनाया जाता है, लेकिन इसकी तारीख और मनाने की वजह अलग-अलग हैं। जैसे-ईरान में 1 अप्रैल को इस्लामिक रिपब्लिक डे मनाते हैं, वहीं नेपाल में इसके लिए 28 मई की तारीख तय की गई है। जानिए, दुनिया के इन देशों में क्यों मनाते हैं गणतंत्र दिवस।

भारत में 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह हमारे संविधान के लागू होने का दिन और उस राजनीतिक विचार का उत्सव है, जिसमें देश का सर्वोच्च पद किसी वंश, राजा या बाहरी सत्ता के अधिकार से नहीं, बल्कि जनता की संप्रभुता और संविधान से तय होता है। यही गणतंत्र की मूल भावना है, जहां सत्ता का स्रोत लोग होते हैं, और शासन संविधान, कानून के दायरे में चलता है। दुनिया के कई देशों में रिपब्लिक डे यानी गणतंत्र दिवस मनाया जाता है, लेकिन हर देश में इसके पीछे कारण एक जैसे नहीं होते। यह कहीं यह राजशाही के समाप्त होने का प्रतीक है, कहीं उपनिवेशवाद के बाद नए संविधान का, कहीं क्रांति के बाद नए राष्ट्र की स्थापना का, तो कहीं सत्ता-व्यवस्था के बड़े बदलाव का, जैसे राजतंत्र से गणतंत्र या साम्राज्य से गणराज्य। कई देशों में इसे गणतंत्र दिवस की जगह संविधान दिवस या राष्ट्र दिवस जैसे नामों से भी मनाया जाता है क्योंकि उनके लिए गणतंत्र की उपलब्धि संविधान-निर्माण या शासन-परिवर्तन से जुड़ी होती है।

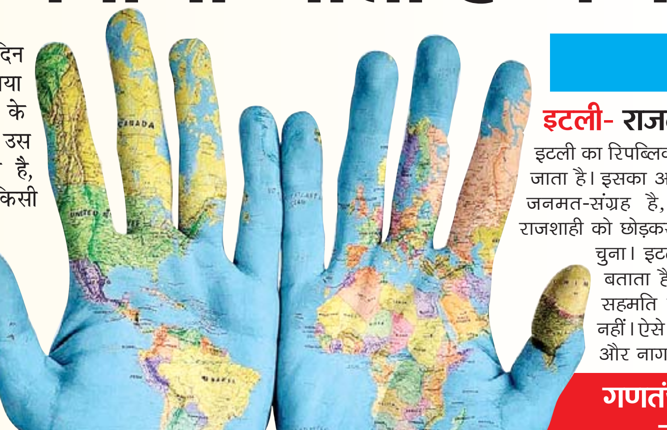

इन देशों में गणतंत्र दिवस क्यों मनाया जाता है?

इटली- राजतंत्र से जनमत द्वारा गणराज्य

इटली का रिपब्लिक डे 2 जून को मनाया जाता है। इसका आधार एक ऐतिहासिक जनमत-संग्रह है, जिसमें इटली ने राजशाही को छोड़कर गणराज्य का रास्ता चुना। इटली के लिए यह दिन बताता है कि आधुनिक राज्य की वैधता जनता की सहमति से आती है, किसी राजवंशीय अधिकार से नहीं। ऐसे देशों में गणतंत्र दिवस राजनीतिक परिपक्वता और नागरिक निर्णय का उत्सव बन जाता है।

तुर्की- साम्राज्य से आधुनिक गणराज्य

तुर्की का रिपब्लिक डे 29 अक्टूबर को मनाया जाता है, जो ऑटोमन साम्राज्य की जगह आधुनिक तुर्की गणराज्य के गठन का प्रतीक है। यहां गणतंत्र दिवस एक साम्राज्यवादी / राजवंशीय ढांचे से निकलकर आधुनिक राष्ट्र-राज्य बनने की कहानी कहता है, जहाँ प्रशासनिक, कानूनी और नागरिक संस्थाओं को नए सिरे से परिभाषित किया गया।

गणतंत्र दिवस का सार, नागरिक केंद्र में

गणतंत्र दिवस का वैश्विक अर्थ एक वाक्य में समझें तो यह है, शासन का मालिक कोई राजवंश, तानाशाह या बाहरी ताकत नहीं, बल्कि नागरिक और उनका संविधान एवं कानून है। गणतंत्र होना मतलब सवैधानिक अधिकार, संस्थाओं की जवाबदेही, कानून के सामने समानता। इसीलिए अलग-अलग देश अपने अनुसार गणतंत्र दिवस मनाते हैं, कहीं वह राजशाही के अंत का प्रतीक है, कहीं क्रांति का, कहीं संविधान-निर्माण का।

नेपाल- राजशाही के बाद जन-आधारित राज्य की घोषणा

नेपाल का गणतंत्र दिवस 28 मई को मनाया जाता है। यह दिन नेपाल में राजशाही के अंत और संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य की घोषणा से जुड़ा है। नेपाल के संदर्भ में गणतंत्र दिवस का अर्थ केवल शासन-शीर्ष का बदलना नहीं, बल्कि राज्य की प्रकृति का बदलना है, जहां सत्ता-संरचना, प्रतिनिधित्व और नागरिक अधिकारों की चर्चा केंद्र में आती है।

ईरान- इस्लामिक रिपब्लिक के रूप में नई पहचान

ईरान में 1 अप्रैल को इस्लामिक रिपब्लिक डे के रूप में मनाया जाता है। यह दिन उस राजनीतिक-धार्मिक परिवर्तन का प्रतीक है जिसके बाद ईरान ने अपनी नई शासन-व्यवस्था को रिपब्लिक के रूप में घोषित किया। यहां गणतंत्र दिवस इस बात का संकेत है कि रिपब्लिक का मॉडल हर जगह एक जैसा नहीं होता। कुछ देशों में यह धर्म-आधारित या वैचारिक ढांचे के साथ भी जुड़ जाता है।

पुर्तगाल- राजशाही का अंत और राजनीतिक बदलाव

पुर्तगाल में 5 अक्टूबर को रिपब्लिक डे मनाया जाता है। यह दिन राजतंत्र के समाप्त होने और गणराज्य की स्थापना के ऐतिहासिक परिवर्तन से जुड़ा है। ऐसे देशों में गणतंत्र दिवस सत्ता के वंशानुगत हस्तांतरण के बजाय राजनीतिक उत्तरदायित्व की दिशा में कदम का स्मरण कराता है।

ब्राज़ील- राजतंत्र से रिपब्लिक की घोषणा

ब्राज़ील में 15 नवंबर को रिपब्लिक प्रोक्लेमेशन डे मनाया जाता है। यह राजतंत्र के स्थान पर गणराज्य की घोषणा की स्मृति है। लैटिन अमेरिका के कई देशों में गणतंत्र-स्थापना का इतिहास औपनिवेशिक युग के बाद राज्य-निर्माण, सैन्य-राजनीतिक बदलाव और नई संवैधानिक व्यवस्थाओं से जुड़ा रहा है। इसलिए वहां गणतंत्र दिवस अक्सर राज्य के जन्म की राजनीतिक कहानी भी होता है।

द. अफीका- ऐतिहासिक रूप से गणराज्य बनने की तारीख

दक्षिण अफ्रीका में 31 मई को रिपब्लिक डे के रूप में मनाया जाता था। बाद में बदलाव हुए। अब यहां 27 अप्रैल को फ्रीडम डे मनाया जाता है। क्योंकि साल 1994 में इसी दिन रंगभेद का अंत हुआ था। और 31 मई 1961 को इस देश को ब्रिटिश राज से आजादी मिली थी।

जब तक खान पान में शुद्धता नहीं होगी तब तक नहीं होगा सिंधी समाज का भला

हंसराम महाराज ने कहा सम्मेलनों में संस्थाएं केवल अपनी ब्रांडिंग कर रहीं

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2025 तक फिलीपीन्स की राजधानी मनीला, 23 नवम्बर 2025 को पहली बार दिल्ली के विज्ञान भवन में इंटरनेशनल सिंधी सम्मेलन के अलावा 9 से 11 जनवरी को भोपाल के ताज होटल में विश्व सिंधी सेवा संगम के इंटरनेशनल सम्मेलन के अलावा 17 जनवरी को समन्वय भवन भोपाल में सिंधु प्रवाह नई दिशा नई उर्जा प्रोग्राम सहित समय समय पर हो रहे सिंधियों के सम्मेलनों पर इन दिनों देश व दुनिया में खासी बहस छिड़ी हुई और समाज का एक बुद्धिजीवि एवं आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़ा वर्ग इन सम्मेलनों से सिंधी समाज का किसी तरह का भला नहीं होने एवं बिना नतीजे के सम्मेलनों पर एक तरह से क्षोभ व्यक्त करने लगा है।

विश्व में एकमात्र सिंधी भाषी महामंडलेश्वर एवं अभा सिंधी साधु समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत स्वामी हंसराम महाराज ने कहा है कि जब तक खान, पान और विचार शुद्ध नहीं होंगे, तब तक हम दूसरों का भला नहीं कर सकते। जो साधु संत सिंधी समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सिंधी सम्मेलन में शिरकत कर वहां पेंट शर्ट पहनकर नृत्य करते हैं, ऐसे संत समाज का कभी भला नहीं कर सकते, ऐसे संत महात्मा समाज के साहूकारों की गुलामी के प्रतीक हैं।

सैर सपाटे के कैसे सम्मेलन : दिल्ली, भोपाल, सिलवाना, मनीला सहित विभिन्न देश व विदेशों में हो रहे सिंधी सम्मेलनों की चर्चा करते हुए हंसराम महाराज ने कहा है कि जब तक इन सम्मेलनों में दिन को बीयर, रात को शराब व नानवेज का चलन बंद नहीं होता, और शुद्ध विचार नहीं होंगे, तब तक सिंधी समाज का कभी भला नहीं हो सकता। इस तरह के सम्मेलनों पर कटाक्ष करते हुए हंसराम महाराज ने कहा है कि खान पान के साथ ही अपने आचार विचारों को भी शुद्ध बनाना होगा, जब ही सिंधी सम्मेलनों की सार्थकता सिद्ध होगी।

समाज के लिए करें काम : हंसराम महाराज ने कहा है कि आज भी सिंधी समाज के भीतर अनेक ऐसे परिवार हैं, जिन्हें आर्थिक, शैक्षणिक एवं आवासों की सख्त जरूरत है, सिंधी समाज की जो संस्थाएं सम्मेलनों के नाम पर लाखों और करोड़ों की राशि खर्च करती हैं, उन संस्थाओं को समाज के जरूरतमंदों के उत्थान की दिशा में काम करना चाहिए।

इन मुद्दों पर हो विचार : इधर संत हिरदाराम नगर की अग्रणी सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने कहा है कि सम्मेलनों में पाकिस्तान में सिंधी हिन्दुओं पर अत्याचार बंद हों, वहां रह रहे 14 लाख सिंधी हिन्दुओं को भारत लाने, सिंधी भाषा को रोजगार से जोड़ने, सिंधी हिन्दुओं को भारत में सरकारी नौकरियों एवं पार्षद, विधायक, सांसद व राज्य सभा के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण, राष्ट्रीय स्तर पर सरकार द्वारा सिंधी विकास बोर्ड का गठन कर सिंधियों की समस्याओं का अध्ययन कर उनके निराकरण, मध्यप्रदेश सहित अनेक प्रदेशों में सिंधी विस्थापित परिवारों को उनकी प्रापर्टी का मालिकाना हक नहीं मिल पाया है, वह हक दिलाने हर प्रदेश में सिंधी साहित्य अकादमी का गठन हो, साथ ही संचालक मण्डल भी बनवाने, केन्द्र सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा बनाई गई सिंधी भाषा विकास परिषद की बागडोर शुद्ध रूप से सिंधी साहित्यकार, कलाकार, लेखक, कवि या सिंधी पत्रकार के हाथों सौंपन, सालाना बजट 50 करोड़ कराने राजस्थान के जेलसमेर, बाड़मे, पाली, मारवा, गुजरात के कच्छ, पोरबंदर, गांधीधाम जिलों को मिलाकर पृथक सिंधु प्रदेश बनाने पर विचार होना चाहिए।

पहनावे पर कटाक्ष

समाज के जो कथित सिंधी साधु संत इस तरह के सम्मेलनों में तरह तरह के कपड़े पहनकर फोटो खिंचवाते हैं, या अतिथियों के साथ नाच गाने करते हैं, उन्हें आड़े लेते हुए स्वामी हंसराम महाराज ने कहा है कि ऐसे संतों को अपने पहनावे को सुधारना चाहिए। संत वह है जो समाज का मार्गदर्शन करे, समाज उसके कहे में रहे, उसके सानिध्य में रहे और ऐसा तब ही संभव है, जब सिंधी साधु संत उच्च आदर्श प्रस्तुत करें, अपने पहनावे को सुधारें, तब ही वे संत या महात्मा कहने लायक हैं। उन्होंने ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम जी का जिक्र करते हुए कहा कि आज समाज को ऐसे महान संतों की जरूरत है, जिन्होंने जरूरतमंदों के लिए मकान बनवाए, अस्पतालें खोली, अच्छी शिक्षा व संस्कारों के लिए स्कूल खोले, ऐसे संत नहीं जो सिंधी सम्मेलनों में जाकर नाच गाना करें।

संस्कार विद्यालय में वार्षिकोत्सव उड़ान की धूम

उड़ान के लिए पंख नहीं विचार व सोच जरूरी है: डा. प्रिया

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर की अग्रणी शैक्षणिक संस्था दीपमाला पागारानी संस्कार स्कूल का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया इसमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय कन्य कालेज की प्राचार्य डा. प्रिया बुधानी मुख्य अतिथि थी। उन्होंने कहा कि उड़न के लिए जरूरी नहीं कि पंख ही हो, विचार एवं सोच से भी लम्बी उड़ान भरी जा सकती है। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, लेखा-परीक्षक पुरूषोत्तम टिलवानी, सदस्य गुलाब सेजवानी, विष्णु बंसल, मनोहर वासवानी, कन्हैयालाल मोटवानी, प्रधान प्रशांत, अशोक हिमथानी द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्जवलन कर किया। यहां प्रिया बुधानी ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि उड़ान अपने आप में एक सकारात्मक शब्द है, उड़ान जरूरी नहीं पंखों से हो, उड़ान विचारों से और सपनों से होती है, उन्होने कहा कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती है इसलिए हमें हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए डरकर कभी भी पीछे नहीं हटना चाहिए, बच्चों को अपने आप में ज्ञान, विवेक व आत्म विश्वास का संचार करना चाहिए जिससे हम अपने विद्यालय एवं देश का नाम रोशन कर सकें।

हनुमान चालीसा व गीता श्लोक

सचिव बसंत चेलानी ने आए हुए अतिथियों का परिचय देते हुए एवं स्वागत करते हुए अभिभावकों से कहा कि संस्कार विद्यालय एक ऐसा विद्यालय है जिसमें न्यूनतम शुल्क पर अधिक से अधिक सुविधाएं विद्यार्थियों को देने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है, हमारे विद्यालय में बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ उनके संस्कारों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक मंगलवार हनुमान चालीसा का पाठ एवं प्रतिदिन गीता के श्लोंको का वाचन भी होता है उन्होंने अभिभावकों से सुझाव लेते हुए कहा कि यदि हमारे विद्यालय में अभी भी कोई कमी आपको दिखाई देती है तो हमें बताएं हम उसे भी पूरा करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि पं. दीनदयाल उपध्याय महाविद्यालय की प्राचार्या इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आरके मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, कोर्डिनेटर सीमा शर्मा, मोन्टेसरी इन्चार्ज प्रियांशी आडवानी, समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं, विद्यार्थिगण एवं अभिभावक उपस्थित थे।

देशभक्ति गीतों का 36वां कार्यक्रम आज 40 कलाकार करेंगे प्रतिभा का प्रदर्शन

मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप का आयोजन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप का गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में देश भक्ति गीत संगीत का 36 वां प्रोग्राम सोमवार को केरी ओके कार्यक्रम एसजी हेरिटेज होटल काली मंदिर संत हिरदाराम नगर में रखा गया है। इसके संयोजक एवं ग्रुप के अध्यक्ष रामचंद सभनानी ने बताया कि इसमें 40 से अधिक कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। युवा समाज सेवी एवं हीरो हिन्दू फैन्स क्लब के अध्यक्ष हीरो इसरानी मुख्य अतिथि होंगे। महानगर नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष सुशील वासवानी अध्यक्षता करेंगे जबकि संस्कार संस्था के सचिव बसंत चेलानी, समाज सेवी लक्ष्मण आसवानी, आयोजक अशोक आडवाणी एवं एंकर रोशनी मोहनानी मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। रामचंद सभनानी ने सभी गीत संगीत प्रेमियों से इस आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

SUDOKU 130

	6		2	4				5
5		7	9					6
9		8						
		2	5			8		3
4		9			6	1		
						6		4
2					9	5		1
1				6	2		3	

SOLUTIONS 129

2	4	3	7	5	6	8	9	1
8	1	5	2	9	4	7	3	6
7	9	6	1	8	3	4	5	2
4	3	9	8	2	5	6	1	7
5	2	7	9	6	1	3	4	8
6	8	1	4	3	7	5	2	9
3	6	8	5	1	9	2	7	4
1	5	4	6	7	2	9	8	3
9	7	2	3	4	8	1	6	5

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन अच्छा रहने वाला है। हालांकि भावुकता में आकर कोई फैसला न लें। लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

वृषभ : आज संभलकर दिन पार करने की जरूरत है। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। गृह कलह का संकेत है। उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन : आज शुभता के प्रतीक बनेंगे। कामकाज में तरक्की प्राप्त करेंगे। पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे।

कर्क : आज का दिन सामान्य रहने वाला है। सेहत पहले से अच्छी होगी। हालांकि अभी निवेश करने से बचें। व्यापारियों के लिए समय ठीक रहने वाला है।

सिंह : स्थिति आज अनुकूल नजर आ रही है। शासन सत्ता पक्ष का सहयोग मिलेगा। पर्सनल व प्रोफेशनल तौर पर तरक्की मिलेगी। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। भाग्य साथ देगा।

कन्या : आज का दिन मिलाजुला रहेगा। खर्च की अधिकता मानसिक रूप से परेशान कर सकती है। अज्ञात भय सताएगा।

तुला : आज धन से जुड़ी परेशानियां खत्म हो जाएंगी। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। यात्रा में लाभ होगा। राजनीतिक लाभ व सरकारी तंत्र से सहयोग मिल सकता है।

वृश्चिक : आज सरकारी तंत्र का लाभ मिलेगा। उच्चाधिकारियों के सहयोग से किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में अहम भूमिका निभाने का मौका मिल सकती है। व्यावसायिक सफलता मिलेगी।

धनु : आज भाग्य साथ देगा। करियर में उन्नति मिलने की संभावना है। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। यात्रा में लाभ होगा।

मकर : आज मानसिक स्वास्थ्य उतार-चढ़ाव भरा हो सकता है। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी हो सकता है।

कुंभ : आज का दिन आर्थिक उन्नति लेकर आएगा। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। प्रेम-प्रेमिका की मुलाकात होगा।

मीन : आज कोर्ट-कचहरी में विजय मिल सकती है। भाई-बहन को आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है। हालांकि धन बचत पर आपको फोकस करना चाहिए।

आज का पंचांग: 26 जनवरी सोमवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **पर्व त्योहार :** दुर्गाष्टमी। **भद्रा :** प्रातः 10 बजकर 15 मिनट तक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु माघ मास शुक्ल पक्ष की अष्टमी 21 घण्टे 19 मिनट तक, तत्पश्चात नवमी 7 अश्वनी नक्षत्र 12 घण्टे 33 मिनट तक, तत्पश्चात भरणी नक्षत्र साध्य योग 09 घण्टे 12 मिनट तक, तत्पश्चात शुभ योग मेष में चंद्रमा।

नापतौल मुख्यालय की जमीन अधिग्रहण का विरोध काली पट्टी बांधकर काम कर रहे कर्मचारी

राजधानी सहित पूरे प्रदेश में कर्मचारी कर रहे विरोध

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के सभी जिलों में नापतौल विभाग के कर्मचारी फिजूलखर्ची और मुख्यालय की जमीन अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। विरोध स्वरूप कर्मचारी हाथ में काली पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं, ताकि अररा हिल्स स्थित मुख्यालय की 0.65 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण रुक सके। बता दें कि इस जमीन पर खाद्य भवन बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसी का कर्मचारी विरोध कर रहे हैं। कर्मचारियों को कहना है कि भोपाल में खाद्य विभाग के पास अपना भवन मौजूद है। इस तरह नापतौल विभाग की जमीन पर नया भवन बनाकर भारी भरकम राशि को ठिकाने लगाया जा रहा है। जबकि इस राशि का सही उपयोग कर कई जन हितैषी कार्य किए जा सकते हैं। दूसरी ओर इसी जमीन पर नापतौल विभाग टैंक लॉरी कैलिब्रेशन और द्वितीय मानक प्रयोगशाला का निर्माण प्रस्तावित है। इन दोनों प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए ही नापतौल विभाग ने सात साल पहले 50 लाख रुपए खर्च कर अपने कार्यालय को जेके रोड के पास शिफ्ट कर दिया था। अब इसी जमीन पर नया प्रोजेक्ट लेकर आना कर्मचारियों के साथ धोखा है।

होंगे यह नुकसान

खाद्य भवन का कार्यालय गौतम नगर में विभाग की इमारत में लगता है। ऐसे में नापतौल मुख्यालय की जगह खाद्य विभाग को देने की आवश्यकता ही नहीं हैं। इससे शासन को आर्थिक हानि होगी। दूसरी ओर यह जमीन खाद्य विभाग के हवाले होने पर यहां प्रस्तावित टैंक लॉरी कैलिब्रेशन और द्वितीय मानक प्रयोगशाला का कार्य प्रभावित होगा। दरअसल दो तीन माह पहले केंद्र सरकार द्वारा प्रयोगशाला व टैंकलोरी कैलिब्रेशन के निर्माण के लिए 5 करोड रुपए की राशि स्वीकृत कर दी गई है। ऐसे में खाद्य विभाग द्वारा जमीन के अधिग्रहण से यह दोनों काम रुक जाएंगे, जिससे भविष्य में जांचें प्रभावित होंगी और इसका खामियाजा आम लोगों को ही उठाना पड़ेगा। गौरतलब है कि पेट्रोल, डीजल, केरोसिन व दूध सहित अन्य द्रव्यों के परिवहन में लगने वाले टैंकरों की जांच टैंक लॉरी कैलिब्रेशन में की जाती है। इसके अलावा द्वितीय मानक प्रयोगशाला में दुकानदारों व व्यापारियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मापने के उपकरणों की जांच होती है। इन दोनों प्रोजेक्ट के लिए विभाग ने अपने मुख्यालय के भवन में सबसे ऊपर के तल पर 61903 वर्ग फीट को खाली करवाया था, ताकि इनका निर्माण किया जा सके।

काटे जाएंगे 300 से ज्यादा पेड़

नापतौल विभाग की जमीन पर एक बगिया भी मौजूद है, जिसमें आम, अमरूद, जामुन, सहजन, पपीता सहित अन्य फलों के 300 से ज्यादा पेड़ लगे हुए हैं। परिसर में बरगद व पीपल के भी कई पेड़ मौजूद हैं। ऐसे में नव निर्माण के लिए इन सभी पेड़ों को भी काटा जाएगा, जिसका सभी कर्मचारी खुलकर विरोध कर रहे हैं।

> खाद्य भवन के पास पहले से ही अपना भवन मौजूद है, लेकिन फिजूलखर्ची करवाने के लिए नापतौल मुख्यालय की जमीन पर नए खाद्य भवन का निर्माण कराया जा रहा है। इसका पूरे प्रदेश के नापतौल विभाग के कर्मचारी विरोध कर रहे हैं।
>
> **- उमाशंकर तिवारी,** अध्यक्ष, मप्र नापतौल अधिकारी कर्मचारी संघर्ष समिति

दो गांजा तस्कर गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। भोपाल क्राइम ब्रांच ने नशे के खिलाफ कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 4 किलो 720 ग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त किए गए गांजे की कीमत एक लाख रुपए से च्यादा की आंकी जा रही है। पुलिस के अनुसार रविवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सुभाष नगर स्थित जे.जे. फ्लाईओवर के पास रेलवे पटरी किनारे दो व्यक्ति गांजा बेचने की फिराक में खड़े है। सूचना पर मौके पर पहुंची टीम ने दोनों युवकों को घेराबंदी कर पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके बैग से दो पैकेट से अवैध मादक पदार्थ बरामद किया गया। आरोपी की पहचान रेवाराम कुचबंदिया (26) निवासी रायसेन और शशांक मर्वाह (40) निवासी मंडीदीप के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

रेप का फरार आरोपी नीमच से गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। कोलार पुलिस ने रेप के मामले में फरार आरोपी को नीमच से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ महिला ने दिसंबर 2025 में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार 15 दिसंबर 2025 को एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि नीमच निवासी पप्पू हलवाई ने उसके साथ रेप किया। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी ओमप्रकाश उर्फ पप्पू हलवाई (62) निवासी खाद गोदाम के सामने थाना कैंट को नीमच से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में कर जेल भेज दिया है।

गणतंत्र दिवस पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

ओबेदुल्लागंज। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशभर में हर्षोल्लास का माहौल है। इस वर्ष का समारोह विशेष रूप से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित है। 26 जनवरी के पावन अवसर पर सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर गरिमापूर्ण तरीके से झंडावंदन (ध्वजारोहण) कार्यक्रम आयोजित होगा वही नगर परिषद प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी पूरी कर ली गई है। आयोजन में सभी शासकीय व निजी स्कूल की भागीदारी सुनिश्चित की गई है प्रतियोगिता में सर्वक्षेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्कूल को पुरुषकर्त किया जाएगा इस दौरान सभी प्रमुख शासकीय भवनों को तिरंगे की रोशनी से सजाया गया है कार्यालय प्रमुखों द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान और संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पठन किया जाएगा।

सांसद शर्मा ने बैरसिया के ग्रामों में लगाई चौपाल ग्रामीणों को बताई जीरामजी योजना की खूबियां

बैरसिया। जनपद पंचायत बैरसिया के ग्राम धमर्रा एवं दिल्लौद में रविवार को आयोजित विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एव आजीविका मिशन की जन जागरण अभियान अंतर्गत ग्रामीण के साथ चौपाल लगाकर विस्तृत चर्चा की भोपाल लोकसभा के सांसद आलोक शर्मा ने जी राम जी योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना ग्रामीण भारत में रोजगार,आजीविका ओर समाजिक उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। सांसद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व ओर दूरदर्शी सोच जय राम जी योजना में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति वित्तीय वर्ष कम से कम 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। ये पहले 100 दिन की रोजगार गारंटी थी इससे ग्रामीण परिवारो की आय में स्थिरता आएगी। और उनकी आर्थिक सुरक्षा मजबूत होगी। ओर मजदूरी भुगतान पूरी तरह पारदर्शी तरीके सर सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किया जाएगा। इसके लिए

डिजिटल सिस्टम , बायोमेट्रिक रिकॉर्डिंग ओर आधुनिक तकनीकी का उपयोग होने से किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सकेगा। वही विधायक विष्णुखत्री ने कहा कि विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार योजना गांव गांव तक विकास की गारंटी है। केंद्र व राज्य सरकार किसान , मजदूर , ग्रामीण युवा , ओर स्वसहायता समूहो को रोजगार व आजीविका से जोड़कर आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत की जा रही है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष तीरथ सिंह मीणा, पूर्व जिला अध्यक्ष केदार सिंह मंडलोई, जिला महामंत्री कुबेर सिंह गुर्जर, जनपद सदस्य प्रतिनिधि घनश्याम शर्मा जिला उपाध्यक्ष नरेश शर्मा, सरपंच राहुल पाठक धमर्रा वासुदेव गुप्ता, कुबेर सिंह जाट, राजाराम गुर्जर अनुज पाठक सहित कई सरपंच एवं ग्रामीण जन मौजूद थे।

पत्नी से विवाद के बाद पति ने लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। छोलामंदिर थाना क्षेत्र में पत्नी से विवाद के बाद पति ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय राकेश राय पिता बलीराम राय सागर धाम कॉलोनी में रहते थे। दो तीन साल से उसकी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। कई दिनों से पत्नी उससे बात नहीं कर रही थी। फांसी लगाने से पहले युवक पत्नी को बात करने के लिए मना रहा था, लेकिन वह किसी से भी बात करने को तैयार नहीं थी और वह अपने कमरे को बंद करके बैठी रहती थी। सुबह 6 बजे जब पिता ने बेटे को फांसी के फंदे पर लटका देखा तो चीख पुकार मच गई। बावजूद इसके पत्नी अपने कमरे से बाहर नहीं निकली। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस परिजनों के बयान के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

फर्जी नंबरों से जुड़े हैं 1.5 लाख से अधिक वाहन, अब होगी कार्रवाई

गलती सुधारने के लिए विभाग ने दिया सात दिन का मौका

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के परिवहन विभाग ने वाहन पंजीकरण के खेल में एक बड़ी अनियमितता का खुलासा किया है। विभाग की तकनीकी जांच में सामने आया है कि आटोमोबाइल डीलर्स ने वाहन मालिकों को भरोसे में लिए बिना हजारों वाहनों को चुनिंदा फर्जी मोबाइल नंबरों पर रजिस्टर्ड कर दिया है। विभाग ने इसे सुरक्षा और पारदर्शिता के लिहाज से गंभीर चूक मानते हुए इसे 31 जनवरी तक का समय दिया है, जिससे वाहन के रजिस्टर्ड नंबर पर उन वाहन मालिक के सही मोबाइल नंबर अपडेट कर दिए जाए। हम बता दें कि 1 जनवरी 2025 के बाद प्रदेश में 1,71,413 वाहनों का पंजीकरण केवल 1,342 मोबाइल नंबरों के आधार पर कर दिया गया। परिवहन आयुक्त कार्यालय ने कहा है कि इस गड़बड़ी के पीछे डीलर्स की सुस्ती और प्रक्रियाओं की अनदेखी मुख्य कारण है। इसका सीधा परिणाम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। वाहन मालिकों को न तो ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन का ई-चालान मिल रहा है और न ही वे विभाग की किसी ऑनलाइन सुविधा का लाभ ले पा रहे हैं। परिवहन विभाग ने सख्त रुख कदम उठाते हुए सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय को सूची सौंप दी है। डीलर्स को सुधार के लिए साज दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं 31 जनवरी 2026 तक सुधार न होने पर संबंधित डीलर के विरुद्ध वैधानिक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिन वाहनों का डेटा दुरुस्त नहीं होगा, उन्हें प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा। डेटा अपडेट न होने तक इन वाहनों से जुड़ी अन्य सभी डिजिटल सेवाएं तत्काल प्रभाव से ब्लाक कर दी जाएंगी।

फांसी से उतारकर सीपीआर से बची महिला की जान

जागरण, भोपाल। सूखी सेवनिया पुलिस की तत्परता से एक महिला की जान बच गई। डायल-112 के जरिए से रविवार को सूचना मिली थी कि एक महिला ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची टीम ने बिना समय गंवाए महिला को फांसी के फंदे से नीचे उतारा। उस समय महिला की हालत बेहद गंभीर थी। मौके पर मौजूद एसआई राजेश दंडोतिया ने महिला की स्थिति को देखते हुए गांव की एक महिला की मदद से सीपीआर दिलवाया। सीपीआर देने के बाद महिला की सांसें दोबारा चलने लगीं। बाद में उसे महिला को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल भेजा गया।

स्वास्थ्य समिति की बैठक कल

जागरण संवाददाता, भोपाल। कलेक्ट्रेट में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक मंगलवार शाम 4 बजे से रखी गई है। इसमें कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम आयुक्त, जिला पंचायत सीईओ सहित प्रमुख शासकीय अस्पतालों के अधीक्षकों को उपस्थित होने के लिए कहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, देवास (म.प्र.)

क्रमांक/182/ स्वभा.मि./2026 देवास, दिनांक 16/01/2026

/ / निविदा आमंत्रण सूचना / /

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्र. जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_476256_1 16/01/2026	स्वच्छ भारत मिशन स्वच्छ सर्वेक्षण 2026-2027 के अंतर्गत फ्लेक्स, बैनर वीनाईल, स्टेण्डी और अन्य ब्रांडिंग मटेरियल इत्यादि के कार्य हेतु इम्पेनलमेंट ऑनलाईन ई-निविदा प्रपत्र।	12 माह 35,00,000/-	5,000/- 1,05,000/-	06/02/2026 06:00 PM

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑन लाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, देवास (म.प्र.)

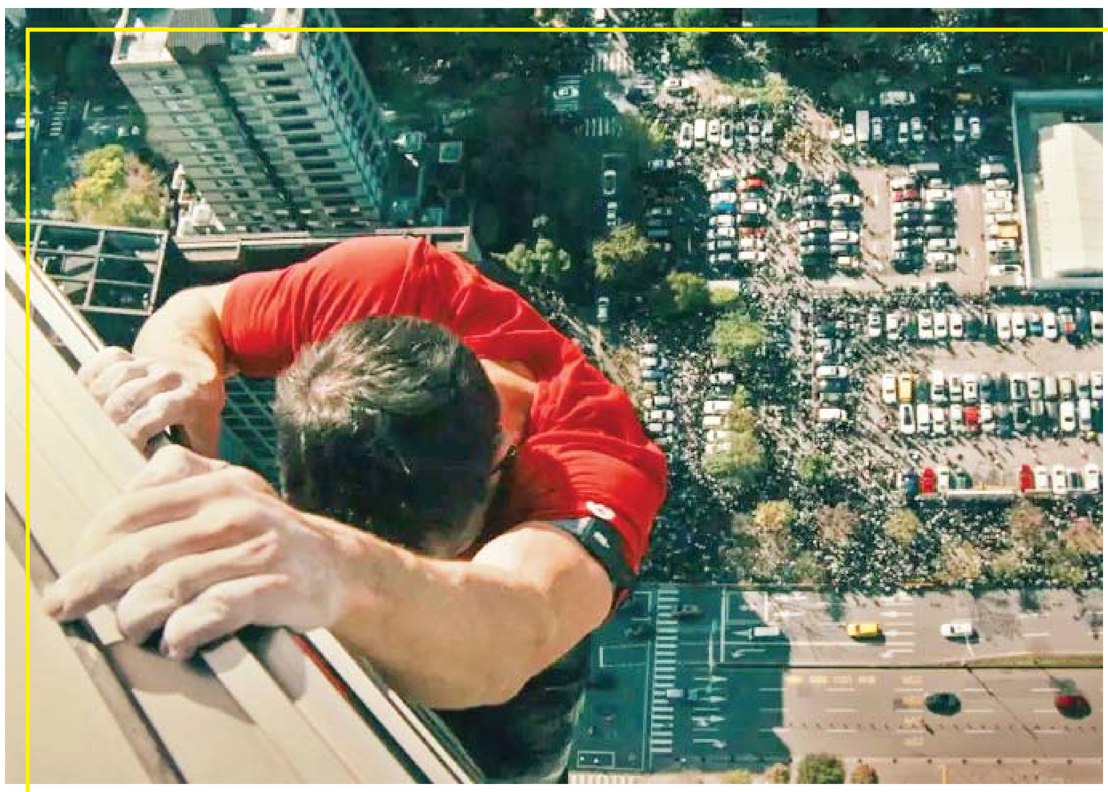

बिना रस्सी के ऊंची इमारत पर चढ़कर रचा इतिहास: मशहूर फ्री-सोलो क्लाइंबर एलेक्स होनोल्ड ने रविवार सुबह एक बेहद जोखिमभरा कारनामा कर दुनिया भर का ध्यान खींच लिया। उन्होंने ताइवान की प्रतिष्ठित गगनचुंबी इमारत 'ताइपेई 101' को बिना रस्सी, बिना सेफ्टी नेट और बिना किसी सुरक्षा उपकरण के चढ़कर फतह कर लिया। यह इमारत लगभग 508 मीटर (1,667 फीट) ऊंची है और दुनिया की सबसे ऊंची इमारतों में गिनी जाती है। रविवार सुबह साफ मौसम के बीच हजारों दर्शक नीचे खड़े होकर सांसें थामे हुए थे, क्योंकि होनोल्ड की यह चढ़ाई एक छोटी सी गलती पर जानलेवा हो सकती थी। करीब 92 मिनट की चढ़ाई के बाद होनोल्ड इमारत के सबसे ऊपरी हिस्से तक पहुंचे।

आंकड़ों में भारत और यूरोप का व्यापार

भारत-ईयू की शिखर वार्ता: एक री-सेट मोमेंट

नई दिल्ली/ब्रसेल्स, जेएनएन। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका की अनिश्चित राजनीति और वैश्विक व्यापार टैरिफ, टेक-वार और जियो-पॉलिटिक्स के दबाव में के बीच भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) की शिखर वार्ता को 'री-सेट मोमेंट' की तरह देखा जा रहा है। ऐसे में देखना दिलचस्प है कि दोनों के बीच व्यापारिक रिश्ते कितने गहरे हैं, और एक दूसरे को किस हद तक प्रभावित करते हैं।

भारत-ईयू व्यापार

- कुल व्यापार: लगभग **136-136.5** बिलियन डॉलर
- भारत का निर्यात: करीब **75.8- 76** बिलियन डॉलर
- भारत का आयात: करीब **60-60.7** बिलियन डॉलर

120 बिलियन यूरो के व्यापार के साथ भारत, ईयू का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर रहा 2024 में

भारत में ईयू का आयात
- मशीनरी/इंडस्ट्रियल उपकरण
- वाहन और ऑटो पार्ट्स
- केमिकल्स/फार्मा-इनपुट्स
- हाई-टेक कंपोनेंट्स

भारत का ईयू में निर्यात
- टेक्सटाइल/गारमेंट्स
- ज्वैलरी/जेम्स
- फार्मास्यूटिकल्स
- इंजीनियरिंग गुड्स
- पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स/रिफाइंड फ्यूल

21.3% है ईयू का भारत में वाहन और ऑटो निर्यात

18% कैमिकल्स का निर्यात करता है ईयू भारत को

भारत के ईयू में बड़े ट्रेड पार्टनर
- **नीदरलैंड्स:** भारत का सबसे बड़ा ट्रेड-गेटवे। खासतौर पर पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स (जैसे स्मार्टफोन), केमिकल्स इत्यादि का निर्यात।
- **जर्मनी:** इंजीनियरिंग, मशीनरी, ऑटो, इंडस्ट्रियल सेक्टर में भारत का बड़ा पार्टनर
- **फ्रांस:** डिफेंस, एयरोस्पेस, हाई-टेक में प्रभावी
- **इटली/बेल्जियम:** कई कैटेगरी में मजबूत

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया में भीषण भूस्खलन, 80 दबे

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत में भारी बारिश के बाद हुए भीषण भूस्खलन ने कई परिवारों को तबाही के मुहाने पर ला खड़ा किया है। पहाड़ी इलाके में अचानक पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा खिसकने से कई घर, सड़कें और खेत मलबे में दब गए। इस हादसे के बाद करीब 80 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है, जिनकी तलाश लगातार जारी है। घटना के बाद से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है और लोग अपनों की सलामती को लेकर बेहद चिंतित हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, बीते कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जमीन कमजोर हो गई थी। देर रात अचानक भूस्खलन हुआ, जिससे लोगों को संभलने का मौका भी नहीं मिला। कई घर मिट्टी और पत्थरों के नीचे दब गए। कुछ लोग जान बचाकर बाहर निकलने में सफल रहे।

अमेरिका: 2 साल की बच्ची हिरासत में ली

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका के मिनियापोलिस में एक 2 साल की बच्ची को उसके पिता के साथ इमिग्रेशन एजेंसी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट ने हिरासत में ले लिया। यह जानकारी होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने दी है। एल्विस जोएल टिपान-एचेवेरिया और उनकी 2 साल की बेटी क्लोए रेनाटा टिपान विलासिस को उस समय रोका गया, जब वे किराने का सामान लेकर घर लौट रहे थे। इसके बाद दोनों को साउथ मिनियापोलिस ले जाया गया। मिनियापोलिस सिटी काउंसिल के मेंबर जेसन चावेज ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि एक संदिग्ध गाड़ी ने पिता की कार का पीछा किया, उनकी कार का शीशा तोड़ा गया और पिता-बच्ची को पकड़ लिया। इस दौरान कोई वारंट नहीं दिखाया गया। कोर्ट ने कहा था कि बच्ची को तुरंत रिहा किया जाए।

कितने भी जुल्म कर लो, पीछे नहीं हटूंगा: अविमुक्तेश्वरानंद

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच 7 दिनों से विवाद जारी है। शिविर में युवकों के हंगामे पर अविमुक्तेश्वरानंद ने पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा- हमारे ऊपर आक्रमण इसलिए किया गया है, क्योंकि हम गो-रक्षा की बात कर रहे हैं। हम इनकी आंख की किरकिरी बन गए हैं, कितना भी परेशान करें, मैं पीछे नहीं हटूंगा। जितना हमारे ऊपर जुल्म होगा, उतनी ही मजबूती से कदम उठाऊंगा। दरअसल, शनिवार रात कट्टर सनातनी सेना नाम के संगठन के 8 से 10 युवक भगवा झंडा लिए नारे लगाते पहुंच गए थे। शिविर में घुसने की कोशिश की। योगी जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों से धक्का-मुक्की भी हुई।

विसर्जन के दौरान दो पक्षों में हिंसक झड़प

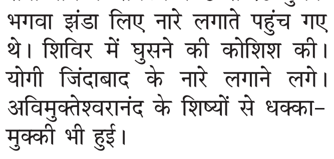

रांची, जेएनएन। झारखंड में सरस्वती पूजा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हजारीबाग और लोहरदगा जिले में दो स्थानों पर उत्पन्न विवादों ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों घटनाओं के बाद प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत बारीडीह गांव में रविवार को सरस्वती पूजा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच विवाद बढ़ गया, जो बाद में हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। बताया गया कि लाठी-डंडों और परंपरागत हथियारों से लैस दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिससे गांव में अफरातफरी मच गई। इस दौरान कई लोग घायल हो गए।

ट्रंप की 100% टैरिफ धमकी के बाद कनाडाई पीएम का आग्रह

स्वदेशी सामान की करें खरीदी अर्थव्यवस्था पर बाहरी खतरा

ओटावा/वॉशिंगटन, जेएनएन। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकी के बाद देशवासियों से स्वदेशी सामान खरीदने की अपील की है। प्रधानमंत्री कार्नी ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि मौजूदा समय में कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी खतरा है और इसलिए देश को उन चीजों पर ध्यान देना चाहिए, जो 'हमारे नियंत्रण में' हैं। कार्नी की यह अपील ऐसे समय में आई है, जब ट्रंप ने कनाडा को चीन के साथ व्यापारिक समझौते करने पर कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर कनाडा चीन के साथ व्यापारिक रिश्ते बढ़ाता है, तो अमेरिका कनाडाई उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ लगा देगा।

कार्नी ने अपने संदेश में लोगों से आग्रह किया कि वे रोजमर्रा की जरूरतों के लिए कनाडाई कंपनियों के उत्पाद, स्थानीय ब्रांड और घरेलू उत्पादन को प्राथमिकता दें। उन्होंने संकेत दिया कि वैश्विक राजनीतिक अनिश्चितताओं के दौर में उपभोक्ताओं के निर्णय भी आर्थिक सुरक्षा का हथियार बन सकते हैं।

अमेरिका-कनाडा: सबसे बड़ी सीमा पार सप्लाई चेन

अमेरिका और कनाडा दुनिया के उन चुनिंदा देशों में हैं, जो एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार माने जाते हैं। दोनों देशों के बीच हर दिन औसतन 2 अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार होता है। कनाडा अमेरिका के लिए केवल एक पड़ोसी देश नहीं, बल्कि एक रणनीतिक सप्लायर भी है। अमेरिका को मिलने वाला कच्चा तेल, गैस और बिजली का बड़ा हिस्सा कनाडा से आता है। इसके अलावा ऑटो पार्ट्स, लकड़ी, कृषि उत्पाद और कई तरह का औद्योगिक सामान भी बड़े पैमाने पर अमेरिका पहुंचता है। वहीं कनाडा की अर्थव्यवस्था अमेरिकी बाजार पर काफी हद तक निर्भर रही है। कनाडा अपने कुल निर्यात का बड़ा हिस्सा अमेरिका को भेजता है।

ट्रंप ने कहा- चीनी सामान का 'ड्रॉप ऑफ पोर्ट' न बने कनाडा

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कनाडाई प्रधानमंत्री को 'गवर्नर कार्नी' कहकर संबोधित किया। ट्रंप ने दावा किया कि अगर कार्नी कनाडा को चीन के लिए अमेरिका में सामान भेजने का एक तरह का 'ड्रॉप ऑफ पोर्ट' बनाना चाहते हैं तो यह गलत सोच है।

चीन समझौते पर ट्रंप नाराज: कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 13 जनवरी से 17 जनवरी के बीच चीन की यात्रा की और वहां व्यापार संबंधी समझौतों पर बातचीत की। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप इससे नाराज बताए जा रहे हैं।

विवाद पर ट्रंप का डैमेज कंट्रोल, ब्रिटिश सैनिकों की तारीफ

इधर ट्रंप एक अन्य विवाद में भी घिर गए थे। अफगानिस्तान युद्ध में नाटो देशों की भूमिका पर उनकी टिप्पणी से सहयोगी देशों में नाराजगी फैल गई थी। इसके बाद ट्रंप ने डैमेज कंट्रोल की कोशिश करते हुए ब्रिटेन के सैनिकों की तारीफ की। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि ब्रिटेन के महान और बहादुर सैनिक हमेशा अमेरिका के साथ रहेंगे। ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान में 457 ब्रिटिश सैनिक मारे गए, कई गंभीर रूप से घायल हुए और वे दुनिया के महान योद्धाओं में शामिल थे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ट्रंप के पुराने बयान को 'अपमानजनक और बेहद आपत्तिजनक' बताया था। अफगानिस्तान युद्ध में हिस्सा ले चुके प्रिंस हैरी ने भी इस पर बयान दिया था।

कोलकाला में टीएमसी-भाजपा समर्थकों में झड़प

कोलकाता, जेएनएन। कोलकाता के दक्षिण-पश्चिमी इलाके सारखेरबाजार में रविवार शाम तृणमूल कांग्रेस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हो गई। जानकारी के मुताबिक विवाद स्थानीय क्लब में तेज आवाज में माइक चलाने को लेकर शुरू हुआ। भाजपा का आरोप है कि टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने पार्टी के मंच पर आग लगा दी। इसी मंच पर त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब ने दिन में जनसभा को संबोधित किया था। घटना के बाद आग बुझाने के लिए एक दमकल गाड़ी मौके पर भेजी गई। आग पर काबू पा लिया गया है और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संबोधन, बोलीं-

क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतकर बेटियों ने बनाया रिकॉर्ड, महिलाओं की बढ़ी है भागीदारी

नई दिल्ली, जेएनएन। 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित किया। अपने संदेश में उन्होंने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय पर्व एकता, गौरव और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे राष्ट्रीय प्रयासों का असर साफ दिखाई दे रहा है। देश में 57 करोड़ जन-धन खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें 56 फीसदी खाते महिलाओं के नाम हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि महिलाएं अब वित्तीय प्रणाली से अधिक जुड़ रही हैं और घरेलू अर्थव्यवस्था के साथ-साथ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भी अपनी भूमिका बढ़ा रही हैं। राष्ट्रपति ने खेलों में महिलाओं की उपलब्धियों को देश का गौरव बताया। उन्होंने कहा कि खेल-कूद के क्षेत्र में हमारी बेटियों ने लगातार नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने खास तौर पर महिला क्रिकेट टीम का उल्लेख करते हुए कहा कि बेटियों ने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप और ब्लाइंड वर्ल्ड कप जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह पवित्र दिन हमें देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर विचार करने का अवसर देता है। राष्ट्रपति ने कहा कि समय के साथ भारत ने बड़ी प्रगति की है। आजादी के बाद देश ने यह साबित किया कि लोकतंत्र और संविधान के रास्ते पर चलकर भी विकास के नए मानक स्थापित किए जा सकते हैं।

वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने का भी जिक्र

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में बताया कि इस वर्ष गणतंत्र दिवस के साथ-साथ 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस गीत ने आजादी की लड़ाई में देशवासियों के भीतर देशभक्ति और आत्मसम्मान की भावना को मजबूत किया था। राष्ट्रपति ने कहा कि गणतंत्र दिवस का यह अवसर देश के मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक आदर्शों के प्रति संकल्प दोहराने का दिन है।

बैसाखी के सहारे चलते दिखे ऋतिक रोशन

मुंबई, जेएनएन। एक्टर ऋतिक रोशन फिल्ममेकर गोल्डी बहल के बर्थडे सेलिब्रेशन में नजर आए। हालांकि, इस दौरान वह बैसाखी के सहारे चलते दिखे और उन्होंने फोटोग्राफरों को पोज नहीं दिए। एक्टर ब्लैक हुडी, मैचिंग जॉगर्स और कैप में नजर आए। वहीं, ऋतिक की बैसाखी के सहारे चलने वाली फोटो को शेयर करते हुए फोटोग्राफर योगेन शाह ने कहा कि घुटने की चोट लगने के बाद एक्टर इससे उबर रहे हैं। बता दें कि ऋतिक को बैसाखी के सहारे चलते देख फैंस चिंतित नजर आए और उनके जल्द ठीक होने की कामना की। गौरतलब है कि पिछले साल भी ऋतिक को बैसाखी के साथ देखा गया था। तब उनके घुटने में चोट लगी थी। उस समय उनके मैनेजर ने बताया था कि यह चोट 'वॉर 2' के एक गाने की रिहर्सल के दौरान लगी थी और डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी थी। पिछले साल मार्च महीने में ऋतिक चोटिल होने के बावजूद, अयान मुखर्जी के पिता और अभिनेता देब मुखर्जी के अंतिम संस्कार में बैसाखी के सहारे पहुंचे थे।

पीएम ने मतदाता दिवस पर दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 130वें एपिसोड में मतदाता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है। लोगों से नए वोटर्स के लिए मिठाई बांटने की अपील की। पीएम ने सोशल मीडिया पर चल रहे 2016 की तस्वीरें शेयर करने के ट्रेंड पर बात की। उन्होंने अपनी सरकार के काम पर बात करते हुए कहा कि भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम बन चुका है। ये स्टार्टअप लीक से हटके हैं, जिनके बारे में 10 साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उन्होंने कहा कि मैं अपने उन सभी युवा साथियों को सैल्यूट करता हूं, जो किसी न किसी स्टार्टअप से जुड़े हैं या नया स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं।

वाराणसी में दहकी मणिकर्णिका की सियासी आग

सपाइयों को पुलिस ने जाने से रोका, धरने पर बैठे सपाई

वाराणसी, जेएनएन। काशी में गणतंत्र दिवस के एक दिन पूर्व रविवार की सुबह सपाइयों ने एक बार फिर से मणिकर्णिका घाट की ओर रुख किया तो पुलिस ने सभी को बलपूर्वक आगे बढ़ने से रोक दिया। सपाइयों ने बताया कि वह मणिकर्णिका की स्थिति जांचने के लिए जाना चाह रहे थे लेकिन पुलिस ने उनको रोक दिया है। इस दौरान एक दर्जन से अधिक समाजवादी पार्टी नेताओं को हाउस अरेस्ट में रखा गया है। इस कार्रवाई का कारण मणिकर्णिका घाट जाने का उनका ऐलान है। सांसद वीरेंद्र सिंह और एमएलसी आशुतोष सिन्हा को नजरबंद किया गया है। पुलिस ने वीरेंद्र सिंह के आवास पर तैनाती की है, जबकि सर्किट हाउस के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा, प्रशासन हमें तथ्यों को जुटाने के लिए आगे बढ़ने नहीं दे रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस ने उन्हें और उनके समर्थकों को मणिकर्णिका घाट जाने से रोकने के लिए लाठीचार्ज करने की धमकी दी। सपा सांसद वीरेंद्र सिंह आवास के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन पर बैठ गए हैं।

कराची अग्निकांड में मौत का आंकड़ा 72 पहुंचा

कराची, जेएनएन। पाकिस्तान के कराची में 17 जनवरी की रात एक शॉपिंग प्लाजा में आग लग गई थी। आग इतनी भयंकर थी कि 36 घंटे तक इस पर काबू नहीं पाया जा सका था। इस भीषण अग्निकांड में मरने वालों की तादाद लगातार बढ़ती ही जा रही है। इस अग्निकांड में मरने वालों की तादाद अब तक 72 पहुंच चुकी है। वहीं, करीब दर्जनभर लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। सदर इलाके में स्थित गुल शॉपिंग प्लाजा लगभग 8,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला है। ये एक थोक और खुदरा बाजार है। पहले इसके तहखाने में आग लगी थी जो देखते ही देखते पूरी इमारत में फैल गई। मॉल में लगभग 1,200 थोक और खुदरा दुकानें थीं जो जलकर खाक हो गई हैं। रविवार को कमिश्नर ने मीडिया को शॉपिंग प्लाजा के मलबे से 72 शव और मानव अवशेष बरामद किए जाने की जानकारी दी।

मुकदमा वॉट्सएप के एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन पर उठे सवाल, कंपनी बोली- आरोप बेबुनियाद

व्हाट्सएप देख सकता है आपकी 'प्राइवेट चैट'

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया के सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप वॉट्सएप की प्राइवेसी को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। वॉट्सएप की पेरेंट कंपनी मेटा के खिलाफ अमेरिका की सैन फ्रांसिस्को स्थित फेडरल कोर्ट में एक नया मुकदमा दायर किया गया है। इस मुकदमे में दावा किया गया है कि कंपनी उन चैट्स तक भी पहुंच बना सकती है, जिन्हें वॉट्सएप एंड-टू-एंड एनक्रिप्टेड बताकर पूरी तरह सुरक्षित होने का दावा करता है। मामला सामने आते ही टेक इंडस्ट्री और यूजर्स के बीच बड़ा सवाल उठ गया है कि क्या वॉट्सएप की 'केवल भेजने वाला और पाने वाला ही संदेश पढ़ सकता है' वाली गारंटी पूरी तरह सच है?

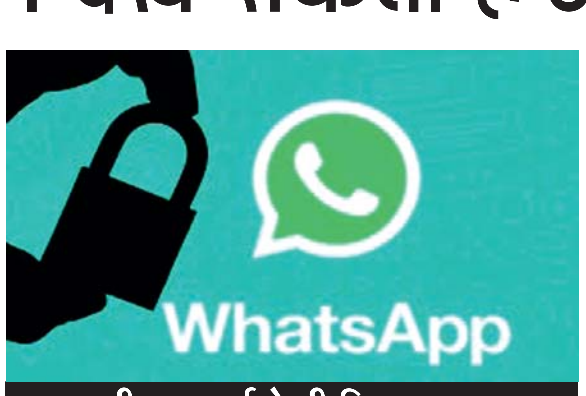

भारतीय यूजर्स ने भी किया मुकदमा

यह मुकदमा ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के यूजर्स के एक समूह ने दायर किया है। यह क्लास-एक्शन मुकदमा है, यानी इसमें एक साथ बड़ी संख्या में यूजर्स के हितों की बात की गई है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि मेटा और वॉट्सएप अरबों यूजर्स को सुरक्षा के नाम पर गुमराह कर रहे हैं और प्राइवेसी को लेकर जो दावे किए जाते हैं, वे वास्तविकता से मेल नहीं खाते।

यह हैं आरोप
- मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि वॉट्सएप का यह दावा कि 'सिर्फ भेजने वाला और पाने वाला ही मैसेज पढ़ सकते हैं', भ्रामक है।
- मेटा और वॉट्सएप कथित रूप से यूजर्स की बातचीत को स्टोर कर सकते हैं
- उसका विश्लेषण कर सकते हैं
- जरूरत पड़ने पर चैट्स तक एक्सेस भी बना सकते हैं
- कंपनी के कर्मचारियों के पास यूजर्स के डेटा तक पहुंच बनाने की क्षमता हो सकती है।

मेटा का जवाब: फर्जी और काल्पनिक मुकदमा

मेटा ने मुकदमे के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। कंपनी की तरफ से बयान में कहा गया कि यह केस पूरी तरह आधारहीन है और इसमें लगाए गए आरोप 'फिक्शन' जैसे हैं। मेटा के प्रवक्ता एंडी स्टोन के हवाले से कहा गया कि वॉट्सएप पिछले एक दशक से सिग्नल प्रोटोकॉल के जरिए एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन इस्तेमाल कर रहा है और यह कहना कि मैसेज एनक्रिप्टेड नहीं है, 'बिल्कुल गलत और बेतुका' है। इतना ही नहीं, मेटा ने संकेत दिया है कि वह इस मुकदमे को दायर करने वाले वकीलों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और सैंक्शन की मांग भी कर सकती है।

बांग्लादेश में एक और हिंदू को जिंदा जलाया

पिछले 40 दिनों में 10 हिंदुओं की हत्या

नई दिल्ली, जेएनएन। बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में एक और हिंदू युवक की जिंदा जलाकर हत्या का मामला सामने आया है। 23 साल के चंचल चंद्र भौमिक का जला हुआ शव शुक्रवार रात एक गैराज के अंदर मिला। परिवार ने इसे सोची-समझी हत्या बताया है। घटना नरसिंदी शहर के पुलिस लाइंस से सटे मस्जिद मार्केट इलाके में हुई। चंचल जिस गैराज में काम करता था, उसी के अंदर उसका शव मिला। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के वक्त चंचल गैराज के अंदर सो रहा था। रात के समय किसी ने बाहर से शटर पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। आग तेजी से अंदर फैल गई।

इससे पहले 18 दिसंबर 2025 को मैमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। उनके शव को पेड़ पर लटकाकर आग लगा दी गई थी। पिछले 40 दिनों 10 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। चंचल कमिला जिले के लक्ष्मीपुर गांव का रहने वाला था।

नर्मदा जयंती महोत्सव में वर्चुअल शामिल हुए सीएम डॉ. यादव, हजारों लोगों ने किया दीपदान, शिक्षा मंत्री उदयप्रताप बोले-

पाठ्यक्रम में शामिल होगा मां नर्मदा का वैभव

जागरण नर्मदापुरम। पुण्य सलिला मां नर्मदा का दो दिवसीय प्रकटोत्सव का मुख्य आयोजन रविवार को सेठानी घाट के जलमंच से हुआ, जिसमें परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने धर्माचार्य सोमेश परसाई एवं पं. गोपाल प्रसाद खड्डर. पं. विनोद दुबे के आचार्यत्व में सपत्नीक नर्मदा प्राकट्योत्सव के अवसर पर सेठानी घाट पर विधिवत मां नर्मदा का विधि विधान से पूजन अर्चन किया। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव वर्चुअल उपस्थित रहे। उन्होंने 20 करोड़ की राशि से निर्मित किए जाने वाले नर्मदा लोक कॉरिडोर एवं जल निकासी संरचना के निर्माण कार्य का वर्चुअल भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदापुरम वासी सौभाग्यशाली है क्योकि यहां नर्मदा एवं तवा नदी का अद्भुत संगम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा लोक कॉरिडोर के निर्माण से जिले में पर्यटन एवं इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मां नर्मदा का महत्व सभी नदियो से अलग है। स्वयं माता अहिल्या ने मां नर्मदा की कृपा से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रेरणा देते हुए देश की चारों दिशाओं में विकास के कार्य किए। मंत्री श्री राव ने जलमंच से संबोधित करते हुए कहा कि नर्मदा जल की माटी हमें गौरव प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 200 नए सांदीपनी स्कूल खोलना प्रस्तावित है। नर्मदापुरम जिले में भी आवश्यकता के अनुसार सांदीपनी स्कूल खोले जाएंगे। राव ने कहा कि मां नर्मदा के वैभव को स्कूली पाठयक्रम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि

नर्मदा मैया पूरे प्रदेश की प्राण रेखा है। प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए नर्मदा प्राण वायु की तरह काम करती है। नर्मदा के बारे में हमारे बच्चों को अधिक से अधिक जानकारी होना चाहिए। यह जानकारी उनके भविष्य, जीवन के लिए उपयोगी होगा। हम नदियों के बारे में पाठ्यक्रम में पूर्व से विस्तार देने का कार्य कर रहे हैं। जब स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण चीजें शामिल होंगी। इसके पूर्व विधायक डॉ सीता सरन शर्मा ने विभिन्न मांगे मंत्री श्री राव के समक्ष रखी। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि नर्मदा लोक कॉरिडोर निर्माण के कार्य से समूचा नर्मदापुरम जिला भारत में एक आर्दश मॉडल के रूप में पहचाना जाएगा।

आटे एवं पत्ते से बने 51 हजार दीपों का किया दीपदान

मां नर्मदा प्राकट्योत्सव कार्यक्रम के दौरान ऐतिहासिक सेठानी घाट में आटे एवं पत्तों से बने 51 हजार दीपों का दीपदान किया गया। दीपदान की यह माला संपूर्ण नदी क्षेत्र को भव्य रूप प्रदान कर रही थी। इस अवसर पर म्यूजिकल फाउण्टेन लेजर शो का भी आयोजन किया गया। साथ ही नर्मदा प्रकटोत्सव एवं नर्मदापुरम गौरव दिवस के अवसर पर लोकप्रिय कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

मां नर्मदा की प्रतिमा का अनावरण किया

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने भोपाल तिराहा पर स्थापित मां नर्मदा जी की 8 फीट की भव्य मूर्ति का अनावरण किया तथा 40 फीट ऊंचे त्रिशूल का लोकार्पण किया। गौरतलब है कि शहर के प्रवेश द्वार के रूप में भोपाल तिराहे का राजस्थानी लाल पत्थर से सौंदर्यीकरण नपा द्वारा कराया गया है, जिसके बाद भोपाल तिराहे की सुंदरता देखते ही बन रही है। भोपाल तिराहे पर ही शहर की आध्यात्मिक ऊर्जा और पहचान के रूप में मां नर्मदा की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। इसका अनावरण मंत्री श्री राव द्वारा किया गया। इस दौरान भोपाल तिराहा मां नर्मदा के जयकारे से गूंज उठा।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	23.1	12.5
इंदौर	22.0	12.2
जबलपुर	27.1	15.3
ग्वालियर	20.0	13.3

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	18.2	7.6
मुंबई	28.0	20.3
चेन्नई	34.0	18.9
कोलकाता	26.4	14.1

सूर्यास्त 6:02 PM
सूर्योदय 7:03 AM
चन्द्रोदय 10:25 AM
चन्द्रास्त 11:14 PM

ओंकारेश्वर में दर्शन के दौरान ओडिशा के श्रद्धालु की मौत

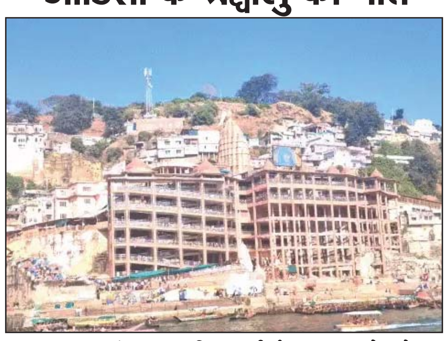

जागरण, खंडवा। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन के लिए लगी लंबी कतार में खड़े एक श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान ओडिशा निवासी बुबुल के रूप में हुई है। लंबे समय तक लाइन में खड़े रहने के दौरान अचानक उनका ब्लड प्रेशर बढ़ गया, जिससे वे बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। बुबुल एक निजी कंपनी में जॉब करते थे। दोस्तों के साथ पहले उज्जैन गए। वहां महाकाल के दर्शन किए। इसके बाद ओंकारेश्वर पहुंचे। वे जेपी चौक से मंदिर की ओर जाने वाली दर्शन कतार में खड़े थे। मंदिर परिसर के बाहर नर्मदा किनारे भीड़ नियंत्रण के लिए बनाए गए जिग-जैग मार्ग में अचानक उन्हें चक्कर आ गया। दोस्तों ने उन्हें तुरंत मंदिर परिसर स्थित क्लिनिक में दिखाया। हालत गंभीर होने पर वहां से सिविल अस्पताल रेफर किया। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर के अनुसार, बुबुल को अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया था। डॉक्टरों ने शव को मर्चुरी में रखकर पोस्टमॉर्टम की तैयारी की, लेकिन मृतक के दोस्तों ने लिखित में पोस्टमॉर्टम न कराने की सहमति दी। उन्होंने बताया कि मौत ब्लड प्रेशर बढ़ने और घबराहट के कारण हुई है। रविवार को दोस्त शव को इंदौर से फ्लाइट के जरिए ओडिशा ले गए।

नर्मदा जयंती पर मोरटक्का तक जाम

रविवार को नर्मदा जयंती और वीकेंड के चलते ओंकारेश्वर में भारी भीड़ देखने को मिली। दोपहर 12 बजे तक करीब एक लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच चुके थे। सुबह ग्राम कोठी तक जाम की स्थिति बनी, जो दोपहर तक मोरटक्का तक पहुंच गई। जाम के कारण ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक ट्रस्टी राव पुष्पेंद्र सिंह भी रास्ते में फंस गए और दोपहर तक मंदिर नहीं पहुंच सके।

सिंगरौली में मिट्टी खदान धंसने से दो बच्चियों सहित तीन लोगों की मौत, दो महिलाएं घायल

सफेद मिट्टी लाने खदान पहुंचे लोग हादसे का शिकार, प्रशासन ने चलाया रेस्क्यू

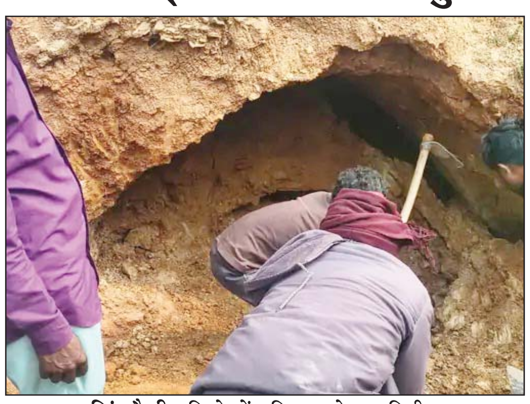

जागरण, सिंगरौली। जिले में रविवार दोपहर मिट्टी की खदान धंसने से दो बच्चियों सहित तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल दो महिलाएं घायल हैं। दुर्घटना उस समय हुई जब गांव की पांच महिलाएं सफेद मिट्टी लाने के लिए खदान में गई हुई थीं। यहां मिट्टी खुदाई के दौरान मिट्टी धंस गई और उसी में महिलाएं दब गईं, जैसे ही इसकी जानकारी गांव के अन्य लोगों को हुई तो उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिलाओं को रेस्क्यू कर खदान से बाहर निकाला। इनमें तीन की मौत हो गई है जबकि दो महिलाएं घायल हो गई हैं। इन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भेजा है। हादसा जिले के जियावन थाना क्षेत्र के कुदवार चौकी इलाके में हुआ है। खदान में दबे लोग परसोहर और हर्हा गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। सफेद मिट्टी जिसे इलाके में छूई कहा जाता उसे निकालने के दौरान यह हादसा हो गया। पुलिस को आशंका है कि खदान में कुछ और लोग भी हो सकते हैं। हादसे की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई और जेसीबी मशीन की व्यवस्था की गई। थाना जियावन, थाना बरगवां और चौकी कुंदवार के पुलिस बल ने मिलकर बचाव अभियान चलाया। पुलिस ने घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। ग्राम पंचायत बंधा के सचिव सतीश द्विवेदी द्वारा मृतक का संबल योजना अंतर्गत पूर्व पंजीयन नहीं कराए जाने को लापरवाही मानते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने उन्हें निलंबित कर दिया है। देवसर एसडीओपी गायत्री शर्मा ने बताया कि छुही खदान धंसने से प्रीति सिंह पिता मान सिंह 10 साल, बसंती 16 साल और फूलमती यादव की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि घायलों में कौसल्या सिंह और सकमुनि सिंह उम्र 45 वर्ष महिलाएं शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवसर में भर्ती कराया है।

चीख सुनकर बचाने पहुंचे ग्रामीण

हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और फावड़े-गैंती से खुदाई कर दबी लोगों को निकालने का प्रयास किया। सरपंच और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही चौकी कुंदवार और थाना जियावन पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में रेस्क्यू के लिए जेसीबी मशीन बुलाई गई।

निर्माणाधीन पुल के पिलर की सेंट्रिंग गिरी, एक की मौत

जागरण, जबलपुर। प्रदेश के जबलपुर में ललपुर-न्यू भेड़ाघाट क्षेत्र में एनएचआई के निर्माणाधीन पुल पर रविवार रात बड़ा हादसा हो गया। पिलर की सेंट्रिंग असंतुलित होकर गिरने से वहां काम कर रहे तीन मजदूरों में से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो मजदूर घायल हो गए। एसडीएम शहपुरा के अनुसार मृतक पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। एनएचआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमृतलाल साहू ने बताया कि यह हादसा रविवार रात करीब 8.30 बजे हुआ। घायल मजदूरों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल निर्माण कार्य को रोक दिया है। घायलों की पहचान 23 साल के पं. राहिल (निवासी रायसेन) और 20 वर्षीय राजेश्वर के रूप में हुई है। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार पं. राहिल के दाहिने पैर और दाहिने हाथ में फैक्चर है, जबकि बाएं टखने में फ्रैक्चर की आशंका जताई गई है। वहीं राजेश्वर के दाहिने पैर में फ्रैक्चर है और बाएं हाथ में फ्रैक्चर की आशंका है।

दूषित पानी से कांग्रेस वार्ड अध्यक्ष की मौत, मृतक संख्या हुई 28

दो मरीजों की हालत गंभीर, 10 का चल रहा इलाज

जागरण, इंदौर। शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से मौत का आंकड़ा 28 पहुंच चुका है। रविवार को भागीरथपुरा के रहने वाले रिटायर्ड शिक्षक और कांग्रेस वार्ड अध्यक्ष राजाराम बौरासी (75) की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक राजाराम को शुक्रवार को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद पहले स्थानीय डॉक्टर को दिखाया गया, लेकिन आराम नहीं मिला। इसके बाद शनिवार सुबह उन्हें सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने कहा- 2018-19 की एंजियोग्राफी रिपोर्ट के अनुसार राजाराम बौरासी हृदय रोग से

पीड़ित थे। उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की समस्या भी थी। उपलब्ध चिकित्सकीय दस्तावेजों में उल्टी-दस्त की पुष्टि नहीं होती है। फिलहाल, दूषित पानी से बीमार 10 लोग सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से 4 आईसीयू में हैं। इनमें से एक महिला और एक पुरुष मरीज की स्थिति चिंताजनक है।

महू में इंदौर जैसे हाल, 24 बच्चों सहित 30 लोग बीमार

उबालने पर भी नहीं जा रही पानी की बदबू

जागरण, इंदौर। भागीरथपुरा में बीते डेढ़ महीनं में एक-एककर 28 लोगों की मौत देख-सुन चुके अंबेडकर नगर (महू) के लोगों को भी अब दूषित पानी डरा रहा है। गंदा पानी पीने से 27 बच्चों सहित 30 लोग अब तक अस्पताल पहुंच चुके हैं। बावजूद इसके हालात सुधरने की बजाय बिगड़ते जा रहे हैं। पानी की बदबू लोगों को परेशान कर रही है। बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने के बाद जिला प्रशासन सहित स्वास्थ्य अमला चिंता में दिन भर मुनादी कर रहा है कि बड़े कूकर में कम से कम दो सीटें आने तक पानी गर्म करें, उबला पानी ही पीयें। मगर लोगों की चिंता यह है कि उबालने के बाद भी नहीं जा रही पानी की बदबू। महू के भागीरथपुरा जैसा ही हाल महू के पत्ती बाजार क्षेत्र स्थित चंदर मार्ग के बने हुए हैं। हालात की गंभीरता इसी बात से समझी जा सकती है कि गंभीर मरीजों को दूर भेजने से बचाने के लिए क्षेत्र के दो मंजिला मकान को अस्पताल बना दिया गया है। हालांकि महू का यह क्षेत्र भी केंट का ही हिस्सा है। यहां नियम और कायदा भी प्रदेश या केंद्र सरकार के नहीं, बल्कि सेना के चलते हैं। सेना का क्षेत्र होने से छावनी परिषद के साथ ही जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। यहां उल्टी-दस्त पीड़ितों के अस्पताल पहुंचते ही प्रशासन सक्रियता के साथ

मैदान में उतर आया है। पानी की जांच करने के साथ ही पाइप लाइन की चैकिंग तत्काल तेज कर दी गई। पाइप लाइन में लीकेज ढूंढने के साथ ही मरम्मत भी शुरू कर दी गई है। आशा कार्यकर्ताओं से लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तक मैदान में हैं। दिन भर लोगों को सलाह दी जा रही है कि पानी उबालकर पीयें, लापरवाही न बरतें।

यहां भी नाली में मिली पाइप लाइन : इंदौर के भागीरथपुरा के सामने महू के चंदर मार्ग पर भी दूषित पानी की वजह पाइप लाइन में लीकेज को माना जा रहा है। क्षेत्र की एक गली में जहां लीकेज मिला, वहीं गहरी नाली है और पूरी पाइप लाइन नाली में से ही गुजर रही है। ट्यूबवेल की सप्लाई लाइन के इस लीकेज के कारण घरों में दूषित पानी पहुंच रहा है। बताया जाता है यह पाइपलाइन करीब 10 साल पुरानी है।

हाईवे पर डीजल चोरी के गिरोह का पर्दाफाश

जागरण ब्यावरा। नरसिंहगढ़ पुलिस ने सीहोर, भोपाल, रायसेन एवं विदिशा जिलों के विभिन्न थाना क्षेत्रों के 250 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद नेशनल हाईवे किनारे खड़े हेवी वाहनों से डीजल चोरी व लूट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने गिरोह के पांच शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लूटा व चोरी किया 120 लीटर डीजल एवं एक देशी कट्टा बरामद किया है। रविवार को नरसिंहगढ़ एसडीओपी मिनी शुक्ला ने बताया कि हाईवे पर सफर करने वाले अधिकांश ट्रक हैवी वाहन चालक अपने जीवन का अधिकतम समय यात्राओं में व्यतीत करते हैं, जिसके कारण वे महीनों तक अपने परिवार से दूर रहते हैं। इसी परिस्थिति का लाभ उठाकर यह गिरोह रात्रि के समय हाईवे किनारे खड़े हेवी वाहनों से डीजल चोरी एवं लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे।

बिजनेस प्लस

फ्लिपकार्ट की 'क्राफ्टेड बाय भारत' सेल महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों और कारीगरों को बढ़ावा देगी

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट ने गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर अपनी फ्लैगशिप सेल, 'क्राफ्टेड बाय भारत' का ग्यारहवां संस्करण शुरू किया है। यह सेल भारत की समृद्ध कारीगरी और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाती है, जिसमें 2300 से अधिक कारीगर, बुनकर, महिला उद्यमी और एनजीओ हिस्सा ले रहे हैं। सेल में 1.8 लाख से अधिक हैंडीक्राफ्ट प्रोडक्ट्स उपलब्ध होंगे, जिनमें वारली, पटचित्र, मधुबनी, पिछवाई, टेराकोटा, हैंडलूम और वूडन क्राफ्ट शामिल हैं। इस साल सेल में विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों की महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित किया है। इससे 1.9 मिलियन लोगों की आजीविका को लाभ मिलेगा और 300 नए सैलर प्लेटफॉर्म से जुड़ेंगे। समर्थ प्रोग्राम के तहत फ्लिपकार्ट इन उद्यमों को ऑप्टिमाइज्ड प्राइसिंग, प्लेटफॉर्म प्रमोशन और समर्पित सपोर्ट प्रदान करता है, जिससे स्थानीय कारीगर और एमएसएमई डिजिटल व्यवसाय में मजबूती और व्यापक पहुंच हासिल कर सकें।

दो दिवसीय डीडीए ग्रीन एक्सपो 14 फरवरी से

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) 14-15 फरवरी 2026 को नई दिल्ली के बांसेरा पार्क में शहर का पहला डीडीए ग्रीन एक्सपो 2026 आयोजित करेगा। यह दो दिवसीय राष्ट्रीय मंच सतत शहरी विकास, शहरी हरियाली और प्रकृति-आधारित समाधानों पर केंद्रित होगा। एक्सपो यमुना बाढ़ के मैदानों के सफल कायाकल्प से प्रेरित है, जहां असिता, बांसेरा और यमुना वाटिका जैसे सार्वजनिक हरित स्थल विकसित किए गए हैं। ग्रीन एक्सपो में प्रदर्शनियां, लाइव डेमो, विशेषज्ञ सत्र और पैनल चर्चाएं होंगी, जिनमें जलवायु अनुकूल शहरी नियोजन, हरित बुनियादी ढांचा और पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत किए जाएंगे। यह मंच नीति निर्माताओं, शहरी विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और निजी क्षेत्र को एक साथ लाकर सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देगा। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के अनुसार, यह एक्सपो स्वच्छ, हरित और भविष्य के लिए तैयार शहरों के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को गति देगा।

अस्पताल पहुंची एंबुलेंस का गेट लॉक, हृदय रोगी की निकली जान

जागरण, सतना। 108 एंबुलेंस मरीजों की जान बचाने में योगदान देती है लेकिन सतना में एक मरीज के लिए यही संजीवनी काल बन गई। हृदय रोगी को गंभीर हालत में एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया लेकिन मरीज को भर्ती करने के लिए जैसे ही एंबुलेंस का गेट खोलना चाहा तो गेट लॉक हो गया। घटना के अनुसार, रामनगर क्षेत्र से हार्ट अटैक के मरीज राम प्रसाद को लेकर 108 एंबुलेंस जिला अस्पताल पहुंची थी। मरीज की हालत बेहद नाजुक थी और उसे तत्काल आपातकालीन चिकित्सा की आवश्यकता थी। जैसे ही वाहन अस्पताल की दहलीज पर रुका, एंबुलेंस का पिछला दरवाजा अचानक जाम हो गया। काफी कोशिशों के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला, तो गंभीर रूप से तड़प रहा मरीज और उसके दो परिजन वाहन के अंदर ही कैद होकर रह गए।

सतना में जान बचाने वाली संजीवनी ही बनी काल

ड्राइवर ने खिड़की से घुसकर तोड़ा लॉक : मरीज की बिगड़ती हालत और परिजनों की चीख-पुकार के बीच वहां अफरा-तफरी मच गई। जब कोई रास्ता नहीं सूझा, तो एंबुलेंस चालक ने सूझबूझ और कड़ी मशक्कत दिखाते हुए ड्राइवर वाली खिड़की से अंदर प्रवेश किया। इसके बाद अंदर से लॉक तोड़ने का प्रयास किया ताकि मरीज को बाहर निकाला जा सके। हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया में काफी समय बर्बाद हो गया, जो कि एक हार्ट अटैक के मरीज के लिए बेहद कीमती था। तकनीकी खराबी के कारण हुई इस देरी का खामियाजा अंततः मरीज को अपनी जान देकर भुगतना पड़ा।

बाइक की किश्त भरने इंजीनियर बन गया चोर

जागरण, खंडवा। मुंबई के वाशिम क्षेत्र में रहने वाले एक इंजीनियर योगेश चव्हाण ने बाइक की किश्त भरने चोरी का रास्ता चुन लिया। हाल ही में उसने खंडवा में एक महिला यात्री का पर्स चुरा लिया था। इसमें मोबाइल, नकदी व अन्य सामान रखा था। मामले में जीआरपी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से ढाई लाख का सामान मिला है। जीआरपी थाना टीआई प्रकाश सेन ने बताया कि, 24 जनवरी को फरियादी कन्हैयालाल मिश्रा पत्नी के साथ लोकमान्य तिलक टर्मिनस से पटना जा रहे थे। ट्रेन नंबर 13202 जनता एक्सप्रेस के एसी कोच बी-2, बर्थ नंबर 05 पर यात्रा के दौरान उनकी पत्नी के सिरहाने रखा लेडीज पर्स, जिसमें 6500 रुपए नकद और वीवो कंपनी का प्रो-19 मोबाइल रखा था। कोई बदमाश नींद का फायदा उठाकर चोरी कर ले गया।

खंडवा-वडोदरा एनएच पर छह फीट का गड्ढा, घंटेभर रुका रहा ट्रैफिक

मध्यप्रदेश को गुजरात से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे की सड़क धंसी

जागरण, बड़वानी। मप्र को गुजरात से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे की सड़क पर करीब 6 फीट गहरा गड्ढा हो गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त मौके से कोई गुजर नहीं रहा था। हालांकि, इस कारण करीब एक घंटे तक ट्रैफिक प्रभावित रहा। सूचना पर पुलिस और नगर पालिका के अमले ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। पुल के एप्रोच रोड पर आधे हिस्से से वाहनों को एक-एक कर निकाला। फिर गड्ढे में मुरम डाली। घटना रविवार सुबह बड़वानी मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर छोटी कसरावद गांव में नर्मदा नदी पर बने करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे पुल से पहले हुई। यह सड़क खंडवा-वडोदरा नेशनल हाईवे 347 बी का हिस्सा है, जो मध्य प्रदेश को गुजरात से जोड़ता है। इससे दिनभर में करीब 10 हजार गाड़ियां गुजरती हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सड़क के नीचे से गुजर रही पानी की पाइपलाइन ज्यादा प्रेशर से फूट गई। इसके चलते मिट्टी बैठी और सड़क धंस गई। राहगीरों ने ऐहतियातन गड्ढे के आसपास बैरिकेड्स और पत्थर रख दिए थे, ताकि किसी वाहन चालक या व्यक्ति को नुकसान न हो।

तीन घंटे में पूरा किया मरम्मत का काम

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचआई) के इंजीनियर विनोद कुमार सेन ने कहा- पाइपलाइन फूटने के कारण पानी के प्रेशर से सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जैसे ही सूचना मिली, हम लोग मौके पर पहुंचे। सेन के मुताबिक करीब 3 घंटे में रोड की मरम्मत कर दी गई। फिलहाल, सुरक्षा के साथ ट्रैफिक शुरू करा दिया है।

डकैती डालने वाला सागर में पकड़ाया बाल्टी में मिले 55 लाख के जेवर-नगदी

गंजबासौदा में परिवार को बंधक बनाकर की थी लूट, भागते समय बाइक से गिरा

जागरण, सागर। विदिशा जिले की गंजबासौदा तहसील के त्योंदा थाना क्षेत्र के ग्राम रायखेड़ी में परिवार को बंधक बनाकर हुई लूट का खुलासा हो गया है। सागर जिले की राहतगढ़ पुलिस ने भाग रहे डकैतों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक बाल्टी जब्त की है, जिसमें 5.58 लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवरात भरे हुए थे। जब्त मशरूका की कुल कीमत करीब 55 लाख रुपए बताई गई है। मामले में तीन अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। राहतगढ़ थाना क्षेत्र में देर रात पुलिस गश्त पर थी। इसी दौरान डायल-112 की टीम ने दो बाइकों पर सवार संदिग्धों को तेज रफ्तार में जाते देखा। पुलिस ने पीछा किया तो आरोपी और तेजी से भागने लगे। मामला संदिग्ध लगने पर अधिकारियों को सूचना दी और घेराबंदी की गई। इसी हड़बड़ी में भाग रहे बदमाशों की एक बाइक पर पीछे बैठा आरोपी सामान सहित नीचे गिर गया। पुलिस टीम ने उसे तुरंत दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम धनसिंह उर्फ छोटू पिता दशरथ पटैल निवासी सेमरा गोपालमन, थाना जैसीनगर बताया। राहतगढ़ एसडीओपी योगेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि आरोपी के पास से एक

प्लास्टिक की बोरी मिली, जिसके अंदर एक बाल्टी रखी थी। बाल्टी की तलाशी लेने पर उसमें से नकद 5.58 लाख रुपए और सोने-चांदी के भारी मात्रा में जेवरात बरामद हुए। आरोपी ने कबूला कि उसने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर विदिशा के रायखेड़ी में हथियारों के बल पर वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना विदिशा पुलिस को दी है। फरियादी बृजबिहारी कुर्मी निवासी रायखेड़ी ने त्योंदा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23 जनवरी की रात 11.30 से 1 बजे के बीच चार बदमाश छत के रास्ते घर में घुसे थे, उनके पास धारदार हथियार और लोहे की टामी थी।

गुवाहाटी में तीसरे टी-20 में भारत की एकतरफा जीत, 28 को विशाखापट्टनम में चौथा मुकाबला

अभिषेक-सूर्या की आंधी में उड़ी न्यूजीलैंड भारत ने 60 गेंद में चेस किए 154 रन

गुवाहाटी, जेएनएन। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 10 ओवर में 154 रन चेज कर 8 विकेट से तीसरा टी-20 जीत लिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने लगातार 11वीं टी-20 सीरीज जीत ली। टीम ने रविवार को गुवाहाटी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। बरसापारा स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए न्यूजीलैंड 153 रन ही बना सका। भारत ने 2 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। टीम इंडिया के लिए ओपनर अभिषेक शर्मा ने 14, सूर्यकुमार यादव ने 25 गेंद पर फिफ्टी लगाई। अभिषेक ने 68 और सूर्या ने 57 रन बनाए। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और रवि बिश्नोई को 2-2 विकेट मिले। टीम इंडिया ने पहला मैच 48 रन और दूसरा मैच 7 विकेट से जीता था। चौथा मुकाबला 28 जनवरी को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

भारत ने 3.1 ओवर में ही बनाए दिए 50 रन

भारत ने 3.1 ओवर में ही टीम फिफ्टी पूरी कर ली, यह टीम की सबसे तेज टी-20 फिफ्टी रही। 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ टीम ने 3.4 ओवर में हाफ सेंचुरी पूरी की थी। ईशान किशन 28 और संजू सैमसन खाता खोले बगैर आउट हो गए। मैट हेनरी और ईश सोढी को 1-1 विकेट मिला। अभिषेक ने भारत के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया। 2007 में युवराज सिंह 12 गेंद पर हाफ सेंचुरी लगा चुके हैं। अभिषेक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फास्टेस्ट फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया। डेविड वॉर्नर 20 गेंद पर हाफ सेंचुरी लगा चुके हैं।

न्यूजीलैंड को लगातार 5वीं टी-20 सीरीज हराई

भारत ने अजेय बढ़त बनाकर न्यूजीलैंड को लगातार पांचवीं टी-20 सीरीज हरा दी। न्यूजीलैंड ने 2019 में भारत को आखिरी बार अपने होमग्राउंड पर हराया था। टीम भारत में एक भी टी-20 सीरीज नहीं जीत सकी। टीम इंडिया ने दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2-2 से आखिरी बार सीरीज ड्रॉ खेली थी। तब से टीम 9 द्विपक्षीय सीरीज के साथ 2 टूर्नामेंट जीत चुकी है। भारत को आखिरी सीरीज हार भी जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली थी। इसके बाद से भारत को लगातार 15 टी-20 सीरीज में हार नहीं मिली।

आईसीसी के कड़े रुख से डरे पाक ने की टीम घोषित

नई दिल्ली, जेएनएन। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान की भागीदारी पर मंडरा रहे अनिश्चितता के बादल अब छंट गए हैं। बांग्लादेश के टूर्नामेंट से हटने के बाद पाकिस्तान द्वारा भी बहिष्कार की धमकियां दी जा रही थीं, लेकिन आईसीसी ने स्पष्ट कर दिया था कि अगर पाकिस्तान पीछे हटता है, तो उस पर भारी वित्तीय जुर्माना और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से निलंबन जैसे कड़े प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इस दबाव के बीच पीसीबी ने सलमान अली आगा की कप्तानी में अपनी टीम की घोषणा कर दी है। पिछले कुछ दिनों से पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी यह संकेत दे रहे थे कि वे बांग्लादेश के साथ हुए

अन्याय के खिलाफ कड़ा फैसला ले सकते हैं। लेकिन आईसीसी ने मतदान के जरिए यह साफ कर दिया कि वर्ल्ड कप तय शेड्यूल पर ही होगा। आईसीसी ने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि हटने की स्थिति में न केवल उन्हें भारी घाटा होगा, बल्कि भविष्य के आईसीसी आयोजनों से भी उन्हें हाथ धोना पड़ सकता है।

बाबर-शाहीन की वापसी: पाकिस्तान की इस 15 सदस्यीय टीम में सबसे बड़ी खबर बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी की वापसी है। खराब फॉर्म और आराम के नाम पर पिछली सीरीज से बाहर रहने वाले इन दोनों दिग्गजों को वर्ल्ड कप के लिए फिर से चुना गया है। हालांकि, चौंकाने वाला फैसला विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को लेकर लिया गया है, जिन्हें टीम में जगह नहीं मिली है। रिजवान की जगह साहिबजादा फरहान और ख्वाजा मोहम्मद नफे को विकेटकीपर के विकल्प के रूप में रखा गया है।

अल्काराज और सबालेंका क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, जोकोविच को मिला वॉकओवर

मेलबर्न, जेएनएन। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने की कोशिश में लगे अल्काराज ने टॉमी पॉल पर 7-6 (6), 6-4, 7-5 से जीत दर्ज की जबकि महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने कनाडा की नंबर 17 विक्टोरिया एमबोको को 6-1, 7-6 (1) से हराया। अल्काराज ने अपने खेल में कुछ बदलाव किये जो इस मैच में कारगर साबित हुए। उन्होंने कोई डबल-फॉल्ट नहीं किया, अपनी पहली सर्विस को 70 प्रतिशत सही जगह पर पहुंचाया और उनमें से 79 प्रतिशत अंक जीते। उन्होंने अपनी दूसरी सर्विस पर भी 68 प्रतिशत अंक जीते। अल्काराज ने मैच के बाद कहा, यह कड़ा मैच था और सीधे सेटों में जीत हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। सच कहूं तो मेलबर्न पार्क में खेले गए अपने पहले चार मैचों में मैंने जो सर्विस की है, उससे मैं खुद काफी प्रभावित हूं।

अल्काराज अपने टेनिस करियर में अभी तक ऑस्ट्रेलियाई ओपन में ट्रॉफी नहीं जीती है। इस टूर्नामेंट में वह कभी क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। अंतिम आठ में उनका मुकाबला स्थानीय पसंदीदा खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर या नंबर 10 एलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा। इससे पहले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में पिछले चार वर्षों में तीसरा खिताब जीतने की कवायद में लगी सबालेंका ने अपनी दमदार सर्विस का शानदार नमूना पेश करते हुए कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी को केवल 31 मिनट में हरा दिया। सबालेंका दूसरे सेट में उतनी हावी नहीं रहीं और उन्होंने कुछ बेजा गलतियां की। इस सेट में एमबोको ने अच्छा खेल दिखाया। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी 27 वर्षीय सबालेंका ने युवा एमबोको के बारे में कहा, वह इतनी कम उम्र में एक अद्भुत खिलाड़ी है। टूर पर इन युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ते देखना अविश्वसनीय है। उसने मेरे सामने कड़ी चुनौती पेश की। मुझे खुशी है कि मैं मैच जीतने में सफल रही। सबालेंका ने दूसरे सेट में 4-1 की बढ़त बनाई, लेकिन 5-4 की बढ़त के बावजूद तीन मैच प्वाइंट गंवा दिए। एमबोको ने धीरे-धीरे लय वापस हासिल कर ली और मैच को टाईब्रेकर तक ले गईं, लेकिन सबालेंका ने अंत में दबदबा कायम कर लिया। सबालेंका की टाईब्रेक में यह लगातार 20वीं जीत थी। सबालेंका ने 2023 और 2024 में यह ग्रैंड स्लैम जीता था और पिछले साल मैडिसन कीज़ के खिलाफ उपविजेता रही थीं। बेलारूस की इस खिलाड़ी ने अमेरिकी ओपन में भी दो खिताब भी जीते हैं।

आस्ट्रेलिया ओपन

जोकोविच बिना कोर्ट उतरे पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

रिकॉर्ड 10 बार के विजेता जोकोविच कोर्ट पर उतरे बिना ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। चौथे दौर में उनके प्रतिद्वंदी मेनसिक ने पेट की मांसपेशियों में खिंचाव कारण 24 घंटे पहले ही रविवार को अपना नाम वापस ले लिया। इससे अपना 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच को वाकओवर मिल गया। आयोजकों ने रविवार देर रात मेनसिक के नाम वापस लेने की पुष्टि की। मैच सोमवार रात को रॉड लेवर एरिना में खेला जाना था। मेनसिक ने कहा, पिछले कुछ मैचों के बाद मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा था। अगर मैं सोमवार को कोर्ट पर उतरता हूं तो यह मेरे स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है। 16वीं वरीयता प्राप्त मेनसिक ने एथन क्विन को सीधे सेटों में हराया था। जोकोविच तीसरे दौर में बोटिक वैन डे को 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर ग्रैंड स्लैम एकल में 400 जीत हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बने थे।

माया-अर्नव बाहर हुए

माया राजेश्वरन रावती और अर्नव पापरकर के रविवार को यहां पहले दौर में हारने से भारत की ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के जूनियर वर्ग के एकल में चुनौती समाप्त हो गई। लड़कियों के एकल वर्ग में खेल रही माया खास लय में नहीं लिखी और वह अन्ना पुष्करेवा से एक घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मैच में 4-6, 1-6 से हार गईं। पहले सेट में कड़ी टक्कर के बाद दूसरे सेट में भारतीय खिलाड़ी ने अपनी लय खो दी क्योंकि पुष्करेवा ने आक्रामक खेल दिखाया। लड़कों के एकल वर्ग में भी पापरकर जल्दी ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें अमेरिकी खिलाड़ी विहान रेड्डी से 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। पापरकर ने दोनों सेटों में कड़ी टक्कर दी लेकिन महत्वपूर्ण अवसरों को भुनाने में असमर्थ रहे। दूसरी तरफ रेड्डी ने निर्णायक क्षणों में अधिक स्थिरता दिखाते हुए सीधे सेटों में जीत हासिल की। पापरकर को नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले डेविस कप क्वालिफायर मुकाबले के लिए भारत की टीम में अभ्यास साथी के रूप में चुना गया है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी: तेजस्वी सर्वसम्मति से बने राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

पटना, जेएनएन। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को राजद का राष्ट्रीय कार्यकारी (कार्यवाहक) अध्यक्ष बनाया गया है। पटना के होटल मौर्य में राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भोला यादव ने प्रस्ताव रखा, जिस पर सभी नेताओं ने सहमति जताई। बैठक में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, मीसा भारती, संजय यादव समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस बैठक में बिहार चुनाव में मिली हार पर भी चर्चा हुई, जिस पर तेजस्वी ने कहा कि हमें सबकुछ भूलकर आगे बढ़ना है। उन्होंने भाषण के दौरान कहा कि या तो नरेंद्र मोदी के चरण में रहिए या फिर उनसे लड़िए चाचा जी तो चरण में चले गए हैं, वीडियो सबने देखा होगा, लेकिन हम नहीं झुकेंगे। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा, तेजस्वी यादव जब पद पर नहीं थे, तब भी काफी अच्छा काम कर रहे थे। अब और ज्यादा बढ़िया से काम करेंगे। सबको मिलकर संगठन को मजबूत करना है।

पहले से ही ले रहे जरूरी निर्णय

तेजस्वी पहले से ही पार्टी के अधिकतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। संगठनात्मक मामलों से लेकर राजनीतिक रणनीति तक उनकी भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। पार्टी के भीतर भी उन्हें भविष्य के नेता के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि विधानसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले नेताओं पर कार्रवाई को लेकर भी निर्णय हो सकता है। कार्यकारिणी की बैठक में इस मुद्दे पर ठोस और सख्त निर्णय लिए जाने की संभावना जताई जा रही है।

बर्फीला तूफान: 10 राज्यों में इमरजेंसी

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बर्फीले तूफानों से जूझ रहे 10 राज्यों के लिए आपातकालीन घोषणाओं को मंजूरी दे दी है। ट्रंप ने कहा कि फेडेरल गवर्नमेंट, फेमा, गवर्नर्स और डिजास्टर मैनेजमेंट टीमों के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि कड़ाके की ठंड और भारी बर्फबारी के बीच लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तूफान का एरिया इतना बड़ा है कि देश के बड़े हिस्से में भारी बर्फबारी, कई दिनों तक बिजली गुल रहने और मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक ठप होने का खतरा पैदा हो गया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि टेनेसी, जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलाइना, मैरीलैंड, आर्कान्सस, केंटकी, लुइसियाना, मिसिसिपी, इंडियाना और वेस्ट वर्जीनिया के लिए इमरजेंसी को मंजूरी दी गई है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने व गर्म रहने की अपील की। इससे पहले भी वे तूफान के रास्ते में आने वाले कुछ और राज्यों के लिए आपातकालीन घोषणाओं को मंजूरी दे चुके थे।

अल्बानिया में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज

तिराना, जेएनएन। अल्बानिया की राजधानी तिराना में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुईं, जिसके चलते इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। यह विरोध प्रदर्शन आर्थिक कठिनाइयों, भ्रष्टाचार और सरकारी नीतियों के खिलाफ किया गया। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर नाराजगी जताई और कई प्रमुख सरकारी इमारतों के बाहर मार्च किया। इसके दौरान पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बल का इस्तेमाल किया, जिसमें कुछ प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के घायल होने की खबरें मिली हैं। अधिकारियों ने हिंसा फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पुलिस ने आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, जिससे कई प्रदर्शनकारी इधर-उधर भागते दिखे। अल्बेनिया प्रशासन ने तनाव कम करने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए और लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करने की अपील की।

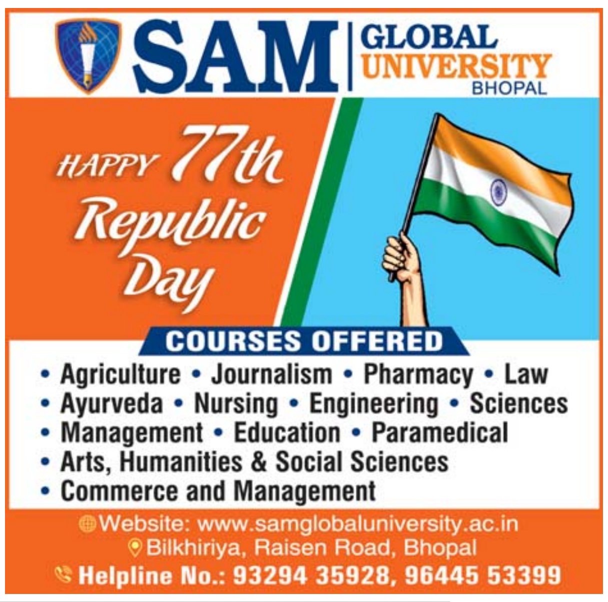

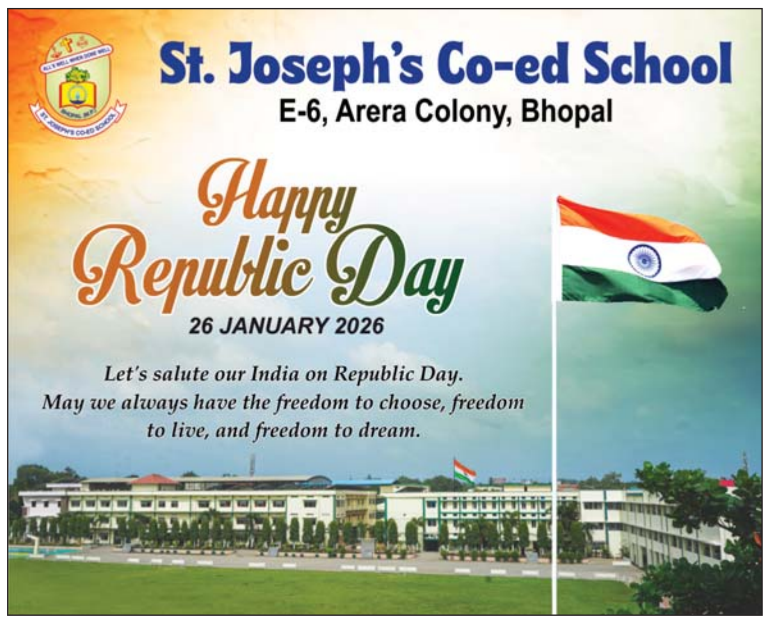

एसपी ने बांटे हेलमेट, 26 के बाद करेंगे कार्रवाई

जागरण, मंडला। जिले के बिछिया इलाके में रविवार को एसपी रजत सकलेचा खुद सड़क पर उतरे और लोगों को हेलमेट बांटे। घुटास तिराहे पर उन्होंने लोगों को समझाया कि सड़क पर चलते समय जान की सुरक्षा सबसे जरूरी है। एसपी ने साफ कर दिया कि 26 जनवरी तक पुलिस सबको प्यार से समझा रही है, लेकिन उसके बाद बिना हेलमेट वालों की खैर नहीं होगी और उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेले की सुरक्षा के लिए 150 सीसीटीवी और ड्रोन तैनात

जागरण, खरगोन। श्री नवग्रह मेले में निगरानी के लिए एक पुलिस चौकी स्थापित की गई है, साथ ही 150 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ड्रोन और अश्वारोही पुलिस टीम भी सुरक्षा में तैनात रहेगी। ये सीसीटीवी कैमरे व्यस्ततम चौराहों, झूला क्षेत्र, मीना बाजार, प्रवेश व निगम द्वार के अलावा पार्किंग क्षेत्रों में लगाए गए हैं। कंट्रोल रूम से इन कैमरों के माध्यम से लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी।

"ट्वीट ऑफ द डे"

प्रशांत किशोर
संस्थापक जन सुराज

हम बिहार छोड़ने वाले नहीं हैं और लंबे संघर्ष के लिए तैयार हैं। हमने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 6 महीने का वक्त दिया है। 31 मई के बाद पार्टी अपना अभियान शुरू करेगी। पहले तो हम यह देखने की कोशिश करेंगे कि क्या एनडीए चुनाव के दौरान किए गए वादे को पूरा कर रही है?

रैगिंग की घटनाएं बढ़ीं, मैनिट में जूनियर को पीटा

शिकायत: जनवरी में प्रदेशभर में रैगिंग के एक दर्जन मामले आए सामने, देशभर में 109 घटनाएं हेल्पलाइन में दर्ज

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। रैगिंग के मामलों में मध्यप्रदेश देशभर में तीसरे स्थान पर है। 2026 के जनवरी माह में ही रैगिंग के प्रकरणों का ग्राफ एक दर्जन पर पहुंच गया है। प्रदेश में मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में रैगिंग का 12वां मामला सामने आया है। इसकी शिकायत यूजीसी हेल्पलाइन में दर्ज हो चुकी है। इसके बाद मैनिट प्रबंधन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मैनिट प्रबंधन एक सप्ताह में जांच कर हेल्पलाइन को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन में 2026 में देशभर में अभी तक 109 प्रकरण दर्ज हो चुके हैं। इसमें मप्र के साथ बिहार तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। जबकि प्रथम पर पश्चिम बंगाल और दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। हेल्पलाइन में देशभर में मैनिट की रैगिंग 109वें नंबर पर दर्ज की गई है। एक जूनियर ने शिकायत में बताया कि मैनिट में माफिक टेक्नोसर्च 2026 का आयोजन चल रहा है। इसमें द्वितीय वर्ष में प्रवेशरत विद्यार्थी की तीसरे वर्ष के विद्यार्थी के बीच महासुनी हो गई। इसके बाद तीसरे वर्ष के विद्यार्थी ने द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी के साथ मारपीट कर दी। मारपीट करने वालों में दस विद्यार्थियों को और शामिल किया गया है। मारपीट के बाद जूनियर ने एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करा दी है। वहीं हेल्पलाइन ने प्रकरण को गंभीर प्रकरण की श्रेणी में

डालते हुए मैनिट प्रबंधन को तत्काल कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है। हेल्पलाइन से ई-मेल मिलने के बाद मैनिट प्रबंधन ने जांच शुरू कर दी है। कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उनकी फुटैज खंगाली जा रही है। सुरक्षा अधिकारी और एंटी रैगिंग कमेटी अध्यक्ष प्रकरण की जांच में जुट गए हैं। आरोपी विद्यार्थियों की शिनाख्त होने के बाद उनसे प्रौक्टोरियल बोर्ड कार्रवाई करते हुए सभी विद्यार्थियों के बयान दर्ज करेगा। इसके बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कर रिपोर्ट को हेल्पलाइन को भेज दिया जाएगा।

जनवरी में देशभर से 109 शिकायतें दर्ज

यूजीसी की हेल्पलाइन पर जनवरी पश्चिम बंगाल में तेजी से बढ़े रैगिंग के प्रकरणों के कारण मप्र और बिहार तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के मुताबिक जनवरी में देशभर से कुल 109 शिकायतें दर्ज हुई। इनमें उत्तरप्रदेश 14 मामलों के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि मध्यप्रदेश और बिहार 12-12 शिकायतों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। उक्त प्रकरण सिर्फ जनवरी में ही दर्ज हुए हैं। इसमें भोपाल की पहली शिकायत मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में दर्ज हुई है। शिक्षा का हब कहलाने वाला मप्र अब रैगिंग की घटनाओं से बदनाम हो रहा है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि यहां एग्रीकल्चर कॉलेज से लेकर इंजीनियरिंग कालेज तक कहीं भी जूनियर छात्र सुरक्षित नहीं हैं।

सिर्फ शिकायतें दर्ज कर रहा प्रशासन, कार्रवाई नहीं हो रही

राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन ने एंटी-रैगिंग कमेटी और हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाएं बना रखी हैं, लेकिन शिकायतों की लगातार बढ़ती संख्या साफ दिखाती है कि इनका असर जमीन पर नहीं दिख रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशासन केवल शिकायत दर्ज कर औपचारिक कार्रवाई करता है, जबकि दोषियों को कठोर दंड देने में ढिलाई बरती जाती है। प्रदेश की स्थिति यह भी दिखाती है कि यहां विश्वविद्यालयों में निगरानी की कमी और अनुशासनहीनता किस स्तर तक है। खास बात यह है कि कई बार संस्थानों ने आंतरिक दबाव के चलते शिकायतों को दबाने की कोशिश भी की, लेकिन एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर पहुंचे फोन ने हालात उजागर कर दिए।

फैक्ट फाइल

जनवरी में दर्ज हुए प्रकरण

पश्चिम बंगाल-	16	महाराष्ट्र-	10
उत्तर प्रदेश-	14	कर्नाटक -	07
मध्य प्रदेश-	12	दिल्ली-	02
बिहार-	12	गुजरात-	01

साल में दर्ज हुई शिकायतें

- कालेज आफ एग्रीकल्चर इंदौर में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी के साथ मारपीट।
- कालेज आफ एग्रीकल्चर जबलपुर में सहपाठी से मारपीट।
- कालेज आफ एग्रीकल्चर ग्वालियर जहां छात्रों ने रैगिंग ली।
- मेडिकल कालेज दतिया में जूनियर से मारपीट।
- कालेज आफ एग्रीकल्चर ग्वालियर में आपसी मारपीट।
- नंद कुमार सिंह चौहान मेडिकल कालेज में छात्रों से दुर्व्यवहार के बाद मारपीट।
- आयुर्वेद कालेज रीवा में सीनियर ने जूनियर को रात में खड़ा रखा।
- जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज में जूनियर के साथ हास्टल के बाहर मारपीट।
- जीवाजी विवि ग्वालियर में विद्यार्थियों की आपसी मारपीट।

आरजीपीवी ने निरस्त की गेस्ट फैकल्टी की भर्ती

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के तहत यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी) में गेस्ट फैकल्टी की नियुक्ति प्रक्रिया को निरस्त कर दिया गया है। जनवरी 2026 सत्र के लिए विभिन्न इंजीनियरिंग और विज्ञान विषयों में गेस्ट फैकल्टी की भर्ती करने के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 19 जनवरी तय की गई थी। आवेदन प्रक्रिया शुरु होने के कुछ दिनों बाद कुलगुरु एससी चौबे और कुलसचिव मोहन सेन की स्वीकृति के बाद भर्ती प्रक्रिया को निरस्त किया गया है। भर्ती प्रक्रिया निरस्त करने का कोई कारण नहीं बताया गया है। आरजीपीवी को आवेदन भी प्राप्त नहीं हुए थे। यूआईटी प्रशासन के अनुसार 9 विषय में सिविल, सीएसई, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, आईटी, मैकेनिकल, एमसीए, फिजिक्स और गणित विभाग में गेस्ट फैकल्टी की आवश्यकता है।

पिता के लिए गुटखा लेने गई पांच साल की मासूम से दुकानदार ने किया दुष्कर्म

जागरण, मुरैना। जिले के एक गांव में 5 साल की मासूम के साथ दुकानदार ने दुष्कर्म की वारदात की। घटना उस दौरान हुई जब बच्ची अपने पिता के लिए पड़ोस की दुकान पर गुटखा लेने गई थी। दुकान पर बैठे 17 साल के नाबालिग लड़के ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद पीड़िता ने घर जाकर माता-पिता को आपबीती बताई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। महुआ थाना पुलिस के अनुसार, पीड़िता को उसके पिता ने पड़ोस की दुकान से गुटखा लाने के लिए भेजा था। दुकान पर आरोपी किशोर मौजूद था। दुकान पहुंचकर बच्ची ने गुटखा मांगा तो आरोपी ने उसे झूठ बोला कि पीछे कुत्ता खड़ा है, जो काट लेगा। कुत्ते का डर दिखाकर वह बच्ची को दुकान के अंदर ले गया और घटना को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी ने उसे गुटखा देकर भगा दिया। पीड़िता के माता-पिता ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। महुआ थाना प्रभारी धर्मेंद्र गौर ने बताया कि बच्ची के साथ पड़ोस में ही दुकान का काम करने वाले 17 साल के किशोर ने रेप किया है। चूंकि आरोपी भी नाबालिग है, इसलिए उसे राउंडअप कर लिया है। पुलिस उसका मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उसे न्यायालय (जूवेनाइल जस्टिस बोर्ड) के समक्ष पेश करेगी।

मुरैना में कुत्ते का डर दिखाकर की वारदात

सेना ने पाकिस्तानी घुसपैठिया मार गिराया

श्रीनगर, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के सांबा में बीएसएफ ने रविवार देर रात पाकिस्तानी घुसपैठिया मार गिराया। सेना के सूत्रों के मुताबिक सांबा जिले में एलओसी पर सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश की जा रही थी, जिसे नाकाम किया गया। अब पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इधर कठुआ जिले में भी एलओसी के पास पाकिस्तानी ड्रोन नजर आया। यह ड्रोन नियमित निगरानी के दौरान नजर आया था। जवाबी कार्रवाई में एंटी ड्रोन सिस्टम एक्टिवेट किए गए हैं। 20 जनवरी को भी कठुआ में ही बॉर्डर के पास ड्रोन देखे गए थे। पिछले 15 दिनों में बॉर्डर के पास 6 बार ड्रोन देखे जा चुके हैं। इससे पहले 17 जनवरी की शाम को लाइन ऑफ कंट्रोल से सटे रामगढ़ सेक्टर में भी ड्रोन देखा गया था।

अब पुरुष भी खाएंगे गर्भनिरोधक गोली!

नई दवा वाईसीटी-529: शुरुआती ट्रायल में दिखी सुरक्षित

नई दिल्ली, जेएनएन। गर्भनिरोधक के विकल्पों में अब एक बड़ा बदलाव आने की संभावना है। वैज्ञानिकों ने महिलाओं की तरह पुरुषों के लिए भी गर्भनिरोधक गोली विकसित कर ली है। इस नई दवा का नाम वाईसीटी-529 बताया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में इस दवा का फेज-1 ट्रायल किया गया, जिसमें इसे सुरक्षित माना गया और कोई गंभीर साइड इफेक्ट सामने नहीं आया। यह खबर इसलिए अहम है क्योंकि अब तक गर्भनिरोधक के अधिकतर विकल्प जैसे पिल्स, कॉपर-टी, इंजेक्शन आदि मुख्य रूप से महिलाओं पर केंद्रित रहे हैं। पुरुषों के लिए विकल्प सीमित रहे हैं, जिनमें कंडोम व नसबंदी (वेसक्टॉमी) शामिल हैं। वाईसीटी-529 सफल होती है, तो परिवार नियोजन की जिम्मेदारी बंट सकती है।

32 से 59 साल के 16 पुरुषों पर हुआ टेस्ट: दवा का शुरुआती परीक्षण 32 से 59 वर्ष की आयु के 16 पुरुषों पर किया गया। यह दवा फेज-1 ट्रायल में सफल बताई गई, और इसे लेने के बाद किसी प्रकार के गंभीर दुष्प्रभाव की पुष्टि नहीं हुई। फिलहाल इस दवा के अगले चरण के ट्रायल जारी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी नई दवा के बाजार में आने से पहले उसके कई चरणों में परीक्षण होते हैं। इसलिए यह दवा अभी आम लोगों के लिए उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसके शुरुआती नतीजे इसे उम्मीदभरा विकल्प बनाते हैं। दवा के काम करने के तरीके को लेकर बताया गया है कि यह एक हार्मोन-फ्री दवा है। यह शरीर में हार्मोन का स्तर बदलने के बजाय शुक्राणु बनने की प्रक्रिया को कुछ समय के लिए रोक देती है। रिपोर्ट के मुताबिक यह दवा शरीर में मौजूद एक खास केमिकल /रिसेप्टर सिस्टम पर असर करती है। यह रेटिनोइक एसिड रिसेप्टर-अल्फा को ब्लॉक करती है। इसका संबंध स्पर्म बनने की प्रक्रिया से माना जाता है। जब यह रिसेप्टर ब्लॉक हो जाता है, तो शरीर में शुक्राणु बनने की प्रक्रिया बाधित हो सकती है। हालांकि यह असर अस्थायी होने की बात कही जा रही है।

किस कैंसर में कौन सा इलाज रहेगा बेहतर, बताएगा एम्स का कैप सेंटर

विशेष सुविधा: बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्थापित किया गया सेंटर

नगर संवाददाता, भोपाल। एम्स भोपाल ने कैंसर के मरीजों को उनकी बीमारी के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष सेंटर स्थापित किया है। के लिए अपनी तरह की एक नए कॉन्सेप्ट को लेकर आया है। इसमें कैंसर से ग्रसित मरीजों और उनके परिजनों को रोग की हर डिटेल दी जाएगी। इसके लिए एक विशेष सेंटर केप (कैंसर अवेयरनेस एंड पेशेंट एम्पावरमेंट) सुविधा केंद्र की शुरुआत सोमवार से की जा रही है। संस्थान के विशेषज्ञों की माने तो सेंटर में कॉन्फिडेंट बूस्ट करने, नॉलेज (जानकारी) देने के साथ इलाज का सही विकल्प चुनने में मदद की जाएगी। इसका उद्देश्य यह है कि मरीज और परिजन बीमारी की बारीकियों को समझेंगे तो इससे बेहतर तरीके से लड़ सकेंगे। वर्तमान में कैंसर को लेकर लोगों के मन में जो डर और भ्रांतियां वो मरीज का जीवन कम करने का काम कर रहा है।

डर और भ्रम दूर करना मुख्य उद्देश्य

भारत में कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है और बहुत से लोग देर से अस्पताल पहुंचते हैं, क्योंकि उन्हें बीमारी को लेकर डर, शर्म और भ्रम बना रहता है। यही वजह है कि केंद्र का सबसे बड़ा उद्देश्य कैंसर से जुड़ी गलतफहमियों को दूर करना और मरीजों का मानसिक तनाव कम करना है। कैंसर का नाम सुनते ही कई मरीज सोचते हैं कि यह बीमारी लाइलाज है या इलाज बहुत कठोर होगा, जबकि कई मामलों में समय पर इलाज से मरीज सामान्य जीवन जी लेते हैं। इस केंद्र में मरीजों को यह समझाया जाएगा कि बीमारी के विभिन्न चरण क्या होते हैं, कौन-कौन से इलाज उपलब्ध हैं, इलाज के दौरान शरीर में क्या बदलाव आते हैं और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सरल भाषा से समझाया जाएगा इलाज

यह केंद्र जानकारी देने के लिए डॉक्टरों की जटिल मेडिकल भाषा के बजाय सरल हिंदी और अनुकूल शब्दों का उपयोग करेगा, ताकि हर मरीज और परिजन आसानी से समझ सकें। इसके लिए वीडियो, ग्राफिक्स, पोस्टर और रोकथाम संबंधी सामग्री भी तैयार की गई है। केंद्र में मरीजों को एकतरफा जानकारी देने के बजाय दो-तरफा संवाद को प्राथमिकता दी जाएगी, यानी मरीज अपने सवाल पूछ सकेंगे और उनकी शंकाओं का समाधान उसी समय किया जाएगा। यह पहल मरीज के भरोसे को मजबूत करेगी और उपचार प्रक्रिया को सहयोगी बनाएगी।

आत्मविश्वास बढ़ाने में करेगा मदद

कैंसर मरीजों और उनके परिवारों की मुश्किलें कम करने के लिए केंद्र मरीजों को सरल भाषा में कैंसर, उसके इलाज, दुष्प्रभाव, जांच और जीवनशैली में जरूरी बदलाव के बारे में जानकारी देगा। अक्सर देखा जाता है कि कैंसर का नाम सुनते ही मरीज घबरा जाते हैं और इलाज की प्रक्रिया को समझ नहीं पाते। केंद्र का उद्देश्य इसी डर और भ्रम को दूर करना है, ताकि मरीज बेहतर निर्णय ले सकें और समय पर इलाज शुरू हो सके, जिससे अनावश्यक मौतों को रोकने में मदद मिलेगी। यह सुविधा केंद्र एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ. माधवानंद कर के निर्देशन में विकसित किया गया है। केंद्र की योजना और क्रियान्वयन में सेट समिति यानी सिमुलेशन, ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन कमेटी का योगदान रहा। यह केंद्र इलाज के तकनीकी हिस्से और मरीजों की सामान्य समझ के बीच एक सेतु का काम करेगा, ताकि दोनों पक्षों के बीच स्पष्टता और भरोसा कायम हो सके।

चार पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुरस्कार

विशेष संवाददाता, भोपाल। मप्र के 4 पुलिस अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पद दिया जाएगा, जबकि 17 पुलिस अधिकारियों को सराहनीय सेवा से सम्मानित किया जाएगा। इन अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 को आयोजित अलंकरण समारोह में पदक प्रदान किए जाएंगे। गणतंत्र दिवस से एक पहले घोषित किए गए पदकों में विशिष्ट सेवा के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, नर्मदापुरम के पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश कुमार गोस्वामी और निरीक्षक शिव कुमार पटेल को प्रेसिडेंट मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस (राष्ट्रपति पदक) से सम्मानित किया जाएगा।

पुलिस महानिरीक्षक कृष्णावेनी देसावतु, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय, पुलिस अधीक्षक गितेश कुमार गर्ग, पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार राठौर, निरीक्षक प्रवीण सिंह, निधि श्रीवास्तव, शफ्फाली टाकलकर, हेड कांस्टेबल श्रीराम मिश्रा, कांस्टेबल सुशील कुमार चौबे, उपनिरीक्षक प्रेम कुमार व्यास, उपनिरीक्षक महेन्द्र सिंह नेगी, सहायक उप निरीक्षक संतोष मेहरा, कांस्टेबल रविंद्र मिश्रा और निरीक्षक राजू को सराहनीय सेवा पदक के लिए मेडल फॉर मेरीटोरियस सर्विस से सम्मानित किया जाएगा। रविवार को घोषित किए गए पदकों की सूची में इस बार वीरता पुरस्कार की सूची में किसी भी मप्र के पुलिस अधिकारियों का नाम शामिल नहीं है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।